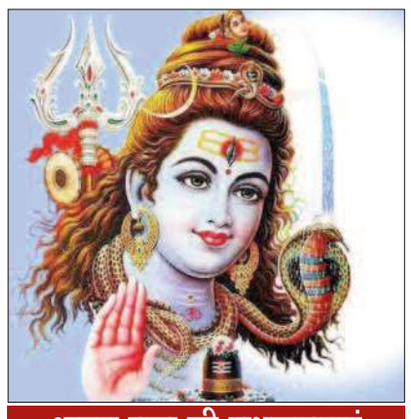
28 जुलाई 2024 रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



श्रावण मास की शुभकामनाएं



सरकारी सप्लाई की दवा खाकर 40 स्कूली बच्चे बीमार, आठ की हालत गंभीर

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

ममता बनर्जी ने लगाया गया आरोप... नीति आयोग की बैठक में नहीं दिया गया बोलने का मौका

एजेंसी/नई दिल्ली

नीति आयोग की बैठक नई दिल्ली में आयोजित हुई। इसमें राज्यों के मुख्यमंत्री ने हिस्सा नहीं लिया। वहीं महागठबंधन की ओर से एक मात्र बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिस्सा लिया था। बैठक के बाद सीएम ममता बनर्जी ने सत्ता पक्ष पर आरोप लगाया गया है कि बैठक के दौरान उन्हें बोलने नहीं दिया गया। उनकी माइक बंद कर दी गई।दिल्ली में नीति आयोग की बैठक पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, 'तीन साल से हमारा 100 दिन का काम (मनरेगा) बंद करके रखा, आवास योजना बंद करके रखा। ऐसे कोई सरकार नहीं चलती। आप अपनी पार्टी और दूसरी पार्टी में भेदभाव नहीं कर सकते, आप केंद्र में सत्ता में हैं। आपको सभी का ध्यान रखना होगा। मैं बोलना चाहती थी लेकिन मुझे सिर्फ पांच मिनट ही बोलने की इजाजत मिली। मुझसे पहले जिन लोगों ने बोला वह 10-20 मिनट तक बोले। विपक्ष की तरफ से मैं अकेली इस बैठक में हिस्सा ली। लेकिन फिर भी मुझे बोलने की अनुमति नहीं दी गई। यह अपमानजनक है।

बैठक में ये राज्य नहीं हुए शामिलः नीति आयोग के सीईओ बी. वी. आर सुब्रह्मण्यम ने बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में 10 राज्य नहीं शामिल हुए थे, जबकि 26 राज्यों ने इसमें हिस्सा लिया था। जो राज्य नहीं शामिल हुए थे उनमें केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और पुदुचेरी हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बैठक में शामिल हुईं। ममता बनर्जी ने पहले बोलने का किया था अनुरोध नीति आयोग के सीईओ ने बताया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया था कि उन्हें लंच से पहले बोलने का मौका दिया जाए। बी. वी. आर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि मैं सिर्फ तथ्य बता रहा हूं। क्योंकि आमतौर पर अल्फाबेट के आधार पर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बोलने का मौका दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर बैठक में ममता के माइक बंद करने के दावे को केंद्र ने झुठ लाया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नीति आयोग की नौवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक हो रही है। मगर थोड़ी देर बाद ही वह भी बैठक को बीच में ही छोड़कर बाहर आ गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बोलने का मौका नहीं दिया गया और उनका माइक बंद कर दिया था। अब उनके आरोपों को केंद्र सरकार ने खारिज कर दिया है। सरकार ने कहा कि बंगाल की सीएम का बोलने का समय पूरा हो गया था।



झूठी कहानी बनाने की बजाय सच बोलें ममता: सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सीएम ममता बनर्जी ने नीति आयोग की बैठक में हिस्सा लिया। हम सभी ने उन्हें सुना। सभी मुख्यमंत्रियों को बोलने के लिए समय दिया गया था। बनर्जी ने मीडिया में कहा कि उनका माइक बंद कर दिया गया था। यह पूरी तरह से झूठ है। प्रत्येक मुख्यमंत्री को बोलने के लिए उचित समय दिया गया था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया है कि उनका माइक बंद कर दिया गया था, जो सच नहीं है। उन्हें फिर से झूठ पर आधारित कहानी बनाने के बजाय सच बोलना चाहिए। केंद्र सरकार ने आरोपों का खारीज किया है। ममता बनर्जी के किए जा रहे सभी दावे गलत हैं। उनके बोलने का समय पूरा हो गया था। यहां तक कि समय बताने के लिए बेल भी नहीं बजाई गई थी।

राजनीतिक फायदा हासिल करने के लिए किया गया नाटक: समिक भट्टाचार्य

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विपक्षी दल भाजपा ने नीति आयोग की बैठक से ममता बनर्जी के उठकर चले जाने की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह राजनीतिक फायदा हासिल करने के लिए किया गया नाटक है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने कहा कि यह बनर्जी द्वारा तैयार की गई एक कमजोर पटकथा है। उन्हें नीति आयोग की बैठक में उचित समय दिया गया था। राजनीतिक लाभ लेने और बहिर्गमन करके नाटक करने गई थीं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने खुद को एक विपक्षी नेता के रूप में पेश किया, न कि एक प्रशासक के रूप में।

बेईमानी का रोना रो रहे: प्रहलाद जोशी

ममता बनर्जी के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि मैंने नहीं देखा कि नीति आयोग की बैठक में क्या हुआ है, मैं केवल इतना कह सकता हूं कि यह तथाकथित इंडी गठबंधन बिल्कुल भी गठबंधन नहीं है क्योंकि ममता ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं दी। जोशी ने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को कितना सम्मान वह देती हैं, यह सभी जानते हैं। वे लोगों के जनादेश को पचा नहीं पा रहे हैं, वे बेईमानी का रोना रो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता को धोखा में रखकर कार्य किया जा रहा है। जो लोकतंत्र के लिए पूरी तरह से अनुचित है।

कांग्रेस के राज्य सभा सांसद ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र, तीन मंत्रियों पर लगाया आरोप

बोले गोगोई ... लोस में नहीं हो रहा मर्यादित भाषा का प्रयोग, अध्यक्ष करें कार्रवाई

केटी न्यूज/नई दिल्ली

गौरव गोगोई ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र, मंत्रियों के असंसदीय-आपत्तिजनक बयानों पर कार्रवाई की मांग की है। लोकसभा अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के खिलाफ धमकाने वाली और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया है। कांग्रेस सांसद ने अपने पत्र में लोकसभा अध्यक्ष से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की और उम्मीद जताई कि वह संसद सदस्यों के खिलाफ निंदनीय बयान देने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करेंगे। गौरव गोगोई ने पत्र में कहा कि मैं आपको लोकसभा में संसदीय आचरण के गिरते मानकों के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त करने के लिए लिख रहा हूं, जैसा कि चल रहे मानसून सत्र के कई उदाहरणों से स्पष्ट है। अक्सर, सरकार के मंत्री ही विपक्षी दलों के सदस्यों के खिलाफ असंसदीय, आपत्तिजनक और धमकाने वाली टिप्पणियां करते हैं।



गौरव गोगोई ने केंद्रीय मंत्रियों की शिकायत की: कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 26 जुलाई को केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया। जो संसद के सदस्य नहीं हैं। इस कड़ी में गोगोई ने आरोप लगाया कि 25 जुलाई को केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी का जिक्र करते हुए असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने सदन में अपने हस्तक्षेप के दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की तरफ से सांप्रदायिक भाषा का इस्तेमाल करने का उदाहरण भी दिया। उन्होंने पत्र में कहा कि यह देखना निराशाजनक है कि संसदीय कार्य मंत्री सदन में मौजूद होने के बावजूद इन घटनाओं के दौरान अपने सहयोगियों को नियंत्रित करने में सक्षम थे। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कि सदन का सुचारू संचालन सुनिश्चित करना एक सामूहिक जिम्मेदारी है, गोगोई ने कहा कि यह भी महत्वपूर्ण है कि सरकार एक सक्रिय और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाए।

गौरव गोगोई ने सरकार पर लगाए कई आरोप

गौरव गोगोई ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस सरकार ने लगातार संसद की प्रक्रियाओं, परंपराओं और शिष्टाचार की अनदेखी की है, जिससे विपक्ष की आवाज के लिए कोई जगह नहीं बची है। गोगोई ने कहा कि सदन के प्रत्येक सदस्य की अपने मतदाताओं की आवाज का प्रतिनिधित्व करने की समान जिम्मेदारी है और इस बात पर जोर दिया कि मतभेद का परिणाम अनादर नहीं होना चाहिए। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा, सदन के संरक्षक के रूप में हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप आचार संहिता का पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी सदस्य, चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, संसद के मानदंडों का उल्लंघन न कर सके। गोगोई ने कहा- मैं आपसे इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह करता हूं और आशा करता हूं कि आप संसद सदस्यों के खिलाफ ये निंदनीय बयान देने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करेंगे।

पीएम ने भाजपा शासित सभी राज्यों के सीएम के साथ की बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों के साथ कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। पार्टी की ओर से आयोजित मुख्यमंत्री परिषद का मकसद राज्यों में प्रमुख पहलों की समीक्षा करना, सर्वोत्तम शासन प्रथाओं और केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के पालन पर चर्चा करना था। शाह और नड्डा भी बैठक में मौजूद बैठक में पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी उन नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लिया। इसमें मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, हरियाणा, मणिपुर और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। यह बैठक केंद्रीय बजट पेश किए जाने के मद्देनजर हो रही है। जिसमें विपक्ष ने केंद्र सरकार पर बिहार और आंध्र प्रदेश को छोड़कर अन्य सभी राज्यों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

25 साल बाद मृतक के परिजनों को मिला 2.85 करोड़ मुआवजा

- सड़क दुर्घटना में जून 2022 में मारे गए थे ओएनजीसी के महाप्रबंधक
- महाप्रबंधक की कार पहले एक ट्रक ने टक्कर मार दी, उसके बाद उनकी गाड़ी पनवेल-सायन रोड पर एक राज्य परिवहन बस से टकरा गई थी

एजेंसी/ठाणे

सड़क दुर्घटना में जून 2022 में मारे गए एक व्यक्ति के परिजनों को 2.85 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश राष्ट्रीय लोक अदालत ने दिया है। 25 साल बाद ठाणे में आयोजित लोक अदालत में यह आदेश देकर मृत्यु दावे का निपटारा किया है।ओएनजीसी के महाप्रबंधक धीरेंद्र चंद्र ठाकुरदास रॉय की 19 जून 2022 को मृत्यु हो गई थी। 59 वर्षीय धीरेंद्र चंद्र ठाकुरदास रॉय को पहले एक ट्रक ने टक्कर मार दी, उसके बाद उनकी गाड़ी पनवेल-सायन रोड पर एक राज्य परिवहन बस से टकरा गई। जिला न्यायाधीश एसएस शिंदे और एमएसीटी सदस्य एसएन शाह ने उनकी विधवा, दो बेटियों और 86 वर्षीय मां को 2.85 करोड़ रुपये का मुआवजा चेक दिया। लोक अदालत में मृतक के परिजनों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता एसटी कदम ने बताया कि दुर्घटना के समय रॉय का मासिक वेतन 6 लाख रुपये था। वहीं पिछले साल 23 फरवरी को घोड़बंदर रोड पर चलते समय सड़क दुर्घटना में आईटी फर्म के एचआर प्रमुख 38 वर्षीय मौसमी मेहेंदले मारे गए। उनके परिवार को एक अन्य अदालत में 1.15 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया। लोक अदालत में एक अन्य बहुचर्चित घटनाक्रम मामला रहा। जिसमें एमएसीटी सदस्य शाह ने एक फार्मेसी छात्र के समझौते का आदेश दिया। यह मामला भी ठाणे में हुई एक सड़क दुर्घटना से संबंधित था। हालांकि आवेदन वर्तमान में लंदन में रहता है। न्यायाधीश शिंदे ने इस तरह की लोक अदालत में सौहार्दपूर्ण समझौतों के महत्व पर जोर दिया और मामलों को प्रभावी ढंग से हल करने में निरंतर सफलता की उम्मीद जताई। अधिवक्ता केशव पुजारी ने कहा कि लोक अदालत हाल ही में उच्च मूल्य के दावों का तेजी से निपटारा कर रही है। शनिवार की कार्यवाही एक रिकॉर्ड-सेटिंग घटना रही।

टिहरी के तिनगढ़ गांव में फिर हुआ भूस्खलन, 15 मकान मलबे में दबे

एजेंसी/देहरादून

उत्तराखंड के कई इलाकों में भारी बारिश के चलते जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। भूस्खलन की घटनाएं बढ़ गईं। शनिवार को टिहरी के तिनगढ़ गांव में एक बार फिर भूस्खलन हुआ। इसमें 15 आवासीय मकान मलबे में दब गए। हालांकि प्रशासन ने सुबह ही इन घरों को खाली करा लिया था, जिसके कारण कोई हताहत नहीं हुआ। ग्रामीणों को विनकखाल इंटर कॉलेज में शिफ्ट किया गया है। डीएम मयूर दीक्षित ने बताया कि आपदा को देखते हुए भिलंगना ब्लॉक के आंगनबाड़ी केंद्रों और कक्षा एक से 12वीं तक के सभी स्कूल सोमवार, मंगलवार और बुधवार तक बंद रहेंगे। ग्राम पंचायत भंगेली के गुणगा गांव में अतिवृष्टि से गांव के संपर्क मार्ग, दो पुलिया, पेयजल लाइन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। साथ ही खेतों का कटान के साथ परिसंपत्तियों का नुकसान हुआ है। ग्राम प्रधान प्रवीन प्रज्ञान ने कहा कि रात को एक बजे के करीब आचनक आकाशीय बिजली की तेज गर्जन हुई, देखते ही देखते एक छोटे नाले ने एक नदी का रूप ले लिया जिसमें गांव की बहुत परिसंपत्तियों का नुकसान हुआ है, टिहरी के भिलंगना ब्लॉक के तोली गांव में भूस्खलन की चपेट में आए एक मकान के अंदर मां और बेटी दब गईं। जिसमें मां-बेटी की मौत हो गई है। वहीं अन्य लोग भागे है। प्रशासन राहत व बचाव कार्य में लगा है।

सपा सांसद रामभुआल के विरूद्ध मेनका ने किया याचिका दायर

लखनऊ। भारत सरकार की पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेत्री मेनका गांधी ने लखनऊ उच्च न्यायालय में सुल्तानपुर लोक सभा चुनाव में सांसद रामभुआल निषाद के चुनाव को रद्द करने के लिए चुनाव याचिका दाखिल की। मेनका गांधी की तरफ से चुनाव याचिका वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशान्त सिंह अटल ने दाखिल किया है। गौरतलब है कि सुलतानपुर लोकसभा सीट से भाजपा से पूर्व मंत्री मेनका गांधी, सपा से पूर्व मंत्री रामभुआल निषाद व बसपा से उदराज वर्मा मैदान में थी। मेनका गांधी सरकार की योजनाओं, अपने कार्यों, विकास, शांति एवं सुरक्षा और क्षेत्र में सक्रियता के दावे कर पर चुनाव लड़ा था।

अनंतनाग में भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत

एजेंसी/श्रीनगर



दक्षिणी कश्मीर के अनंतनाग जिले के डकसुम में शनिवार को भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई है। सभी लोग किश्तवाड़ के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार परिवार किश्तवाड़ से सिंथन टॉप होते हुए मारवाह की ओर जा रहा था।पुलिस ने बताया मरने वालों में पांच बच्चे, दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। इनकी पहचान कर ली गई है। मृतकों की पहचान इम्तियाज राथर (उम्र-45) पुत्र गुलाम रसूल राथर निवासी किश्तावर, अफरोजा बेगम (उम्र-40) पत्नी इम्तियाज अहमद राथर निवासी किश्तावर, रेशमा पत्नी माजिद अहमद, अरीबा इम्तियाज (उम्र-12) पुत्री इम्तियाज अहमद, अनिया जान (उम्र-10) पुत्री इम्तियाज अहमद, अबान इम्तियाज (उम्र-06) पुत्री इम्तियाज, मुसैब माजिद (उम्र-16) पुत्र माजिद अहमद, मुशैल माजिद (उम्र-08) पुत्र माजिद अहमद के रूप में हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि किश्तवाड़ की ओर से आ रही तेज रफ्तार मारुति स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी।

पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पिछले 10 साल के निर्धारित रास्ते पर चलती रहेगी

देश 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने को तैयार : गोयल

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार पिछले 10 साल में अपने निर्धारित रास्ते पर चलती रहेगी। उन्होंने बाजार को भरोसा दिलाया कि गठबंधन सरकार होने के कारण उसे चिंता करने की जरूरत नहीं है। गोयल ने यहां एक कार्यक्रम में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत के पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने को लेकर भी आशावादी रुख अपनाया। गोयल ने कहा कि



मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि यह निश्चित रूप से एक मजबूत गठबंधन सरकार है। हमारे सभी सहयोगी हमारे साथ बहुत मजबूती से जुड़े हुए हैं। और आपको किसी भी अनिश्चितता या किसी अन्य बात की चिंता करने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है। पीयूष गोयल ने कहा कि अगले पांच वर्षों के लिए यह एक मजबूत सरकार होगी, जो राष्ट्र प्रथमपर ध्यान केंद्रित करेगी। जो राष्ट्रीय हितों के लिए काम करेगी और कभी भी हमारे सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की लड़ाई भी मजबूत रहेगी और आगे चलकर विश्व में भारत की स्थिति भी मजबूत होगी। गोयल ने कहा कि जहां तक इस सरकार की प्राथमिकताओं का सवाल है, मुझे लगता है कि यह एक ऐसी सरकार होगी जो पिछले 10 वर्षों में हमारे द्वारा तय किए गए रास्ते पर आगे बढ़ेगी। तो आप हमारी 10 साल की कहानी देखें और इस बजट को सभी के सामने किस दिशा में रखा गया है, इस पर नजर डालें। उन्होंने कहा कि व्यक्ति बड़ा सोचता है, लेकिन जब तक उसके पास प्राप्त करने के लिए संपूर्ण लक्ष्य नहीं होते, तब तक वह परिवर्तनकारी परिणाम या बड़े परिणाम प्राप्त नहीं कर सकता। गोयल ने कहा कि मुझे खुशी है कि अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके भारत ने 3.5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था से पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का निर्णय लिया है। इसके लिए लगातार प्रयासरत है। इसमें सफलता मिलेगी।



सीपीआई ने बिहार में अदाणी की फैक्ट्री लगाये जाने का किया विरोध

- किसान संघर्ष समिति के बैनर तले बंद का आह्वान किया गया था
- सीमेंट फैक्ट्री लगाने के लिए आवंटित कर दी गई है जमीन
- मांग-कृषि आधारित उद्योग लगाया जाना चाहिए

केटी न्यूज/नवादा

नवादा के वारिसलीगंज चीनी मिल की जगह पर अदाणी समूह के सीमेंट फैक्ट्री की स्थापना के खिलाफ शनिवार को आहूत वारिसलीगंज बंद का मिला-जुला असर देखा गया। सुबह से ही दुकानें आम तौर पर बंद रही। शांतिपूर्ण बंदी को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। 12 स्थानों पर दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। हालांकि, बंद के दौरान किसी प्रकार की जोर-जबरदस्ती नहीं की गई। बंद के समर्थन में भी बहुत कम लोग सड़क पर उतरे। हालांकि, स्थानीय लोगों का समर्थन मिला और दुकानें स्वेच्छा से बंद रखी गई। किसान संघर्ष समिति के बैनर तले बंद का आह्वान किया गया था। अध्यक्ष गणेश सिंह, महासचिव राम पदारथ सिंह, सचिव द्रोण प्रसाद के नेतृत्व में दर्जन भर लोगों के द्वारा बाजार का भ्रमण कर



बंद को सहयोग व समर्थन देने की अपील की गई।

सीमेंट फैक्ट्री लगाने के लिए आवंटित कर दी गई जमीनः पटेल चौक, गुमटी रोड, जय प्रकाश चौक,अंदर बाजार के प्रायः दुकानदार स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान को बंद कर आहूत बंद का समर्थन करते देखे गए। वहीं सीमेंट फैक्ट्री की जगह कृषि अधारित फैक्ट्री लगाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर सीपीआई के कार्यकताओं ने वारिसलीगंज प्रखंड कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। बता दें कि वारिसलीगंज की बंद चीनी मिल की भूमि को पहले बियाडा को सौंपी गई थी। बियाडा द्वारा भूमि को अदाणी समूह को सीमेंट फैक्ट्री लगाने के लिए आवंटित कर दी गई। अदाणी समूह द्वारा यहां अंबुजा सीमेंट का प्लांट लगाया जा रहा है। करीब 1400 करोड़ रुपए अदाणी समूह द्वारा यहां निवेश करने की बात कहीं जा रही है।

इस कारण हो रहा अदाणी समूह का विरोधः विरोध की दो वजहें प्रमुखता से गिनाई जा रही है। पहली यह कि विरोध कर रहे लोगों का मानना है कि वारिसलीगंज का इलाका कृषि प्रधान है। चीनी मिल की भूमि पर चीनी मिल की ही स्थापना होनी चाहिए थी। चीनी मिल की स्थापना संभव नहीं हो रही थी तो कृषि आधारित उद्योग लगाया जाना चाहिए था। इससे स्थानीय किसानों को लाभ होता। विरोध की दूसरी वजह स्वास्थ्य समस्या बताया जा रहा है। लोगों का मानना है कि सीमेंट प्लांट से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर सीमेंट प्लांट से रोजगार सृजन होगा। इलाके की अर्थव्यस्था सुधरेगी।

बोले कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह... बिहार का विशेष दर्जा लेकर रहेंगे

केटी न्यूज/पटना

केंद्र सरकार द्वारा बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से इनकार करने के बाद से विपक्ष लगातार सीएम नीतीश कुमार को घेर रहा है। इसी कड़ी में अब बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य अखिलेश प्रसाद सिंह ने बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार का हक हम लेकर रहेंगे।बिहार की आवाज अब सड़क तक ले जाएंगे। अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि अपने बजट भाषण में भी मैंने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग की है और आगे भी करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के नाते वो इस आवाज को मजबूती से उठाएंगे। केंद्र सरकार को अगर लगता है कि प्रावधानों में परिवर्तन की आवश्यकता है तो वह करे लेकिन बिहार के साथ न्याय करे। बिहार की आवाज हमनें सदन में उठाई है और अब सड़क तक ले जाएंगे। हर जिले, हर प्रखंड में आंदोलन होगा, यह तब तक होगा जब तक बिहार को विशेष दर्जा नहीं मिल जाए।

राजद नेता सुनील सिंह की सदस्यता रद्द करने के बाद बिहार में मचा है राजनीतिक घमासान

पूर्व विधान परिषद् सदस्य सुनील सिंह पर कार्रवाई के विरोध में राजद ने खोला मार्चा

केटी न्यूज/पटना

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के करीबी और राष्ट्रीय जनता दल के वरीय नेता सुनील कुमार सिंह की विधान परिषद् की सदस्यता रद्द होने के बाद बिहार में सियासी घमासन जारी है। शनिवार दोपहर राजद कार्यलाय में पार्टी के प्रवक्ता शक्ति यादव ने सीएम नीतीश कुमार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने सुनील सिंह की सदस्यता रद्द करने के मामले को बड़ी साजिश बताया। उन्होंने कहा कि सुनील सिंह और कारी सोहैब को भी कई बार धमकियां दी गई। अधिकारियों को उत्तेजित किया गया। यह सब सत्ता पक्ष के उच्च पद पर बैठे हुए नायकों को शोभा नहीं देता है। आप अब मुख्यमंत्री पद पर बैठने के लायक नहीं होता है। विपक्ष तो सत्ता पक्ष का दर्पण होता है। लोकतंत्र में सत्ता का अभिन्न अंग है। विपक्ष की भूमिका ही सत्ता पक्ष की गलतियों तो उजागर करना है।मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के अड़ियल रवैया और जिद्दीपन के कारण डॉ. सुनील कुमार सिंह की विधान परिषद की सदस्यता को खत्म कर दी गई। एक शासक की जिद्दी रवैया और उनके अड़ियल रूख को खुश करने के लिए दो व्यक्ति ने अपने



आप को लाभान्वित करने के एवज में ये पटकथा बहुत पहले ही लिख दी थी। और कहीं न कहीं मुख्यमंत्री ने इन दोनों को उसका पुरस्कार लोकसभा के टिकट तथा दूसरे को उप सभापति बनाकर किया। इस तरह की पटकथा बहुत पहले ही लिख दी गई थी और उसी के तहत सुनिल सिंह की सदस्यता समाप्त की गई और दूसरे विधान परिषद सदस्य कारी मोहम्मद सोहैब को दो दिन के लिए सदन से निलंबित करने का प्रस्ताव लिया गया।मुख्यमंत्री के इशारे पर समाप्त की गई सुनील सिंह की सदस्यता शक्ति यादव ने पूछा कि आप ही बताइए विपक्ष को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बोलने का अधिकार नहीं है। सुनील सिंह की सदस्यता को मुख्यमंत्री के इशारे पर समाप्त की गई। सुनील सिंह लगातर मुख्यमंत्री के अहंकार पर चोट कर रहे थे। शुक्रवार काला दिन के रूप में हमेशा याद रखा जाएगा। यह पटकथा बहुत पहले ही लिख दी गई थी। शक्ति यादव ने कहा कि अगर अनुशासन समिति को कार्रवाई ही करनी थी तो वह सस्पेंड कर देते। या पीठासीन पदाधिकारी इस मामले की भर्त्सना करवाकर सदन में चर्चा करवा लेते। लेकिन, सुनील सिंह को अपना पक्ष रखने तक का मौका नहीं दिया गया। सुनील सिंह ने सभापति से लिखित में मांगा था कि उनका दोष क्या है। उन्हें किस गतली की सजा मिल रही है। लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया और न ही गलती का साक्ष्य दिया गया।

लोकतंत्र की स्थापना करने वाले की आत्मा रो रही होगी

पटना। शक्ति यादव ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने सदन में किस तरह से उन्होंने जीतन राम मांझी के खिलाफ अभ्रद शब्दों का इस्तेमाल किया था। विधान सभा और विधान परिषद में मुख्यमंत्री ने बार-बार महिलाओं के संबंध में अश्लील और मयार्दाहीन भाषा का इस्तेमाल किया तथा दलित समाज से आने वाली महिला विधायक को किस तरह से अपमानित करने के लिए मयार्दाहीन भाषा इस्तेमाल की गई। समीर महासेठ को पिछले सत्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने धमकी थी। कहा था कि तुम व्यापारी न हो। व्यापार न करते हो। बर्बाद हो जाओगे। इतना ही नहीं लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के संबंध में किस तरह के अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया था। उस वक्त आचार समिति खामोश क्यों रहीं। लोकतंत्र को सत्ता के जोर पर और एक व्यक्ति के जिद्द को पूरा करने के लिए सदस्यता समाप्त करने की प्रक्रिया अपनायी गई जो कहीं से उचित नहीं है। सत्ता का अहंकार जनता कभी स्वीकार नहीं करती है।

खगड़ियाः पोखरा में डूबने से दो लोगों की मौत

केटी न्यूज/खगड़िया

खगड़िया जिले के मोरकाही थाना क्षेत्र के बछौता गांव में दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। उसके बाद परिजनों में हाहाकार मच गया। घटना शनिवार सुबह 11 बजे की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि मृतक रिश्ते में बहनोई और उसकी पत्नी के भाई थे। जानकारी के मुताबिक, बछौता गांव स्थित भीरआही पोखर में नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान दोनों का पैर पानी में फिसल गया और वे गहरे पानी में चले गए, जिससे दोनों की डूबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान मुफस्सिल थानाक्षेत्र के भदास गांव निवासी प्रभाकर कुमार (21) और बछौता गांव निवासी सूरज कुमार (13) के तौर पर की गई है। जानकारी के अनुसार, जिस समय दोनों युवक पोखर में नहाने के लिए गए थे। उस समय वहां पर एक छोटा बच्चा भी था। जब दोनों पानी में डूबने लगे तो उस बच्चे ने गांव जाकर उनके घरवालों को इसकी सूचना दी। इधर, गोताखोरों द्वारा दोनों मृतकों के शव को बाहर निकाल निकाला गया। दोनों शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खगड़िया भेज दिया। मोरकाही थाना अध्यक्ष ने बताया कि उनको सूचना मिली थी कि दो युवकों की मौत डूबने से हुई है। इसके बाद घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों शव को पानी से निकाला गया, जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। किसी को यह नहीं समझ आ रहा है कि अचानक यह घटना घट गई। जिसमें दोनों की मौत हुई।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

सरकारी सप्लाई की दवा खाकर 40 स्कूली बच्चे बीमार; आठ की हालत गंभीर, किए गए रेफर

- घटना बगहा जिला स्थित रामनगर प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय मुरेड़ा की
- एंबुलेंस न मिलने से अभिभावकों में काफी नाराजगी देखी गई

केटी न्यूज/बेतिया

बेतिया में आयरन की गोली खाने से 40 छात्र-छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिनमें से आठ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सभी आठ विद्यार्थियों को गंभीर स्थिति में बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर किया गया है। मामला बगहा पुलिस जिला स्थित रामनगर प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय मुरेड़ा का है। जहां आयरन की गोलियां खाने से 40 छात्र-छात्राएं बीमार हो गए। घटना से गांव में हड़कंप मच गया। विद्यालय परिसर में घंटों अफरातफरी का माहौल बना रहा।

वहीं, मामले को लेकर परिजन तरह-तरह की बातें कर रहे थे। छात्र-छात्राओं की हालत बिगड़ने की सूचना मिलते ही रामनगर थानाध्यक्ष ललन कुमार और बच्चों के अभिभावक तुरंत स्कूल पहुंचे। जहां से बच्चों को तत्काल निजी वाहन और पुलिस जीप से स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर डीएस आर्या ने सभी छात्र-छात्राओं का इलाज शुरू कर



दिया। इधर, आठ बच्चों की स्थिति गंभीर होने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया गया। बीमार छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने बताया कि इस विषम परिस्थिति में अस्पताल से एंबुलेंस की मांग की गई। लेकिन एंबुलेंस ससमय नहीं मिली। मौके पर एंबुलेंस न मिलने से आनन-फानन में बाइक और पुलिस की गाड़ी में बैठाकर मरीज हुए छात्र-छात्राओं को किसी तरह अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, एंबुलेंस न मिलने से अभिभावकों में काफी नाराजगी की देखी गई। डॉक्टर आर्या ने बताया कि कुछ बच्चे खतरे से बाहर हैं और उनकी स्थिति ठीक है। वहीं, कुछ बच्चों को स्थिति गंभीर होने पर जीएमसीएच बेतिया के लिए रेफर किया जा रहा है। घटना के बाद से गांव में चिंता का माहौल है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा बच्चों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

सहेली से बात करने पर पति ने पत्नी की पीट-पीटकर दी हत्या

बेगूसराय। बेगूसराय जिले में एक बार फिर रिश्ता शर्मसार हुआ है। जहां पति ने अपनी ही पत्नी की पीट-पीट कर हत्या कर दी। हत्या के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं, मौके से आरोपी पति हत्या कर फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। घटना फुलवरिया थाना क्षेत्र के आलापुर गांव की है। मृत महिला की पहचान आलापुर गांव के रहने वाले मनीष कुमार की पत्नी खुशबू देवी के रूप में की गई है। इस संबंध में स्थानीय महिला का कहना है कि खुशबू देवी की एक लड़की से काफी दोस्ती थी, जिसका विरोध खुशबू के पति के द्वारा किया जाता था। उन्होंने बताया कि खुशबू के पति मनीष कुमार लगातार अपने पत्नी को उसे लड़की से बातचीत करने से मन करता था। लेकिन इसके बावजूद भी खुशबू देवी उसे लड़की से बातचीत करना नहीं बंद किया। इसी से नाराज होकर पति ने इस घटना को अंजाम दिया।

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018





ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING



FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX

SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

फेसबुक पर हुई थी पहचान, पीएम मोदी से सम्मानित किए जाने से संबंधित छपवाई थी खबर

मंगेतर को ठगने में खुल गया खेल, नकली डॉक्टर का सिविल सेवा रिजल्ट भी निकाला फर्जी, केस दर्ज

केटी न्यूज/पटना

अगर वह युवक कहता तो यकीन नहीं होता, लेकिन अब पुलिस कह रही है। जितना उसके मंगेतर ने नहीं सोचा होगा, उससे भी बड़ी खिलाड़ी निकली यह लड़की। शादी के नाम पर दूल्हे को लूटने की योजना इतने पुख्ते तरीके से बनाई जाती है, सोचना मुश्किल है। उसने खुद को एम्स दिल्ली का डॉक्टर बताया, लेकिन आईकार्ड गुवाहाटी का है। उसने डॉक्टर रहते सिविल सेवा परीक्षा पास होने की खबर छोटे अखबारों में छपवाई। उसकी कटिंग है। उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सम्मानित किए जाने तक की खबर कहीं छपवा रखी है। एक ही आधार नंबर से दो पहचान बना रखा है। और, यह सब करने के बाद वह शिकार के रूप में शादी करने के लिए पटना के एक युवक और उसके



परिवार को तैयार करा चुकी थी। युवक को जेवरात को लेकर कुछ शक हुआ तो उसने पुलिस को सूचना दी। समय पर उसने अंदाजा लगाया और आखिर पुलिस ने जब सारी पड़ताल की तो लुटेरी दुल्हन लूट कांड के पहले ही गिरफ्तार हो गई।इस कहानी की पृष्ठभूमि बिहार की राजधानी पटना से शुरू होती है। पटना निवासी रवि रंजन को फेसबुक के माध्यम से दिल्ली की रहने वाली एक लड़की जानवी सिंह से प्यार हो गया। रवि रंजन जानवी सिंह के प्यार में इस कदर पागल हो गया कि वह उससे मिलने पटना से दिल्ली चला गया। जून महीने में रवि रंजन से मिलने के बाद जानवी सिंह ने रवि रंजन से शादी करने का प्रस्ताव रख दिया। फिर रवि रंजन जानवी सिंह को लेकर पटना आ गया और जुलाई महीने में दोनों के बीच शादी तय हो गई।

लड़की ने लगाया चोरी का आरोपः जुलाई महीने के 15 तारीख को दोनों की सगाई भी हो गई, जिसमें लड़की ने यह आरोप लगाया कि उसके पास 30 लाख का चूड़ी था, जिसे रवि रंजन के रिश्तेदार ने चोरी कर लिया। महिला ने बेउर थाना में चोरी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी।

कई आपत्तिजनक सामान हुए बरामदः छानबीन के दौरान पुलिस ने मामले को संदिग्ध पाया और इस आधार पर पुलिस ने जब जांच-पड़ताल की तो लड़की के पास से कई सामान जब्त किए गए। पुलिस ने जब्त किए गए सभी सामानों को फर्जी बताया है। पुलिस का कहना है कि लड़की के पास से दो आधार कार्ड अलग-अलग नाम के पाए गए हैं। एक डॉक्टर के नाम से फर्जी आईडी कार्ड, एक मोबाइल और 39800 रुपए और पीले रंग जैसा कुछ धातु भी बरामद किया। इस संबंध में फुलवारी शरीफ डीएसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि लड़की का मकसद लड़के को जाल में फंसा कर सोने के जेवरात और पैसा ऐंठने की योजना थी।

राज हाई स्कूल के खेल मैदान में होगा स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोहः एसडीओ

- स्वतंत्रता दिवस के सफल संचालन को लेकर अनुमंडल कार्यालय में हुई बैठक
- तैयारियों को लेकर हुई चर्चा

केटी न्यूज/डुमरांव



स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण डुमरांव के राज हाइस्कूल का खेल मैदान होगा, जहां ध्वजारोहण के बाद तिरंगे को सलामी दी जायेगी। वहीं अमर सपूतों की याद में 16 अगस्त को मनाया जाने वाला शहीद दिवस समारोह के दौरान शहीदों को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी जायेगी।

शनिवार को अनुमंडल के एक सभागार में अनुमंडल प्रशासन द्वारा बुलाई गयी बैठक के दौरान इसकी रूपरेखा तय की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता एसडीओ राकेश कुमार ने किया। बैठक में कई बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान बीडीओ संदीप पांडेय, नप के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार सहित कई विद्यालयों के प्रतिनिधि थे। बैठक के दौरान एसडीओ ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह व 16 अगस्त को आयोजित होने वाले राजकीय समारोह को भव्य तरीके से मनाया जायेगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के साथ एनसीसी के मार्च पास्ट कर तिरंगे को सलामी दी जायेगी। मुख्य समारोह के दौरान पेयजल के साथ डॉक्टरों व एम्बुलेंस की सुविधा स्थल पर मौजूद रहेगी। उन्होंने कहा कि 16 अगस्त 1942 के अमर शहीदों की याद में एक शाम शहीदों के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होगा। उन्होंने बैठक के दौरान 15 और 16 अगस्त को नगर परिषद प्रशासन द्वारा खेल मैदान की साफ-सफाई और शहीद दिवस पर शहीद पार्क की साफ-सफाई के साथ सड़को की सफाई समय से पूर्व कराने का निर्देश दिया। वहीं एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने कहा कि विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर थाना क्षेत्र में गश्ती बढ़ायी जायेगी। साथ ही राज हाइस्कूल खेल मैदान में सुरक्षा की दृष्टिकोण से महिला व पुरुष बल के जवान भी मौजूद रहेंगे। मौके पर नप के प्रधान सहायक दुर्गेश सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता, वार्ड पार्षद धीरेंद्र निराला, सोनू राय, शत्रुघ्न प्रसाद उर्फ मोहन गुप्ता, एनसीसी प्रभारी संजय सिन्हा, अनुराग मिश्रा, संजय चंद्रवंशी सहित अन्य मौजूद थे।

डुमरांव में दो दिन रहता है स्वतंत्रता दिवस का जलसा

डुमरांव में स्वतंत्रता दिवस का उत्साह लगातार दो दिन दिखाई पड़ता है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने के साथ ही शहरवासी अगले दिन शहीद दिवस की तैयारी में जुट जाते है। बता दें कि सन 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान डुमरांव के स्वतंत्रता सेनानियों ने थाना पर तिरंगा झंडा फहराया था। इस कोशिश में चार सेनानी शहीद हो गए थे। यह घटना 16 अगस्त को घटित हुई थी। आजादी के बाद से ही हर साल 16 अगस्त को शहीद दिवस मना अमर सेनानियों की वीरता भरी शहादत को याद किया जाता है। अब तो यह समारोह राजकीय घोषित कर दिया गया है। इस दिन शहीद पार्क स्थित डुमरांव के अमर सेनानियों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लोग उन्हें नमन करते है। यही कारण है कि डुमरांव में स्वतंत्रता दिवस का उत्साह लगातार दो दिन देखने को मिलता है। इस बार भी स्वतंत्रता दिवस के साथ ही शहीद दिवस समारोह की तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

खबरें फटाफट

नो इंट्री जोन में खड़े 14 ट्रकों से वसूला गया जुर्माना

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने शनिवार को नो इंट्री जोन में खड़े 14 ट्रकों से हजारों का जुर्माना वसूला हैं। अपर थानाध्यक्ष संजीत कुमार शर्मा ने बताया कि सभी ट्रक नो इंट्री एरिया में खड़े थे। जिस पर कार्रवाई करते हुए 55 हजार रुपये बतौर जुर्माना वसूला गया। बता दें कि डुमरांव के शहरी क्षेत्र में सुबह के आठ बजे से रात दस बजे तक नो इंट्री लागू रहता है। इस दौरान ट्रक तथा अन्य भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित रहता है। बावजूद ट्रक चालक इस नियम का उल्लंघन कर रहे है।

सीओ ने तीन पर दर्ज कराया केस

केसठ। केसठ सीओ अभिषेक गर्ग ने सतेंद्र दुबे उर्फ भूलन दुबे सहित अन्य तीन पर नावानगर थाने में एफआईआर दर्ज कराया है। उन्होंने आरोपितों पर सरकारी काम में बाधा डालने व दुर्व्यवहार के आरोप लगाए है। इधर दूसरे पक्ष के सत्येन्द्र दूबे ने कहा कि वे सीओ के खिलाफ न्यायालय में परिवाद दाखिल करेंगे। विदित हो की शुक्रवार को अभियुक्तों द्वारा अंचल कार्यालय में घुस जोर जबरस्ती कर रहे थे। मामले को ले वरीय अधिकारियों की मदद से एफआईआर दर्ज की गई है। मामला सत्येन्द्र दूबे के जमीन के मापी से जुड़ा है।

शिक्षकों ने प्राप्त किया एफएलएन प्रशिक्षण

केसठ। शिक्षा विभाग के निर्देश के आलोक में एफएलएन कार्यक्रम के तहत प्रखंड के 60 शिक्षकों का प्रशिक्षण शनिवार को सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए शिक्षकों को मोहनिया डायट भेजा गया था। इस प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को प्राथमिक कक्षाओं में खेल-खेल में पढ़ाने की विधि एवं टीएलएम के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के प्रति जागरूक करने की जानकारियां दी गई। इस प्रशिक्षण में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के कुल साठ शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भाग लिया। अंतिम दिन छः दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर सभी शिक्षकों को प्रमाण पत्र भी दिया गया।

बक्सर अनुमंडल में आयुष्मान कॉर्ड निर्माण की धीमी रफ्तार पर एसडीओ सख्त

आयुष्मान कार्ड बनाने की रफ्तार तेज के लिए 8 बजे शुरू करें कैंपः एसडीओ

- एसडीओ ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश
- जिले में बनाया जा रहा है आयुष्मान कार्ड, पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की मिलती है सुविधा

केटी न्यूज/बक्सर



मुख्यमंत्री आरोग्य योजना के तहत राज्यभर में इन दिनों आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। आयुष्मान कार्डधारियों का पांच लाख तक का मुफ्त इलाज होता है। जिस कारण कार्ड बनवाने के लिए होड़ मची है। लेकिन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले एमएमजेएवाई में बक्सर अनुमंडल की स्थिति अभी तक अत्यंत निराशाजनक रही है। अुनमंडल की स्थिति संतोषप्रद नहीं रहने के कारण बक्सर जिला भी लगातार पिछड़ते जा रहा है। जिस पर बक्सर सदर एसडीओ धीरेन्द्र कुमार मिश्र काफी सख्त हो गए है।

सदर एसडीओ ने आयुष्मान कार्ड निर्माण से जुड़े कर्मियों तथा नोडल पदाधिकारियों को आयुष्मान कार्ड निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति किसी भी तरह बर्दाश्त के लायक नहीं है। अब हमलोगों को अपने परिश्रम का स्तर बढ़ाना होगा तभी हम लोग संतोषजनक संख्या में आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। उन्होंने अगले दिन से ही आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने के लिए कई आवश्यक निर्देश दिए और बोले की निर्देश का पालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसडीओ से तेवर से आयुष्मान कार्ड निर्माण से जुड़े कर्मियों की मुश्किलें बढ़ गई है।

सुबह आठ बजे से कैंप आयोजन का दिया निर्देश : एसडीओ ने कहा कि आयुष्मान कार्ड निर्माण की रफ्तार बढ़ाने के लिए कैम्प किसी भी स्थिति में सुबह 8 बजे प्रारंभ हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालय की तरह 11 बजे कैम्प शुरू करने की प्रवृत्ति पर तुरत विराम लगाना होगा। सुबह में देर से कैंप शुरू होने के कारण एक दिन में निर्धारित संख्या में आयुष्मान कार्ड का निर्माण पूरा नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में कैम्प 8 बजे प्रारंभ करना ही होगा। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र मे ईओ इसे सुनिश्चित कराएंग तथा विलंब से कैंप का संचालन शुरू करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करेंगे।

कैंप में लोगों को जुटाने का प्रयास करेंगे नोडल पदाधिकारी : एसडीओ ने कहा कि प्रत्येक नोडल पदाधिकारी कैम्प में लोगों को जुटाने के लिए प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि कैंप में सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की औपचारिकता करने वाले नोडल पदाधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बीडीओ, सीओ, ईओ और एमओ ऑफिस में बैठकर मॉनिटरिंग करना तत्काल बंद करेंगे। सभी पदाधिकारी क्षेत्र में नजर आने चाहिए।

हर रोज रात आठ बजे होगी पूरे दिन के कार्यों की समीक्षा : एसडीओ ने कहा है कि प्रत्येक दिन रात्रि 8 बजे जूम ऐप या अन्य माध्यम से समीक्षा की जाएगी। जिसमें सीधे पंचायत के नोडल पदाधिकारी से बात की जाएगी और उनकी समीक्षा की जाएग कि आज कितना काम हुआ। एसडीओ ने कहा कि एमओआईसी किसी भी स्थिति में बिना मेरी सहमति के बीएचएम या बीसीएम को पंचायत में जाने से नहीं रोकेंगे। प्रतिदिन समीक्षा के बाद सबसे खराब प्रदर्शन वाले नोडल पदाधिकारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के लिए जिला पदाधिकारी को अनुशंसा भेज दी जाएगी। उन्होंने मातहतों को निर्देश दिया कि रविवार को बक्सर अनुमंडल में चार हजार आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसे पूरा करने के लिए सभी नोडल पदाधिकारी व कर्मी सुबह आठ बजे फिल्ड में मिलेंगे तथा कैंप की शुरूआत आठ बजे तक कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को अपने पंचायत स्तरीय कर्मियों को सूचित करने का निर्देश दिया है, ताकी रविवार का लक्ष्य पूरा किया जा सकें।

31 जुलाई तक प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी किसी दूसरे कार्य में नहीं होगे संलग्न

कैंप का संचालन करने वाले कर्मियों के साथ ही एसडीओ ने प्रत्येक नोडल ऑफिसर को अचूक रूप से 8 बजे अपने सेंटर में पहुंचने का निर्देश दिया। वही, सरकार के इस सर्वोच्च प्राथमिकता वाले अभियान को बक्सर में सफल बनाने के लिए उन्होंने प्रखंड स्तरीय सभी विभागों के पदाधिकारियों को 31 जुलाई तक अन्य किसी कार्य में संलग्न नहीं होने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग की किसी भी तरह की बैठक या ट्रेनिंग में बिना मेरी अनुमती के कोई नोडल पदाधिकारी भाग नहीं लेंगे और अपने पंचायत को नहीं छोड़ेंगे।

दुःखदः बक्सर में फंदे से लटक कर युवा पत्रकार रोहित ने की आत्महत्या

- हादसे के बाद जिले के पत्रकार व लोग हुए स्तब्ध

केटी न्यूज/बक्सर



बक्सर के यूट्यूबर व सोशल मीडिया पत्रकार रोहित ओझा का शनिवार को निधन हो गया। समाहरणालय के नजदीक स्थित आवास में उनका शव फांसी के फंदे से लटका मिला। रोहित इटाढ़ी थाना क्षेत्र के महिला गांव निवासी त्र्यंबक ओझा के पुत्र थे। उनकी आयु 28 वर्ष बताई जा रही है। जानकारी मिलते ही जिले भर के पत्रकार साथी एवं सगे-संबंधी रोहित के घर पहुंच गए और शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देकर ढांढस बंधाए।

पत्रकारों ने जताया शोकः जिला अतिथि गृह में एक शोभा का आयोजन किया गया। जिसमें पत्रकारों ने दो मिनट मौन रखकर मृतात्मा की शांति एवं मृतक रोहित के शोकाकुल परिजनों को इस दुख से उबरने की कामना की। शोक सभा में सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ. मुन्ना तिवारी व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरिशंकर त्रिवेदी उर्फ गोपाल, पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष डॉ शशांक शेखर, उमेश पांडेय, अलोक कुमार, चंद्रकांत निराला, बबलू उपाध्याय, ओंकार नाथ मिश्र, दिलीप ओझा, अजय राय, बासुकी पांडेय व अन्य मौजूद रहे।

कांवरियों से भरा अनियंत्रित स्कार्पियो चाट में पलटा, बाल-बाल बचे सभी सवारी

केटी न्यूज/बक्सर



जिले के चौसा-कोचस मार्ग पर राजपुर थाना क्षेत्र के बघेलवा गांव के समीप सवार कावरियों की एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो चाट में पलट गई। हालांकि सवार आधा दर्जन कावरियां मामूली चोट के साथ बाल-बाल बच गए। सभी को स्कार्पियों से ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित निकाल लिया गया। जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां से उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार बक्सर की ओर से गुप्ता धाम के लिए आधा दर्जन सवार कावरियों को लेकर जा रही स्कार्पियो राजपुर थाना क्षेत्र के तियरा गांव के समीप बघेलवा के पास पहुंचे तभी उनकी स्कार्पियों आनियंत्रित हो गई। जिससे वह चाट में पलट गई। स्कार्पियों पलटते देख मौके पर ग्रामीण पहुंच गए। और आनन-फानन में सभी कावरियों को स्कार्पियों से सुरक्षित निकाल लिया। कुछ कावरियों को मामूली चोट आई थी। सभी घायलों को राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया गया। जिनका इलाज के बाद घर भेज दिया गया।

घटना स्थल पर मौजूद प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि वाहन चालक अपना संतुलन खो दिया। जिससे स्कॉर्पियो चाट में पलट गई। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो में मौजूद सभी घायल सीमावर्ती राज्य उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे।

आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन को लेकर तैयारी को लेकर पूरे दिन चलता रहा बैठकों का दौर

14 सितंबर को आयोजित होगा राष्ट्रीय लोक अदालत

- अधिक से अधिक सुलहनीय वादों को आपसी सुलह के आधार पर निपटारा कराने का रखा गया लक्ष्य

केटी न्यूज/बक्सर



आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के कार्यालय में दिन भर बैठकों का दौर चलता रहा। प्रथम बैठक पैनल अधिवक्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं पैनल अधिवक्ताओं से की गई। दूसरी बैठक पारा विधिक स्वयंसेवक के रूप में कार्य कर रहे पारा विधिक स्वयंसेवकों से की गई। जिसमें सचिव देवेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 सितंबर 2024 को हमारे देश के सभी जिलों के जिला न्यायालय में किया जा रहा है। जिसमें अधिक से अधिक सुलहनीय वादों को आपसी सुलह के आधार पर निपटारा करवाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही इस मौके पर उन्होंने कहा की इसके लिए लोगों को प्रेरित करना, इसके फायदे के बारे में लोगों को बताना, हमारा मुख्य उद्देश्य है। लोक अदालत से होने वाले सुलह के मामले को आप सभी न्यायालय में लंबित वादों को चिन्हित कर उनके पक्षकारों को उनसे होने वाले लाभ के बारे में बताएं जिससे अपने वादों को सुलह करने के लिए वे प्रेरित हो।

सचिव देवेश कुमार ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में 29 जुलाई 2024 से लेकर 3 अगस्त 2024 तक होने वाले विशेष लोक अदालत के बारे में भी प्रचार प्रसार कर अपने क्षेत्र के पक्षकारों को न्यायालय में सुलह-समझौते के आधार पर अपने वादों के निष्पादन करने के लिए कहा। इस दौरान उन्होंने व्यवहार न्यायालय, बक्सर जिसमें पारा विधिक स्वयंसेवक संबंधित न्यायालय का नोटिस बनाते हैं उन्होंने अपने-अपने न्यायालय में सुलहनिय वादों को चिन्हित कर दोनों पक्षकारों के बीच नोटिस के माध्यम से सूचित कर अपने अपने क्षेत्र के पक्षकारों के बीच में वादों को सुलह करने के लिए प्रेरित करने को कहा। इधर राष्ट्रीय लोक अदलात के आयोजन की जानकारी मिलते ही लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। लोग अपने अपने मामलों के सुलह को लेकर उत्साहित है। वही पैनल अधिवक्ताओं से लेकर अन्य संबंधित लोगों द्वारा अपने स्तर से इस राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। मौके पर स्वयंसेवक मनन कुमार सिंह, शिवदयाल पांडेय, ओमप्रकाश सिंह, सरोज यादव, दीपक कुमार सेठ, अंजुम कुमार रावत आदि सहित अन्य पैनल अधिवक्ता रंजन कुमार सिंह, चंद्रकला वर्मा, जितेंद्र कुमार, अखिलेश्वर दुबे एवं अन्य उपस्थित रहें।

एक नजर

किशोर न्याय अधिनियम व जेजे ऐक्ट से रूबरू हुए विशेष किशोर पुलिस इकाई के पदाधिकारी



बक्सर। शनिवार को विशेष किशोर पुलिस इकाई बक्सर बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी एवं बाल संरक्षण से संबंधित सभी हित धारकों का किशोर न्याय अधिनियम 2015 (संशोधित 2021) लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण विषय पर जिला बाल संरक्षण इकाई के तत्वावधान में विशेष किशोर पुलिस इकाई के पदाधिकारियों का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में किया गया। कार्यशाला में किशोर न्याय परिषद बक्सर के प्रधान दंडाधिकारी सदस्य शारदा एवं सदस्य मनोज प्रभाकर द्वारा किशोर न्याय अधिनियम 2015 एवं बिहार जेजे नियम 2017 की बारीकियों के बारे में विस्तार से बताया गया एवं निर्देशित किया गया कि पेट्टी अपराध में प्राथमिक की दर्ज नहीं की जानी है एवं सामाजिक पृष्ठभूमि प्रतिवेदन (एसबीआर) को सुचारू रूप से भरा जाना है। कार्यशाला में उपस्थित सभी पदाधिकारियों को स्टडी मैटेरियल में बीएनएस एवं आईपीसी के कंपरेटिव टेबल उपलब्ध कराया गया है। ताकी वे किशोर न्याय अधिनियम 2015 और जेजे ऐक्ट 2017 के संबंध में विस्तृत जानकारी हासिल कर सकें। अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी ने किशोर न्याय अधिनियम 2017 एवं भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत बताया गया कि सर्च एंड सीजर की प्रक्रिया क्रिमिनल लॉ बीएनएसएस के धारा 105 एवं 103 के अनुसार किस प्रकार से निष्पादन करना है। इस संबंधित उन्होंने विस्तार से जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सह नोडल पदाधिकारी विशेष किशोर पुलिस इकाई बक्सर ने अपने अनुभव को साझा करते हुए विधि विवादित के उम्र संबंधित कागजात की उचित छानबीन करने के संबंध में विशेष किशोर पुलिस इकाई के पदाधिकारियों को जानकारी दी। इसके अलावे भी उन्हें कार्यशाला में किशोर न्याय अधिनियम के संबंध में जानकारी दी गई है।

16 लाख की लागत से छठिया पोखरा से अनुमंडल पुलिया तक रोड बनाने का रखी गई नींव



डुमरांव। अनुमंडलवासियों को अब अनुमंडल कार्यालय व अनुमंडलीय अस्पताल जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। रोड बनाने के लिए शनिवार को नींव रख दी गई है। नींव रखने के लिए पहुंची चेयरमैन सुनीता गुप्ता व वार्ड पार्षद सुभाद्रा देवी ने बताया की अनुमंडल कार्यालय और अस्पताल जाने के लिए जर्जर और गड्ढानुमा सड़क से होकर मरीजों एवं आम लोगों को गुजरना पड़ता था, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस परेशानी को देखते हुए इस रोड को बनाने का फैसला लिया गया। इस रोड को बनाने के लिए टेंडर निकाला गया था। टेंडर पास होते ही रोड बनाने वाले ठेकेदार को जल्द काम शुरू करने के लिए कहा गया था। संवेदक ने शनिवार को काम शुरू कर दिया। मालूम हो कि छठिया पोखरा से अनुमंडल कार्यालय और अनुमंडलीय अस्पताल जाने वाले रास्ते का नामोनिशान तक मिट गया है। इसी रोड व गड्ढे से भरे रास्ते से होकर लोगों को कार्य के लिए अनुमंडल कार्यालय जाना पड़ता है। वहीं मरीजों को दिखाने के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भी इसी रास्ते से होकर जाना पड़ता था। रास्ता खराब होने से लोग काफी परेशान होते थे। कई वाहन गड्ढे में फंस जाते थे, तो कई पलट जाते थे। सवारी घायल होकर अस्पताल में भर्ती होते रहे हैं। ऐसे में रास्ता खराब होने के कारण कोई वाहन भी जाने के लिए तैयार नहीं होते हैं। जाने के लिए मुंहमांगा दाम मांगते हैं। रोड बन जाने से शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भी आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। मौके पर पूर्व वार्ड पार्षद सोनू राय, चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता, वार्ड पार्षद विजय कुमार, अजय राय मौजूद थे।

असहायों में शीघ्र वितरित होगा सहाय उपकरण

डुमरांव। अनुमंडल के दिव्यांग अपने सहाय उपकरण के लिए प्रतिदिन बुनियाद केन्द्र आकर इसकी जानकारी लिया करते थे। हरबार उन्हें उपकरण अभी नहीं आया है, सुनना पड़ता था। शनिवार को दिव्यांगों के लिए विभिन्न प्रकार का 59 सहाय उपकरण बुनियाद केन्द्र को मिल गया है। ट्रक से उतार उसे सुरक्षित स्थान पर रख दिया गया है। किसी दिन समय निर्धारित करते हुए उसका वितरण किया जाएगा। कुछ दिव्यांग जानकारी लेने पहुंचें हुए थे, जो सहाय उपकरण उतरते देख काफी खुश थी। इसकी भनक अन्य दिव्यांग को भी लग गई और जानकारी लेने वे भी पहुंच गए। सभी खुश थे। मिले 59 सहाय उपकरणों में सबसे अधिक ट्राइसाइकिल मिला हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार मिलने वालों समानों में सेंसर स्टीम-1, ट्राइसाइकिल- 12, व्हील चेयर-5, वाकिंग स्टीम-2, क्रच एक्जिला समान्य एजस्टेबल व्यस्कों के लिए-4, क्रच एक्सिला एडजस्टेबल बड़ा में-4 एवं हीयरिंग एड-2 आया हुआ है। बुनियाद केन्द्र के फीजियोथेरेपिस्ट विकास कुमार ने बताया की अभी वर्तमान में जरूरत के अनुसार समान आया है, जैसे-जैसे दिव्यांग मिलते जाएंगे समान को मंगाया जाता रहेगा। सारे समान की फीटिंग भी करवाया जा रहा था। उन्होंने बताया की इसी में बक्सर बुनियाद केन्द्र का भी समान आया हुआ है, जो यहां रख और फीटिंग कर बक्सर चला जाएगा।

उत्कर्ष बैंक के क्रेडिट ऑफिसर से मारपीट कर बदमाशों ने कैस, टैब, मोबाईल व पर्स लूटे

कृष्णाब्रह्म। बेखौफ लूटेरों ने एक निजी बैंक के क्रेडिट ऑफिसर से साढ़े पन्द्रह हजार नगद रूपए के साथ ही पर्स, टैब तथा मोबाईल फोन लूट लिए है। घटना कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छतनवार व उड़ियानगंज गांव के बीच देर रात की है। पीड़ित अनिल कुमार नंदन स्थित उत्कर्ष स्माल बैंक में बतौर क्रेडिट ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। हालांकि, उनकी शिकायत पर पुलिस मामले की जांच तथा घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी में जुट गई है। जानकारी के अनुसार वे दो गांवो से पैसा का कलेक्शन कर नंदन में स्थित ब्रांच में जा रहे थे। इसी बीच उड़ियानगंज तथा छतनवार गांव के बीच स्थित मोड़ पर पहले से ही घात लगाए बैठे चार बदमाशों ने बाइक से पीछा कर रोक कर मारपीट कर बैग में रखे पैसा, टैब, फोन व पर्स लेखर फरार हो गये। पीड़ित ने बताया कि चक्की गांव से पैसा कलेक्शन करने के बाद उड़ियानगंज चले गए जहा से पैसा कलेक्शन करने के बाद करीब 9 बजे रात में नंदन में स्थित ब्रांच के लिए पैसा लेकर निकल रहे थे। इसी बीच छतनवार तथा उड़ियानगंज के बीच स्थित मोड़ के पास पहले ही घात लगाए बैठे अपराधियों ने बाइक से पीछा कर टक्कर मार बाइक से गिरा दिए तथा रूपयों की मांग करने लगे। रूपया देने से मना करने पर अपराधियों ने बैंककर्मी के साथ मारपीट भी की है। उन्होंने स्थानीय थाने में चार अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। जबकि कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है, पुलिस मामले के उद्भेदन में जुट गई है। वही, इस घटना के बाद निजी बैंककर्मियों तथा माइक्रोफाइनेंस कर्मियों में लूटेरों का खौफ कायम हो गया है।

वार्ड 10 लोगों ने दी चेतावनी... नहीं हुआ जल्द नाली निर्माण तो करेंगे आंदोलन

♦ नाली निर्माण की मांग को लेकर लोगो ने किया ईओ कार्यालय के समक्ष जमकर प्रदर्शन

केटी न्यूज/काराकाटा



नाली निर्माण की मांग को लेकर शनिवार को गोडारी वार्ड नंबर दस में रहने वाले लोगों ने नगर पंचायत कार्यालय पर प्रदर्शन किया। लोगों ने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से जल्द नाली निर्माण की मांग की है। समस्या का जल्द निस्तारण न होने पर वृहद आंदोलन व धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। जानकारी के अनुसार गोडारी वार्ड नंबर दस के सैकड़ों लोग ईओ को नाली निर्माण के लिए पत्र शौपने गोडारी नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे थे। लेकिन चार घंटे इंतजार के बाद भी कार्यपालक पदाधिकारी कार्यालय में नही पहुंचे जिससे गुस्साये लोगो ने कार्यालय के बाहर जोरदार हंगामा व प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगो ने ईओ व जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध जमकर नारेबाजी किया। लोगों ने कहा कि एक ओर वार्ड के लोग नाली निर्माण नहीं होने से परेशान है वही नगर पंचायत के एक एक कार्यालय में दो दो एयर कंडीशन लगा कर अधिकारी मौज काट रहे है। लोगों ने ईओ को सैकड़ों बार कॉल किया, लेकिन ईओ ने कॉल उठाना भी मुनासिब नहीं समझा। जिससे लोगो में और गुस्सा भड़क उठा और लोग ने ईओ मुदार्बाद व ईओ हाय हाय के नारे लगाते हुए घंटों बवाल काटा और कार्यालय के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। ईओ से नहीं मिलने से नजर लोगों ने कहा कि सोमवार को वार्ड के लोग जिलाधिकारी से मिलकर नगर पंचायत के अधिकारियों व कर्मियों के विरुद्ध शिकायत पत्र देंगे।

गली में निकालना भी दुस्वार हो गया है : प्रदर्शन कर रहे मो. आसफाक, मो. तौवाब, राजाब अली, मुस्तफा मंसूरी, सरफरोज आलम, नवी रसूल मंसूरी, मो. इम्तियाज सहित सैकड़ों लोगों ने बताया कि गोडारी वार्ड नंबर दस अनंत तिवारी के घर से लेकर मस्जिद तक नाली का निर्माण होना अत्यंत आवश्यक है। इस 10 नंबर वार्ड में लगभग दो सौ घर है जहां नाली का निर्माण न होने से लोगों के घरों व गलियों में नाली का गंदा पानी जामा रहता है। जिससे गली में निकालना भी दुस्वार हो गया है। गंदगी की वजह से इस वार्ड में रहने वाले हजारों लोगो पर बीमारी फैलने का भी खतरा बना हुआ है। वार्ड 10 के लोगों ने कहा कि तीन दिन पहले भी ईओ से मिलकर नाली निर्माण के लिए आग्रह किया गया था। लेकिन ईओ द्वारा मामले में कोई उचित जवाब नही मिला। इस लिए वार्ड दस में रहने वाले सैकड़ों लोगों से हस्ताक्षर कराकर ईओ को नाली निर्माण के लिए पत्र सौंपने आए थे। लेकिन चार घंटे इंतजार के बाद भी ईओ कार्यालय नही पहुंचे और लोगो का कॉल तक भी नहीं उठा रहे। लोगो ने कहा की अब हम सब वार्ड दस में रहने वाले लोग करे तो क्या करे कुछ समझ नही आ रहा है।

एक नजर

हंगामेदार रही सदर पंचायत समिति सदस्य की बैठक, कई योजनाओं पर की गयी चर्चा



बक्सर। सदर प्रखंड के कल्याण भवन के सभागार में शनिवार को आयोजित पंचायत समिति की बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं पर चर्चा की गई। प्रखंड सभागार स्थित कल्याण भवन के सभागार में प्रमुख पर अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद पहली बार शनिवार को बीडीसी की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख फूलपातो देवी ने की, जबकि संचालन बीडीओ साधु शरणं पांडेय ने किया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रमुख ने उपस्थित सभी पदाधिकारी, कर्मी और जनप्रतिनिधियों को बैठक में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। बैठक के दौरान उमरपुर पंचायत के मुखिया धनंजय मिश्रा, धनजी पांडे, छोटे मुखिया ने राशन का मुद्दा उठाते हुए उपभोक्ताओं को कम राशन देने की बात कही। मौके पर मौजूद आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि अगर इस तरह का शिकायत है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। ओम प्रकाश तिवारी ने पशु चिकित्सालय का मुद्दा उठाया और सुचारू ढंग से चलाने की बात कही। चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि जो संसाधन उपलब्ध है उसी के सहारे मवेशियों का इलाज किया जा रहा है। छोटका नुआव पंचायत समिति उपेंद्र कुमार राय मुखिया ने सीडीपीओ पर आरोप लगाते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र से सुपरवाइजर के माध्यम से अवैध तरीका से वसूली किया जा रहा है। इस पर प्रमुख फूलपातो देवी ने कहा क इसकी जांच कराई जाएगी। नदांव पंचायत के पंचायत समिति सदस्य संतोष यादव ने राजस्व कर्मचारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि दाखिल खारिज में जो बंदरबाट हो रहा है उसकी जांच कराया जाए। राजस्व अधिकारी व प्रभारी सीओ राजन कुमार ने कहा कि इस मामले की जानकारी उन्हें नहीं है। इसका जांच कराया जाएगा। अगर राजस्व कर्मचारी दोषी पाए जाते हैं तो उनके विरोध में विभागीय करवाई किया जाएगा। वही सदन में सुरेश यादव ने कहा कि मनरेगा के द्वारा बिना पारित किए गए योजना पर काम कराया गया है, जिसका जांच होनी चाहिए। मनरेगा को लेकर उठाए गए सवाल पर इसके अलावा सदस्यों ने बिजली, सिचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा, मनरेगा योजना, जीविका, बैंक, जन्म-मृत्यु, नल-जल, सड़क, पुल-पुलिया समेत अन्य मुद्दों को उठाया। सदस्यों के स्तर पर उठाए गए मुद्दों को पदाधिकारियों ने जवाब दिया एवं प्रस्ताव में लिया गया। बैठक में भाग नहीं लेने वाले कर्मचारी व अधिकारियों के प्रखंड प्रमुख ने स्पष्टीकरण मांगा एंव दो दिन के अंदर जवाब देने का निर्देश दिया। सदन में 15वीं वित्त एवं छठवें वित्त का सदन के सभी सदस्य ने सर्व सम्मति से पारित किया।

रामोपट्टी में ताजिया के विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, फायरिंग करने का लगाया आरोप

बक्सर। शुक्रवार की देर शाम जिले के सिमरी थाना क्षेत्र के स्थानीय रामोपट्टी गांव में ताजिया के दौरान हुए विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। तू-तू, मैं-मैं से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इस दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर अवैध हथियार लहराने तथा फायरिंग करने का आरोप भी लगाया है। वही, इस मामले में दोनों तरफ से एफआईआर दर्ज कराया गया हैं। पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। घटनास्थल से पुलिस को एक पिस्टल एवं पांच कारतूस मिले है। इस मामले में दोनों तरफ से एक दूसरे के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एक पक्ष के इमरान अख्तर ने बताया कि मोहम्मद ईशा मेरे दरवाजे पर लाठी डंडे एवं अवैध हथियार से लैस होकर आए तथा गाली गलौज करने लगे। मैंने मना किया तो वे लोग मुझे एवं मेरे बड़े भाई को न सिर्फ मारने पीटने लगे, बल्कि मेरे गले से 20 ग्राम सोने के चैन भी छिन लिया। वहीं दूसरे पक्ष के मोहम्मद ईशा का कहना है कि ताजिया चौक से घर जा रहे थे। इसी दौरान बीच रास्ते में इमरान अख्तर एवं शकील अख्तर को पिंटू कुमार के साथ मारपीट करते देखा बीच बचाव करने पहुंचे तो वे लोग मेरे साथ भी उलझ गए। उनके हाथ में अवैध पिस्टल भी था। वैसे संबंधित पिस्टल एवं जिंदा कारतूस मुन्ना मनौवर द्वारा पुलिस को सुपुर्द किया गया। थानाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों तरफ से एफआईआर दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पिस्टल किसका है इसकी पड़ताल की जा रही है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने दोनों तरफ के लोगों से गहन पूछताछ कर स्थानीय पुलिस को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि अवैध हथियार लहराने वाले बख्से नहीं जाएंगे, पुलिस उनकी पहचान कर उन्हें जेल भेजेगी।

मेडिकल एजुकेशन यूनिट द्वारा आयोजित संवेदीकरण कार्यशाला का हुआ समापन



सासाराम। नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जमुहार के मेडिकल एजुकेशन यूनिट के तत्वावधान में तीन दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। तीन दिनों तक चलने वाले इस कार्यशाला में कुल 230 स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा के छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के संयोजक एवं एनएमसीएच के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पुनीत कुमार सिंह ने बताया कि इस कार्यशला में छात्रों ने लॉग बुक संधारण एवं अपने विषय संबंधी जानकारी को अन्य विभागों के साथ सामंजन की प्रक्रिया से अवगत होने संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि स्नातकोत्तर छात्र शिक्षण हेतु स्किल डेवलपमेंट के भी गुरु सीखे, ताकि शिक्षा पूर्ण होने के बाद वे मेडिकल कॉलेज में सीनियर रेजिडेंट के रूप में एमबीबीएस छात्रों को प्रशिक्षित कर सकें। उन्होंने बताया कि चिकित्सा के क्षेत्र में एथिकल ज्ञान एवं शोध तथा अच्छी पढ़ाई करने का अभ्यास भी इस कार्यशाला के दौरान उन्हें प्राप्त हुआ। संस्थान द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन दिवसीय कार्यशाला में फिजियोलॉजी के विभाग अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार देव, नेत्र रोग विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. अमरेश कुमार, कम्युनिटी मेडिसिन के सह प्राध्यापक डॉ. राहुल चंद्र, एनाटॉमी के विभाग अध्यक्ष डॉ. शंभू प्रसाद एवं नारायण मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. हीरालाल महतो ने स्नातकोत्तर छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक कुल सचिव अजय कुमार सिंह, मेडिकल एजुकेशन यूनिट के कार्यक्रम प्रभारी मनीष कुमार, कार्यलय अधीक्षक प्रमोद कुमार सिंह, नारायण मेडिकल कॉलेज के अमित कुमार, प्रवीण कुमार, पुश्कल कुमर ,रविंद्र कुमार आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खबरें फटाफट

नहर में डूबने से बच्चे की मौत

काराकाट। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव बेनसागर में एक नाबालिग की नहर में डूबने से मौत हो गयी। बता दें कि नाबालिग बच्चा बेनसागर निवासी राजकुमार चौधरी के छह साल का बेटा हरिओम कुमार है। वो शुक्रवार को दोपहर तीन बजे अपने गांव बेनसागर के नहर के समीप खेलने गया, तभी अचानक नहर में गिर गया। जहां पानी का बहाव काफी तेज था एवं वह बच ना सका। सूचना पर पहुंचे काराकाट पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल की। घटना स्थल पर पहुंचे काराकाट एसआई संजय कुमार ठाकुर नाबालिग के शव का पंचनामा भरकर जिला अस्पताल सासाराम पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पांच घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

सासाराम। सासाराम के विद्युत पावर सबस्टेशन बेदा के मिनी फीडर एवं एक नंबर फीडर से रविवार को बिजली बाधित रहेगी, इसकी जानकारी सहायक विद्युत अभियंता संदीप कुमार गुप्ता द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि कल रविवार सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 तक मिनी फीडर को जरूरत के अनुसार एवं एक नंबर फीडर में पूरी तरह से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। क्षेत्र में फीडर के समानांतर एक अन्य फीडर का निर्माण हेतु पोल खड़े करने व तार नवीनीकरण के लिए करीब 5 घंटे तक बिजली गुल रहेगी। मिनी फीडर एवं एक नंबर फीडर से जुड़े इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

एटीएस केंद्र का हुआ उद्घाटन

सासाराम। डीटीओ रामबाबू ने एटीएस केंद्र का उद्घाटन फीता काटकर की। डीटीओ रामबाबू ने बताया कि शाहाबाद प्रक्षेत्र के पहला ऑटोमैटिक फिटनेस सेंटर रोहतास के जमुहार में शुरू होना बड़ी पहल है। उन्होंने कहा कि छोटे बड़े सभी प्रकार के कर्मिशयल वाहनों का फिटनेस आज से एटीएस केंद्र से शुरू हो जाएगा। बता दूं कि अबतक इस तरह के बिहार में छठवां एटीएस केंद्र परिवहन विभाग के पहल पर शुरू हुआ। एटीएस केंद्र के उद्घाटन के मौके पर जावेद आलम, राम गोपाल सिंह, सतनारायण यादव, पूर्व विधायक रामबचन सिंह, मुखिया विवेक कुमार, हरेंद्र सिंह, ददन सिंह, निर्मल सिंह व अन्य मौजूद रहे।

संदेश थाना क्षेत्र के खलपुरा गांव स्थित सूर्य मंदिर के समीप मिला लाश

भोजपुर में ननिहाल में रह रहे युवक की गोली मारकर हत्या, शव बरामद

♦ मौके पर पुलिस ने दो खोखा,एक जिंदा कारतूस भी किया भी बरामद
♦ हत्या का कारण स्पष्ट नहीं, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/आरा



घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारी व अन्य।



घटनास्थल पर जांच करते पुलिस कर्मी।

जिले में ननिहाल में रह रहे युवक की गोली मारकर हत्या कर फेंका गया शव बरामद हुआ है। उसका शव संदेश थाना क्षेत्र के खलपुरा गांव स्थित सूर्य मंदिर के समीप शनिवार की सुबह बरामद किया गया है। शव के मिलने से गांव में आसपास की इलाके में सनसनी मच गई है।

घटना की सूचना पाकर संदेश थानाध्यक्ष संतोष कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए। वहीं पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा एवं जिंदा कारतूस भी बरामद की है। इसके बाद पुलिस द्वारा पटना से एफएसएल की टीम को बुलाया गया। इसके बाद एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और वहां से साक्ष्य संकलन कर वापस लौट गई। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार मृतक गड़हनी थाना क्षेत्र के विशंभरा गांव निवासी मंजय सिंह का 18 वर्ष से पुत्र विशाल उर्फ लालू है एवं मैट्रिक का छात्र था। वह बचपन से ही संदेश थाना क्षेत्र के डेहरी गांव अपने ननिहाल में ही रहकर वहीं पढ़ाई करता था।

सूर्य मंदिर के शव बरामद : मृतक के नाना बिंदेश्वर राय ने बताया कि शुक्रवार की दिन रात करीब 11 बजे उसके मोबाइल पर कॉल आया तो उसकी मां ने उठाया और पूछा कि कहां से बोल रहे हो तो उसने बताया कि मैं बनैली गांव से बोल रहा हूं लालू है। तभी उसकी मां ने कहा कि वह सोया है बाहर नहीं जाएगा। कुछ देर बाद दोबारा उसके मोबाइल पर फोन आया। इसके बाद वह घर से बाहर निकल गया और वापस नहीं लौटा। तभी शनिवार की सुबह खलपुरा गांव स्थित सूर्य मंदिर के समीप गोली से मारकर हत्या कर फेंका गया उसका शव बरामद हुआ। जिसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। वहीं दूसरी तरफ मृतक के नाना बिंदेश्वर राय ने अपने नाती के गांव में किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार की दुश्मनी एवं विवाद की बातों से साफ इन्कार किया है। साथ ही उन्होंने किसी भी व्यक्ति पर किसी प्रकार की कोई आरोप या आशंका भी नहीं जतायी है।



मृतक की फाइल फोटो।

अपने मां-बाप का था इकलौता चिराग

उन्होंने उसके साथ रहने वाले दोस्तों के द्वारा ही इस घटना को अंजाम देने की भी बात कही है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।बताया जाता है कि मृतक अपने एक भाई व में बड़ा था एवं अपने मां-बाप का इकलौता चिराग था। मृतक की मां शिलालती देवी की मौत उसके बहन के पैदा होते ही हो गई थी। जिसके बाद उसके पिता मंजय सिंह ने उसकी मौसी मालती देवी से ही दूसरी शादी कर ली थी। वह ननिहाल में रहकर पढ़ता था। जबकि उसकी बहन अपने गांव रहती है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की मां मालती देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ईंट-पत्थर से हमला कर भाई ने बड़े भाई को उतारा मौत के घाट, हत्यारा गिरफ्तार

केटी न्यूज/काराकाट



प्रखंड क्षेत्र के कछवां थाना क्षेत्र में वार्ड-8 में एक भाई ने अपने ही भाई की ईंट पत्थर से पिट पिटकर हत्या दी। मृतक कछवां निवासी स्व. कामता राम का 40 वर्षीय पुत्र राजेश राम बताया जा रहा है। राजेश राम तीन भाइयों में सबसे बड़ा भाई था, उसके मांझील भाई अनिल राम ने उस पर बीते शुक्रवार की रात ईंट से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। घायल राजेश राम की इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई।

मृतक की पत्नी सीता देवी व माता कुशुम कुअर ने बताया कि बीते शुक्रवार की रात सोने के दौरान मांझील भाई अनिल राम ने दरवाजा खोलने को बोला। जैसे ही दरवाजा खोला गया मांझील भाई ने अपने बड़े भाई के ऊपर ईंट से हमला बोल दिया। सिर पर ईंट से सैकड़ों बार वार करते हुए पूरी तरह लहूलुहान कर दिया। पत्नी के शोर मचाने पर परिजन व आसपास के लोग आएं। जिन्हें देख हमलावर भाई भाग निकला। वहीं बीच बचाव कर रहे एक अन्य भी घायल बताया जा रहा है।

आनन फानन के स्थिति में 112 नंबर डायल किया और पुलिस को बुलाया, सूचना पर पहुंची 112 नंबर की गाड़ी ने घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नासरीगंज पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने घायल की स्थिति को नाजुक देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। जिसके बाद परिजनों ने एंबुलेंस से घायल को सासाराम सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसकी मौत हो गई। मामले में थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि परिजनों द्वारा मामले की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर पहुंच घटना की जांच कर करवाई करते हुए आरोपी अनिल राम को थाना क्षेत्र के ओसाव गांव से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं।

गुप्ताधाम से लौटने के दौरान श्रद्धालुओं से भरा आटो पलटा, नौ लोग घायल

केटी न्यूज/चेनारी



रोहतास जिला के चेनारी थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रसिद्ध गुप्ताधाम में चलने वाले श्रवणी मेले से पवित्र शिवलिंग का दर्शन व पूजा अर्चना कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा एक ऑटो पलट गया। जिसमें सवार सभी 9 श्रद्धालू घायल हो गए। घटना के चेनारी थाना क्षेत्र के बादलगढ़ रोड के दनदनवा नाला के समीप की है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने चेनारी थाना की पुलिस को घटना की सूचना दी।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी, चेनारी पहुंचाया। जहां के डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद दो घायलों को गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल सासाराम रेफर कर दिया। घायलों में सभी उत्तर प्रदेश के बनारस के रहने वाले आशीष सहनी, सोनू कुमार, पंचम सहनी, अनुराग कुमार, कृष्ण प्रसाद, गया निवासी संकी कुमारी, विकास कुमार, पटना के नौबतपुर निवासी आशीष कुमार, उज्जवल कुमार, धीरज कुमार के रूप में की गई। घायल आशीष सहनी ने बताया कि वे लोग गुप्ता धाम से दर्शन कर लौट रहे थे। बादलगढ़ गांव से पहले दनदनवा नाला की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर से बचने के दौरान असंतुलित हो कर ऑटो पलट गया। ऑटो पलटने से सवार 9 श्रद्धालु घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से स्थानीय चेनारी सीएचसी पहुंचाया गया।

रोहतास जिले में एमडीए अभियान को लेकर जिला स्तरीय टीओटी का किया गया आयोजन

सही नियत से किया गया कार्य होता है हमेशा सफल: सीएस

केटी न्यूज/सासाराम



फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर सासाराम सदर अस्पताल के पारा मेडिकल भवन में जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ मणि रंजन ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद जिले के सभी एमओआईसी, बीएचएम, बीसीएम, अस्पताल प्रबंधक को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन ने कहा की सही नियत से कोई कार्य किया जाए तो सफलता जरूर मिलती है।

इसलिए जो काम आपको मिला है उसे बेहतर तरीके से करे। सिविल सर्जन ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है और यह राष्ट्रीय स्तर का एक बड़ा अभियान है, इसलिए हमें इसे एक चेलेंज समझकर एमडीए अभियान को सफल बनाने के लिए आगे आना चाहिए। हमें जिस कार्य के लिए दायित्व दिया गया है उसे कार्य का निर्वाह करने में पीछे नहीं हटना चाहिए। वही अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अशोक कुमार ने भी कहा कि इस बड़े अभियान को सफल होने के लिए हम सभी को अपना बेहतर से बेहतर प्रदर्शन देना है, ताकि जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाया जा सके। डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि यहां से प्रशिक्षण के बाद अपने प्रखंड स्तर बेहरत प्रशिक्षण प्रदान करें ताकि अभियान में सफलता मिल सके। वहीं पिरामल स्वास्थ्य के प्रोग्राम लीडर (संचारी रोग) हेमंत कुमार ने रिपोर्टिंग फॉर्मेट के साथ साथ सुकृत्य एप्प पर डाटा अपलोड की की जानकारी उपलब्ध कराई। साथ ही समुदायिक स्तर पर लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया।

आशा कर्मियों के दें बेहतर प्रशिक्षण : वही डब्ल्यूएचओ से आए जोनल कॉर्डिनेटर डॉ. अरुण कुमार ने वहां मौजूद सभी लोगो को प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने बताया कि अभियान को सफल होने में सभी का योगदान अहम हैं। लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है की दवा खिलाने वाली आशा कर्मियों को बेहतर प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, क्योंकि बेहतर प्रशिक्षण ही लोगों को दवा खिलाने में काम आएगा। उन्होंने कहा कि पिछली बार की तरह इस बार भी तीन तरह की दवा खिलानी है, इसलिए जो छोटी-छोटी गलतियां पिछली बार हुई है उसको इस बार सुधार करके और बेहतर परिणाम पाया जा सकता है। डॉक्टर अरुण कुमार ने इस बात की भी जानकारी दिया की दवा खिलाने के बाद किस तरह से आशा कर्मी रिपोर्ट बनाएंगी।

एडीआर को लेकर दी गई जानकारी

डॉ. अरुण कुमार ने दवा खिलाए जाने के बाद दवा के होने वाले प्रतिकूल प्रतिक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। प्रखंडों में एमडीए से संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों, आशाकर्मियों को प्रशिक्षण देने के दौरान एडवर्स ड्रग रिएक्शन यानी दवा के प्रतिकूल प्रभाव के बारे में जानकारी जरूर दें। लोगों को इस बात की जानकारी दें कि यदि दवा खाने के बाद मिचली, उलटी, सिर दर्द या चक्कर जैसे लक्षण दिखाई दे तो घबराएं नहीं, क्योंकि जिन लोगों में फाइलेरिया के परजीवी होंगे उनमें यह सामान्य लक्षण दिखाई देंगे यदि आधे घंटे के अंदर स्थिति सामान्य ना हो तो अपने नजदीकी आशा कर्मी या अन्य स्वास्थ्य कर्मी को जानकारी उपलब्ध कराएं।

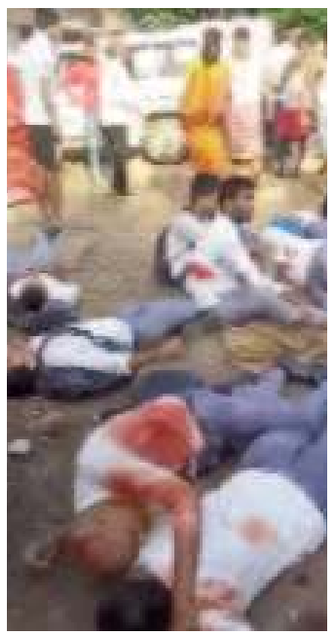
बलिया जनपद के फेफना स्थित तिराहे मोड़ से 500 मीटर की दूरी पर स्थित बाल सुधार गृह के पास शनिवार के सुबह हुआ हादसा

भीषण हादसा: बलिया में छात्रों से भरी पिकअप खड़े ट्रक से टकराई; दो की मौत, आठ घायल

- आठ घायलों को वाराणसी किया गया रेफर
- छह घायलों का जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

केटी न्यूज / बलिया

फेफना तिराहे से 500 मीटर की दूरी पर स्थित बाल सुधार गृह के पास खड़े ट्रक में एक तेज रफ्तार पिकप ने शनिवार की सुबह जोरदार टक्कर मार दी। इसमें कुल 16 छात्र व ड्राइवर घायल हो गए। आठ छात्रों व चालक की स्थिति गंभीर होने पर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया है। एक छात्र की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि एक छात्र ने वाराणसी जाते समय गाजीपुर में दम तोड़ दिया। बता दें कि हादसे के बाद आस-पास के लोगों ने सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां छात्रों का उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है की सवारी पिकप में नागाजी सरस्वती विद्या मंदिर माल्देपुर के 16 छात्र सवार हुए थे, जो चितबड़ागांव, फेफाना एवं अन्य स्थानों से वाहन में चढ़े थे। सभी समय से स्कूल आने के लिए पिकप में सवार हुए, लेकिन फेफना तिराहे से 500 मीटर की दूरी स्थित बाल सुधार गृह के पास जैसे ही पहुंची सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से पिकप की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें चालक व सभी 16 छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। उधर घटना की खबर मिलते ही जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार, पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर, सीएमओ ,सीएमएस डा. सुजीत यादव तथा जिला अस्पताल के ज्यादातर चिकित्सक पहुंच गए। जिला अस्पताल पहुंचे जिलाधिकारी ने घायल छात्रों को देखने एवं उनके परिजनों से मिलने के बाद पत्रकारों को बताया कि घटना बेहद दुखद है। नागाजी सरस्वती विद्या मंदिर माल्देपुर के छात्र जो अपने निजी साधन से विद्यालय आते हैं वह शनिवार को पिकप वाहन में सवार होकर विद्यालय आ रहे थे। इसी बीच अचानक पिकप के चालक का नियंत्रण खो गया और वह सड़क किनारे खड़े एक ट्रक भिड़ गया। जिससे पिकअप में सवार एक छात्र की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जबकि एक ने वाराणसी जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। आठ छात्रों व चालक की स्थिति गंभीर होने पर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया है। बाकी छह घायल छात्रों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।



हादसे में मृत एवं घायल युवकों का नाम

हादसे में यश प्रताप सिंह-15 निवासी लक्ष्मणपुर व विशाल सिंह उम्र 16 निवासी चितबड़ागांव की जहां मौत हो गई। वहीं घायलों में मुख्य रूप से विशाल सिंह -16, सोनू- 19, रोहित यादव- 14, सुमित यादव -16, चित्रांश सिंह-16, अनमोल सिंह- 14, आदित्य कुमार सिंह-15, शाश्वत सिंह-14, आदित्य यादव-14, भानू खरवार-16, आदित्य कुमार यादव-17, शिव ओम केसरी-18, अमित कुमार सिंह-16 आदि शामिल हैं।

पुलिस छावनी में तब्दील रहा जिला अस्पताल



फेफना हुए भीषण हादसे के बाद पूरा जिला अस्पताल पुलिस छावनी में तब्दील रहा। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार, नवागत एसपी विक्रांत वीर, सदर एसडीएम आत्रेय मिश्र, सिटी मजिस्ट्रेट, सीओ सिटी से लेकर पांच थानों की फोर्स जिला अस्पताल में तब तक तैनात रहे। जब तक मामला शांत नहीं हो गया।

मृतकों के परिजनों को दिया जाए 10 लाख रूपए: शमीम



घटना के बाद जिला अस्पताल पहुंचे एआईएमआईएम के प्रदेश महासचिव मोहम्मद शमीम खान जिला अस्पताल की व्यवस्था पर प्रदेश सरकार को जमकर आड़ेहाथ लिया। कहा कि आज जिला अस्पताल में सारी व्यवस्था की पोल खुल गई है। यहां ट्रामा सेंटर तो है लेकिन इसमें सिर्फ इलाज नहीं होता है। बल्कि चिकित्सकों का ड्रामा होता है। यदि आज जिला अस्पताल में व्यवस्था सही होती तो यश प्रताप सिंह और विशाल सिंह जिंदा होते। इस दौरान उन्होंने मृतकों के परिवार को दस—इस लाख व घायलों के परिवार को दो—दो लाख रूपए देने की मांग की।

संवेदनहीन दिखे जिला अस्पताल के चिकित्सक



वैसे चिकित्सक को भगवान का दर्जा दिया गया है, लेकिन यह अब बीते जमाने की बात हो गई है। तभी तो जिला अस्पताल की इमरजेंसी में शनिवार की सुबह अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा जरूरत पड़ने पर भी चिकित्सक जिला अस्पताल पहुंचना मुनासिब नहीं समझे। जिसके कारण मरीजों को इलाज के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। आलम यह रहा कि जिला अस्पताल में भर्ती होने के बाद सिर्फ स्ट्रीच लगाने के लिए एक घंटे तक तक इंतजार करना पड़ा।

हंगामे के आगे सीएमओ और सीएमएस को सूंघ गया था सांप, न सुई न रूई, खुल गई जिला अस्पताल की कलई



वैसे अपनी लचर व्यवस्था और उदासीन रवैये को लेकर जिला अस्पताल हमेशा सुर्खियों में रहता है। लेकिन शनिवार को फेफना में हुए हादसे ने जिला अस्पताल में व्याप्त दुर्व्यस्थाओं की कलई खोलकर रख दी। छात्रों के इलाज के लिए न तो पर्याप्त सुई थी और न ही रूई। वेंटीलेटर और स्ट्रेचर आदि की तो बात ही छोड़िए। फेफना में हुई भीषण सुड़क दुर्घटना के बाद जब एक साथ 16 घायल छात्रों को लेकर परिजन, पुलिस व आसपस के लोग जिला अस्पताल पहुंचे तो एंबुलेंस से इमरजेंसी वार्ड तक ले जाने के लिए पर्याप्त स्ट्रेचर तक नहीं था। इतना ही खून से लथपथ शरीर को साफ करने के लिए रूई व दर्द निवारण के लिए सुई तक जिला अस्पताल में उपलब्ध नहीं थी। कहने को तो जिला अस्पताल में ट्रामा सेंटर सुचारू रूप से चल रहा है, वेंटीलेटर भी लगा है। लेकिन जब गंभीर अवस्था में घायल छात्रों को वेंटीलेटर ट्रामा सेंटर ले जाया गया तो वहां वेंटीलेटर भी पर्याप्त नहीं मिले और शायद यही वजह रही कि यश प्रताप सिंह व विशाल सिंह को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। इस दौराप मृत व घायलों के परिजन भी जिला अस्पताल में हंगामा करते नजर आए और जमकर सीएमएस एसके यादव व सीएमओ वीपी द्विवेदी को खरी खोटी सुनाई। इस दौरान परिजनों की फटकार के आगे सीएमएस और सीएमओ को मानो सांप सूंघ गया था।

पिकअप की चपेट में आने से मा-बेटे की मौत

बलिया। मधुबन मार्ग पर अखोप चट्टी स्थित मंदिर के पास शनिवार की शाम तेज गति के अनियंत्रित पिकअप ने एक बाइक को टक्कर मारने के बाद दुकान से टकरा गया। पिकअप के टक्कर से बाइक के परखचे उड़ गए और सवार मां-बेटे की मौके पर मौत हो गई। सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। भीमपुरा थाना क्षेत्र के नरपतपुर निवासी अमरजीत चौहान (51) माता दुलारी देवी (70) को बाइक पर पीछे बैठा कर बेल्थरारोड की ओर आ रहा था। अखोप चट्टी स्थित हनुमान मंदिर के पास पहुँचा की बेल्थरारोड की ओर से तेज गति से जा रही पिकअप ने टक्कर मार दिया। टक्कर से बाइक पर पीछे बैठी दुलारी कई फीट ऊपर उछलकर सड़क के किनारे जमीन पर गिर पड़ी। जिससे मौके पर उसकी मौत हो गई।

जिलाधिकारी ने की अभियोजन कार्यों की प्रगति की समीक्षा

केटी न्यूज / बलिया



जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। इसमें सरकार से संबंधित मुकदमों की प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दिये गये। ज़िलाधिकारी ने कहा, शासन का निर्देश है कि कोई भी मामला हो, उसको चिन्हित कर प्रभावी पैरवी कर निस्तारण कराया जाए। उन्होंने कहा कि केस में छोटी-मोटी कमियों को समय रहते दूर कर लें। महिला अपराध और पॉक्सो वाले मामलों में दोषी को सजा अवश्य हो, यह सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने सभी सरकारी वकीलों से कहा कि अगले महीने से और बारीकी से मुकदमों की प्रगति की समीक्षा होगी, इसलिए और प्रभावी ढंग से पैरवी की जाए। यह भी कहा कि किसी मामले की फाइल हाईकोर्ट भेजी जा रही है तो आप मामलों के आगे बुलेट प्वाइंट में हाईलाइट करके ही फाइल भेजें। फाइल को ज्यादा लंबे तक न रखा जाए, उसको समय सीमा के भीतर निस्तारण कराएँ। हत्या- बलात्कार जैसे संगीन मामलों में सजा होने के बाद प्रमुख अखबारों में प्रकाशित अवश्य कराएं। बैठक में सीआरओ त्रिभुवन व सभी सरकारी अधिवक्ता उपस्थित रहे।

घर के अहाते में नरकंकाल मिलने से गांव में दहशत

केटी न्यूज / गाजीपुर

सैदपुर थाना क्षेत्र के धुवार्जुन गांव के बाहर बिल्कुल सुनसान स्थान पर मौजूद खेत में बने एक मकान के अंदर एक व्यक्ति का नरकंकाल मिलने से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। सूचना के बाद पुलिस भी हलकान है और तत्काल मौके पर पहुंची। कंकाल के नजदीक कुछ कपड़े मिले, तो टी-शर्ट व कुछ कपड़े कुछ दूरी पर मिले। कंकाल का सिर वहीं कुछ दूरी पर मिला। घटना के बाद गांव से गायब एक व्यक्ति के परिजन कंकाल को उसी व्यक्ति का बताते हुए बिलखने लगे। इसके बाद पुलिस ने बिना कंकाल का डीएनए टेस्ट कराए, उसे मृतक का ही कंकाल होने की बात से इंकार किया। कहा कि संभावना हो सकती है, लेकिन पूर्ण रूप से नहीं कहा जा सकता। गांव के सीवान क्षेत्र के खेत में गांव निवासी संजय राजभर का मकान बना हुआ है। उस मकान में कोई नहीं रहता है। उसके आगे करीब पांच फीट की तीन तरफ से चहारदीवारी बनी हुई है। इस बीच आज सुबह उधर से गांव के लोग अपने खेतों में धान की रोपाई के लिए गुजर रहे थे तो कोई वहां चहारदीवारी के पास चला गया। वहां जाने के बाद अंदर नरकंकाल देखकर वो डर गए। इसके बाद इसकी सूचना पूरे गांव में फैल गई और पुलिस को भी दी गई। जिसके बाद मौके पर भीड़ जुट गई और समाजसेवी पंकज राय की सूचना पर भितरी चौकी इंचार्ज ओमप्रकाश यादव मौके पर पहुंचे। कंकाल पर सिर्फ एक काला कपड़ा दिख रहा था, जिसे देखकर वो उसका अंडरवीयर लग रहा था। वहां उसकी टीशर्ट, काला हाफ पैंट, लाल गमछा आदि कुछ दूरी पर मिला। उसका मुंड भी कुछ दूर पड़ा था। कंकाल के कुछ जोड़ों वाले हिस्से में अब भी मांस होने का पता चल रहा था। जिससे लग रहा था कि उसके शरीर के मांस को कुत्तों ने खा लिया और जो बचा वो सड़ गया होगा। वहीं कंकाल की कुछ अगली पसलियां, दोनों हाथ भी गायब थीं, जिसे देखकर लग रहा था कि कुत्तों ने मांस के साथ उसे भी नोच लिया होगा। मौके पर अब तक भारी दुर्गंध थी। इधर कंकाल मिलने की सूचना के बाद गांव निवासिनी महिला अपने बच्चे संग वहां पहुंची और कंकाल को देखकर रोने लगी। वहां मिले कपड़े आदि से उसकी पहचान उसने अपने एक सप्ताह से लापता पति गुड्डू राजभर के रूप में की। बताया कि 42 साल के गुड्डू राजभर उसके पति हैं और वो 18 जुलाई से ही गायब हैं। दो दिनों तक ढूंढने के बाद 20 जुलाई को थाने में गुमशुदगी भी दर्ज कराई गई है। पत्नी ने कहा कि कपड़े आदि के आधार पर कंकाल उसके पति का ही लग रहा है। पत्नी ने रोते हुए बताया कि उसके पति काफी ज्यादा शराब पीते थे, जिसके चलते कई बार उन्हें बच्चे टांगकर घर लाते थे। बताया कि वो ट्रैक्टर चलाते थे।

एक नजर

घर से खेलने निकले मासूम की गड्ढे में डूबने से मौत, चीत्कार उठे परिजन; पसरा मातम

गाजीपुर। रेवतीपुर थाना अंतर्गत नसीरपुर गांव में बीते शुक्रवार की देर रात गांव के उत्तर पुलिया के समीप पानी से भरे गड्ढे में मासूम रघुबीर चौधरी (07) का शव मिलने से गांव सहित परिजनों में सनसनी फैल गई। सूचना पाकर घटना स्थल पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मां लालता देवी सहित पूरे परिवार का रो- रोकर बुरा हाल था। घटना के चलते गांव में सन्नाटा पसरा है। ग्रामीण पीड़ित परिजनों को किसी तरह सांत्वना देने में जुटे हुए है। घटना की सूचना तत्काल पीड़ित परिजनों ने पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे ले छानबीन में जुट गई है। इसके साथ ही पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गाजीपुर जिला मुख्यालय भेंज दिया गया है। मृत मासूम रघुबीर के पिता संतोष चौधरी ने सिसकते हुए बताया कि वह राजमिस्त्री हैं। उसके दो पुत्र आर्यन बड़ा एवं मृतक रघुबीर छोटा था। उन्होंने बताया वह गांव पर ही एक स्कूल में कक्षा दो में पढ़ता था। उन्होंने बताया कि उनका छोटा पुत्र देर शाम को खेलने की बात कहकर घर से निकल गया। मगर देर रात होने पर भी उसका कुछ पता नहीं चल सका। पिता संतोष चौधरी ने बताया कि इसके बाद वह अपने पुत्र को खोजते हुए गांव के बाहर निकल पडे। इसी दौरान उत्तर दिशा की ओर पुलिया के समीप पानी से भरे एक गड्ढे के बगल में ग्रामीणों की भीड़ लगी थी। बताया कि जब वह पास पहुंचे तो लोगों ने बताया कि उनका पुत्र पानी में डूब गया है। जिसे ग्रामीणों के सहयोग से किसी तरह घंटों बाद बाहर निकाला जा सका। पिता ने बताया कि इसके बाद वाहन से पुत्र को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार निषाद ने बताया कि शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेंज दिया गया है और मामले की छानबीन की जा रही है।

जिले में नेता प्रतिपक्ष एवं एमएलसी लाल बिहारी यादव का हुआ जोरदार स्वागत

गाजीपुर। सादात में स्थित सपा के प्रदेश सचिव डॉ. विजय बहादुर सिंह यादव के आवास पर समाजवादी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष व एमएलसी लाल बहादुर यादव का कार्यकताओं ने गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष को बुके और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष व एमएलसी लाल बिहारी यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जनाधार को भाजपा सरकार ने देखा है। इस जनाधार को और आगे बढ़ाना है। ताकि 2027 विधानसभा के चुनाव में पूर्व सीएम अखिलेश यादव को फिर उत्तर प्रदेश का सीएम बनाना है। वर्तमान सरकार में आम जनता पूरी तरह से महंगाई भ्रष्टाचार बेरोजगारी रिश्वतखोरी से झेल रहा है। लोग बेहाल हैं। विकास के नाम पर लॉलीपॉप परोसा जा रहा है। ऐसे में कार्यकर्ता गांव गांव में लोगों को जोड़ने का कार्य करें। मालूम हो कि नेता प्रतिपक्ष का आज प्रोटोकॉल के तहत सैदपुर के हीरा यादव प्रमुख के घर पर पहुंचे और वहां पर शोक संवेदना व्यक्त किए। भीमापार रविंद्र यादव के आवास पर भी स्वागत समारोह हुआ। बहरियाबाद सपा जिला सचिव निसार अहमद के आवास पर भी जोरदार तरीके से नेता प्रतिपक्ष व एमएलसी लाल बिहारी यादव का स्वागत किया गया। इस मौके पर डॉ. विजय बहादुर सिंह यादव, डॉ. रामवृक्ष सिंह यादव, सादात नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि धर्मेंद्र यादव, पप्पू यादव, मारकंडेय यादव, रामकिशुन सोनकर, संजय मैनेजर पप्पू ,कनौजिया, लालजी राम,रामकेश यादव, उपेंद्र कुशवाहा जवाहिर यादव, बसराज यादव, नगरू यादव, रामप्रवेश गोड सहित अन्य लोग शामिल रहे।

भाजपा नेता के स्कूल परिसर में मारपीट किए जाने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के निजामुद्दीनपुर चौरा गांव में स्थित कमला पांडेय महिला महाविद्यालय में 21 जुलाई कि रात स्कूल के गेट पर घुसकर पड़ोस के ही आधे दर्जन लोगों ने भाजपा नेता अनिल पांडेय के भतीजे सौरभ पांडेय को मारपीट व फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी थी। जिसमें तीन दिन पूर्व चार आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस विधिक कार्रवाई कर चुकी है। शनिवार को दोपहर थाने के उपनिरीक्षक होरिल यादव ने निजामुद्दीनपुर चौरा गांव से अलाउद्दीन नट, मुरताज अहमद, मंटी अहमद को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गए। थाना अध्यक्ष केपी सिंह ने बताया कि भाजपा नेता अनिल पांडेय की तहरीर पर आठ नामजद, दर्जनों अज्ञात में मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें आरोपियों की तलाश में तीन आरोपियों को आज गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की गई।

संविदाकर्मियों ने मांगों को लेकर काला फीता लगा किया सांकेतिक विरोध-प्रदर्शन

केटी न्यूज / गाजीपुर



राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम से जुड़े संविदाकर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर सीएमओ कार्यालय पर काला फीता लगा सांकेतिक रूप से विरोध-प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष राघवेंद्र शेखर सिंह ने कहा कि संगठन के माध्यम से बीते 15 जुलाई को प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण से वार्ता किए जाने का अनुरोध किया था, लेकिन एक सप्ताह में उसका कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इससे प्रदेश भर के करीब डेढ़ लाख एनएचएम संविदा कर्मचारियों में काफी रोष व्याप्त है। कहा कि संगठन के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया गया है। रिक्त पदों पर गैर जनपद स्थानांतरण नीति लागू की जाए। ईपीएफ, ग्रेड पे और डीए का निर्धारण हो। नियमित पदों के सापेक्ष होने वाली भर्ती प्रक्रिया में संविदा कर्मचारियों को वरीयता दी जाए। एनएचएम में सात व 10 वर्ष से अधिक की सेवा पूर्ण कर चुके कर्मचारियों को लायल्टी बोनस दिया जाए। 29 और 30 जुलाई को तय समय से एक घंटे अधिक कार्य किया जाएगा। 31 जुलाई, एक और दो अगस्त को मुख्यमंत्री को संबोधित 10 सूत्रीय मांगपत्र डीएम तथा जनप्रतिनिधियों को सौंपा जाएगा। तीन, चार, पांच और छह अगस्त को प्रदेश के संविदा कर्मचारियों की ओर से केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार के पोर्टल पर किए जाने वाले ऑनलाइन कार्य को बंद कर डिजिटल स्ट्राइक करेंगे। वहीं सात अगस्त को भारी संख्या में लखनऊ पहुंचने की रणनीति बनाई गई है। इस मौके पर प्रभुनाथ, अनिल कुमार वर्मा, अशोक कुमार पांडेय, मोहम्मद अजहर, शिवकुमार यादव, भारत भूषण श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

करेंट की चपेट में आने से युवक की मौत

गाजीपुर। रामपुर माझां थाना क्षेत्र के देवकली बाजार निवासी अर्जुन कुमार गुप्ता (42) शनिवार को विद्युत करेंट की चपेट में आने से गंभीर रुप से झुलस गए। इलाज के लिए सैदपुर सीएचसी ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। बता दें कि मृतक के पिता लालजी गुप्ता का तीन- चार दिन पूर्व निधन हो गया था। गांगी नदी के किनारे घाट कर्म कर वापस लटते समय ब्रह्म स्थल के पास लगे ट्रांसफार्मर के समीप लघुशंका करते समय करेंट की चपेट में आने से वह बुरी तरह घायल हो गए। इलाज के लिए सैदपुर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिए। मृतक की पुत्री खुशी तथा पत्नी साधना गुप्ता सहित परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलने पर रामपुर माझां के एसआई गजेंद्र राय दल बल के साथ पहुंच कर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रेवतीपुर ब्लाक अंतर्गत विभिन्न परिषदीय स्कूलों में एक दिवसीय माता उन्मुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

नौनिहालों की प्रथम पाठशाला माताएं ही हैं: बीईओ अशोक कुमार

- नोडल अध्यापक, प्रधानाध्यापक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने लिया भाग

केटी न्यूज / गाजीपुर



रेवतीपुर ब्लाक अंतर्गत विभिन्न परिषदीय स्कूलों में शनिवार को शासन के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा एक दिवसीय माता उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ बीईओ अशोक कुमार गौतम ने किया। एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला में नौनिहालों के प्राथमिक शिक्षा पर माताओं के महत्व व उनके अधिकार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें जागरूक किया गया। इस कार्यशाला में नोडल अध्यापक, प्रधानाध्यापक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे। इस एक दिवसीय माता उन्मुखीकरण कार्यशाला में माताओं की कार्यशाला के प्रति भूमिका, सहयोग, नौनिहालों से भावनात्मक लगाव कैसे बना सकती है। गतिविधि आधारित शिक्षा के उद्देश्य, उनकी कार्यशैली एवं उनके गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा व गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान बोलते हुए बीईओ अशोक कुमार गौतम ने कहा कि नौनिहालों की प्रथम पाठशाला माताएं ही हैं। कहा कि किसी आपात परिस्थिति में उस समय माताओं की जिम्मेदारी होगी कि घर पर रहकर नौनिहालों को छोटी -छोटी गतिविधियों से जोड़कर शिक्षा दें। उधर प्रधानाध्यापक भगवती प्रसाद तिवारी ने कहा कि राज्य परियोजना कार्यालय एवं शासन के आदेश के अनुसार नामांकित बच्चों के माताओं को जागरूक करने के लिए यह कार्यक्रम विद्यालयों में आयोजित किया जा रहा है।

उन्मुखीकरण कार्यशाला में नौनिहालों के शुरूआती वर्षों के महत्व, उनके सीखने की निगरानी एवं अवलोकन तथा उसका घर पर ही मूल्यांकन, घर पर अच्छे वातावरण में सकारात्मक वातावरण का निर्माण की जिम्मेदारी माताओं की होती है। एआरपी संत कुमार गुप्ता ने बताया कि कार्यशाला के दौरान नौनिहालों को प्रिटेंड होमवर्क भी दिया गया। उन्हें बताया कि इसका उद्देश्य प्री प्राइमरी शिक्षा को सशक्त बनाना है। नौनिहालों ने गीत, कविता, पहाड़ा, पुस्तक वाचन, गिनती, रंगोली, चित्रकारी प्रस्तुत किया। माताओं ने रस्सी खींच, गायन, सुरीली कुर्सी दौड़ में भाग लिया।इस अवसर प्रधानाध्यापिका डेजी? शर्मा, धर्मेंद्र कुमार, जयप्रकाश राय , नेहा सिंह, मंजू पाल, शांति देवी, अर्चना राय ,सुनीता, अर्चना उपाध्याय, सुब्बी खातून , किरण देवी, रश्मि, अंबिया खातून, शीला देवी, शर्मिला देवी, मन बसिया देवी, रानी देवी आदि मौजूद रहे।

विधायक रागिनी ने लगाया चौपाल, सुनीं समस्याएं, बिजली कटौती का मामला सदन में उठाऊंगी

केटी न्यूज / जौनपुर

- नहरों में पानी को लेकर जलशक्ति मंत्री को लिखा पत्र
- आय दोगुनी की जगह कर्ज में डूब जाएंगे किसान





मड़ियाहू डाक बंगले पर मछली शहर विधानसभा क्षेत्र में बिजली कटौती और अन्य समस्याओं के निवारण के लिए क्षेत्रवासियों के साथ मछली शहर के विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने चौपाल लगाई। शुक्रवार शनिवार से लगातार विधायक जनसंपर्क कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बिजली समस्या पूरे प्रदेश की समस्या हो गई है। 29 जुलाई से चलने वाले सत्र में मामला विधानसभा में उठाया जाएगा। अगर बिजली का हाल यही रहा तो किसानों की आय दुगनी कराने का वायदा करने वाली सरकार किसानों को कर्ज में डाल देगी। पूर्व निर्धारित सूचना के अनुसार उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को बुलाकर क्षेत्रवासियों की समस्या का समाधान कराया। उन्होंने कहा कि धान की रोपाई का समय है किसी भी हाल में बिजली की कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों की बिजली और बिल की समस्याओं का भी निस्तारण कराया। विधायक श्रीमती सोनकर ने कहा कि नहरों में पानी छोड़ने और बिजली कटौती रोकने को लेकर पहले ही जल शक्ति मंत्री को और प्रमुख सचिव को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि मछलीशहर रजवाहा नहर, डगरिया गांव- समाधगंज नहर, शारदा सहायक खंड, पल्टू से समाधगंज नहर, सरावा खजुरी माइनर, किशुनपुर नहर आदि में पानी की समस्या बनी हुई है। इस क्षेत्र के किसानों की आमदनी कृषि पर ही निर्भर है। उन्होंने जनता की कई समस्याओं को सुना और मौके पर आए अधिकारियों से और संबंधित अधिकारियों को फोन कर मामले का निस्तारण कराया। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ ने नियमित करने समेत अन्य कई मांगों के संबंध में विधायक को ज्ञापन सौंपा और समस्याओं का निस्तारण कराने की मांग की।

एक नजर

सीडीओ के निरीक्षण में गैरहाजिर मिले दो अफसर व नौ कर्मचारी, मांगा स्पष्टीकरण

चंदौली। मुख्य विकास अधिकारी सुरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने शनिवार को विकास भवन स्थित लगभग एक दर्जन कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया



गया। इस दौरान उन्होंने विकास भवन में जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, उपायुक्त (श्रम रोजगार), जिला कृषि अधिकारी, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी (चन्दौली), जिला बचत अधिकारी, जिला क्रीडा अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी का कार्यालय का जायजा लिया। निरीक्षण के समय जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, उपायुक्त (श्रम रोजगार) अपने कार्यालय कक्ष उपस्थित थे। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी चन्दौली का प्रभार जिला युवा कल्याण अधिकारी, वाराणसी को अतिरिक्त रूप से सौंपा गया है। जनपद में जिला कृषि अधिकारी तैनात हैं। जिला कृषि रक्षा अधिकारी एवं उप सम्भागीय कृषि प्रसार, चन्दौली प्रभार जिला कृषि अधिकारी के पास है, जो अपने कार्यालय उपस्थित नहीं थे। बताया कि उप निदेशक कृषि के यहाँ प्रशिक्षण चल रहा है। जिला कृषि अधिकारी प्रशिक्षण में हैं। जिला बचत अधिकारी का प्रभार जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के पास है। क्रीडा अधिकारी अपने कक्ष में उपस्थित नहीं थे। बताया कि स्टेडियम गये हैं। निरीक्षण के क्रम में सभी कार्यालय की उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया। इस दौरान 02 अधिकारी एवं 09 कर्मचारी अनुपस्थित पाये गए, जिनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। स्पष्टीकरण सन्तोषजनक प्राप्त नहीं होने पर वेतन बाधित एवं अन्य अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी कार्यालयों में पर्याप्त सफाई, रोशनी एवं पत्रावलियों को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिये गए।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार घायल, गंभीर हालत में वाराणसी रेफर

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के भगवानपुर पुलिया के समीप नेशनल हाईवे पर शनिवार को अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर दिया।इससे घटना में बाइक पर बैठे पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के बाद मौके पर जुटे आसपास के ग्रामीणों ने



तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल दोनों घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद एक की हालत चिंताजनक देख ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। बताते हैं कि बिहार के सासाराम निवासी नंदकिशोर 50 वर्ष अपने पुत्र अजय प्रसाद चौधरी 30 वर्ष के साथ चंदौली इलाज के लिए आए थे। दोपहर में घर वापस लौटते समय जैसे ही दोनों भगवानपुर नहर के समीप पहुंचे की नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनके बाइक में टक्कर मार कर फरार हो गया। घटना में दोनों को गंभीर चोट आई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुचे मंडी चौकी प्रभारी राजेंद्र सिंह ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद नंद किशोर की हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

खबरें फटाफट

ट्रेन का इंतजार कर रहे वृद्ध की मौत

जौनपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के बरसठी स्टेशन पर आज



शनिवार को ट्रेन पकड़ने आए वृद्ध की स्टेशन पर ही मौत हो गई। बता दे सुबह 10:40 पर रायबरेली से चल कर जौनपुर को जाने वाली इंटरसिटी ट्रेन से जाने के लिए स्थानीय थाना क्षेत्र के निगोह के रहने वाले अनवर अली (70) दवा लेने के लिए मडियाहूं जा रहे थे। स्वास्थ्य ठीक नहीं होने पर स्टेशन पर ही बैठ कर ट्रेन का इंतजार करने लगे। तभी अचानक से सीने में दर्द उठा और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया की यह अकेले बैठे हुए थे तभी इनकी स्थिति बिगड़ी और अचानक से जमीन पर गिर गए। मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची बरसठी पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया। जहां मृतक का बेटा अख्तर अली ने बताया की मेरे पिता जी दवा लेने जा रहे थे। मडियाहूं में मेरे बहन और बहनोई इनका इंतजार कर रहे थे। लेकिन अचानक यह घटना घट गई। परिजनों ने पुलिस से पोस्टमॉर्टम न कराने की बात कही है।

प्रदेश में जुलाई माह में सामान्य से 42 फीसद कम हुई बारिश

अनुदान पर दे रही मक्का, बाजरा, ज्वार और दलहन, तिलहन के बीज

- प्रदर्शन के लिए प्रति हेक्टेयर की दर से अनुदान भी
- मक्का और बाजरा के हाइब्रिड बीजों पर भी अनुदान

केटी न्यूज/ लखनऊ





हर बार की तरह इस बार भी योगी सरकार किसानों का संकटमोचक बनकर आई है। प्रदेश के जिन इलाकों में कम बारिश की वजह किसान धान की बोआई नहीं कर पाए हैं या बाढ़ से उनकी फसल क्षतिग्रस्त हुई है, उन क्षेत्रों के किसानों की क्षति की भरपाई के लिए सरकार मक्का, बाजरा, ज्वार , दलहन और तिलहन के बीज अनुदान पर दे रही है। साथ ही कृषि विभाग के प्रसार कर्मी इस बाबत किसानों को लगातार जागरूक भी कर रहे हैं कि कैसे वे अपनी क्षति की भरपाई कर सकते हैं। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के उलट इस साल जुलाई में सामान्य से करीब 42 फीसद कम बारिश हुई। इसका असर खरीफ की प्रमुख फसल धान की रोपाई पर भी पड़ा है। सेंट्रल यूपी और बुन्देलखण्ड में औसत से काफी कम वर्षा हुयी है। इन क्षेत्रों में अभी भी 25 से 30 प्रतिशत खेतों में बुवाई होनी शेष है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार अब जुलाई के शेष दिनों में भी अधिक बारिश की उम्मीद नहीं है।

प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने चंद रोज पहले किसानों को सलाह दी कि बारिश के सहारे जो किसान अब भी धान बोने या रोपने की उम्मीद कर रहे हैं उनको कम समयावधि और कम बारिश में होने वाली वाली दूसरी फसलों की खेती के बारे सोचना चाहिए। विकल्प के रूप में किसान मक्का, बाजरा, ज्वार तथा दलहन-तिलहन की फसल की बोआई कर सकते हैं। हर ब्लॉक पर मक्का, बाजरा एवं ज्वार के हाइब्रिड बीज के निजी कम्पनियों के स्टॉल लगाये जा रहे हैं, इन बीजों पर भी 50 प्रतिशत अनुदान किसानों के खातों में भेजा जायेगा। सरकार ने सभी ब्लाकों के विभागीय विक्रय केन्द्रों पर मिलेट्स में मडुआ, सांवा, कोदो, बाजरा के निःशुल्क बीज मिनीकिट भी उपलब्ध कराए हैं। इसके अलावा दलहन और तिलहन के बीज विशेषकर उड़द, मूंग, अरहर एवं तिल के बीज सामान्य वितरण कार्यक्रम में उपलब्ध हैं। ये बीज पीओएस मशीन से बीज पर मिलने वाले अनुदान को समायोजित कर मात्र 50 प्रतिशत कीमत के भुगतान पर किसानों को मिल जायेगा।

इनमें से अधिकांश फसलें कम पानी और कम समय में होने वाली हैं। मक्का और बाजरा की तो बाजार में भी खासी मांग है। दलहन के जरिए किसान प्रोटीन से भरपूर एक अतिरिक्त फसल ले सकते हैं। चूंकि इन फसलों में प्राकृतिक रूप वातावरण से नाइट्रोजन लेकर भूमि में स्थिरीकरण का गुण होता है। लिहाजा इसका लाभ उनको अगली फसल में बढ़ी उपज के रूप में मिल सकता है। साथ ही समय से रबी की फसलों की बोआई भी की जा सकती है।

प्रदर्शन के लिए प्रति हेक्टेयर की दर से अनुदान भी

यही नहीं देशी मक्का, संकर मक्का एवं पॉपकार्न मक्का के प्रदर्शन पर सरकार 6000 रुपए प्रति हेक्टेयर, बेबी कॉर्न मक्का पर प्रति हेक्टेयर 40,000 रुपए और स्वीट कॉर्न मक्का पर 50,000 रुपए प्रति हेक्टेयर का अनुदान दे रही है।

किसानों को मिल रही सुविधाएं

प्रदेश के सभी 75 जनपदों के लिये त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत संकर मक्का के सामान्य बीज पर 50 फीसद अनुदान की व्यवस्था की गयी है। बहुपयोगी होने के कारण मक्के की मांग भी है और प्रति कुंतल उपज भी बेहतर।

जलालाबाद चौराहे पर बार-बार जल रहा है ट्रांसफार्मर, नहीं हो रहा समाधान

गाजीपुर। जलालाबाद चौराहे पर लगे ट्रांसफार्मर के आए दिन जलने से बाजार के दुकानदारों का धंधा काफी प्रभावित हो रहा है। लगभग 250 से 300 दुकानदार सहित परिवार के लोग बिजली उपयोग करते हैं। वह इस ट्रांसफार्मर से यूनियन बैंक सहित कई लाइब्रेरी और कोचिंग सेंटर के उपकरण भी संचालित करते हैं। जिस ट्रांसफार्मर पर लोड अधिक होने की वजह से यह ट्रांसफार्मर बार-बार जलता है।इसके समाधान के लिए बिजली विभाग सहित जनपद स्तर तक के अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन कहीं से कोई समाधान नहीं हुआ। अंत में उपभोक्ताओं ने जिलाधिकारी को भी इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन वहां से भी संतोषजनक जवाब और उचित कार्रवाई नहीं हो सकी। इससे नाराज उपभोक्ताओं ने आज ट्रांसफार्मर के पास खड़े होकर प्रदर्शन किया और कहा कि दो दिन के अंदर यदि यह ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया और समाधान का उचित प्रबंध नहीं किया गया, तो जलालाबाद चौराहे पर सभी दुकानदार चक्का जाम करेंगे।इसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस प्रदर्शन में मुख्य रूप से राजू कुमार, दिनेश यादव, अतुल पांडेय, ओमप्रकाश यादव, कालिका प्रसाद, ओमकारनाथ गिरी, सत्यानन्द प्रजापति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सेवा समाप्ति की घोषणा पर कर्मचारियों ने काली पट्टी बांध कर जताया विरोध

केटी न्यूज / चंदौली



कोविड काल में अस्पतालों में मरीजों के उपचार और देखभाल के लिए रखे गए कर्मचारियों को शासन ने नौकरी से निकालने की चेतावनी दी है। शासन से पत्र जारी कर बताया गया है कि 31 जुलाई के बाद उनकी सेवा समाप्त कर दी जाएगी। उनके लिए एनएचएम के पास बजट का प्रविधान नहीं है। शासन के फरमान से कोविड कर्मचारियों में रोष है। कर्मियों ने शनिवार को बांह में काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। चेताया कि यदि उन्हें समायोजित नहीं किया गया तो लखनऊ में एनएचएम आफिस का घेराव करेंगे। एमडी एनएचएम की ओर जारी पत्र में कहा गया है कि एनएचएम के पास कोविड कर्मियों को मानदेय देने के लिए बजट नहीं है। ऐसे में 31 जुलाई तक इनकी सेवा समाप्त कर दी जाएगी। जिले के जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्साधिकारी चाहें तो इनकी सेवा ले सकते हैं, लेकिन इसके लिए एनएचएम की ओर से कोई फंडिंग नहीं होगी। शासन के पत्र के बाद कोविड कर्मियों ने जिले के अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने भी उन्हें आगे सेवा में रखने के लिए हाथ खड़े कर दिए। इसको लेकर कोविड कर्मियों में रोष गहरा गया है। उनका कहना कि कोरोना काल में जब मेडिकल स्टाफ की कमी थी तो उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बगैर स्वास्थ्य सेवाओं को पटरी पर लाने में अहम योगदान दिया, लेकिन हालात सामान्य होने के बाद उन्हें बार-बार निकालने की कोशिश की जा रही है। यह सरासर गलत है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसको लेकर डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक से मुलाकात करेंगे।

स्कूल से घर लौट रही छात्रा का अपहरण करने का प्रयास

केटी न्यूज / चंदौली



मुगलसराय थानाक्षेत्र अंतर्गत पड़ाव क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों द्वारा एक छात्रा के अपहरण का प्रयास करने का मामला प्रकाश में आया है। हालांकि, बदमाश अपने मंसूबे में नाकाम रहे और मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक पूछताछ सहित मौके का मुआयना कर रही है। फिलहाल पुलिस, सीसीटीवी कैमरे की मदद से बदमाशों की पहचान करने में जुटी है। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के बहादुरपुर कुंडा गांव के सिवान में शुक्रवार की दोपहर लगभग साढ़े 12 बजे स्कूल से घर जाते समय कक्षा आठ की छात्रा का अपहरण करने का हुआ प्रयास किया गया। साथ में जा रहे भाई के शोर मचाने पर अपहरणकर्ता भाग खड़े हुए। घटना की जानकारी बच्चों द्वारा अपनेपरिजनों को दिया गया। जिस पर छात्र के पिता ने शुक्रवार को मुगलसराय कोतवाली अंतर्गत जलीलपुर पुलिस चौकी पर तहरीर देकर कार्यवाई की मांग की गयी। जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुटी गयी। जानकारी के अनुसार कुंडा खुर्द निवासी विनोद यादव गांव में क्षेत्र पंचायत सदस्य है और विद्युत विभाग में संविदा पर लाइन मैन के पद पर कार्यरत है। जिनकी पुत्री नीति 13 वर्ष और पुत्र अमन 12 वर्ष बहादुरपुर स्थित निजी विद्यालय में पढ़ते है। प्रतिदिन की तरह गुरुवार को दोपहर विधयालय की छुट्टी होने के बाद 12.30 पर दोनों भाई-बहन अपने साइकिल से विद्यालय से घर जा रहे थे।

लगभग एक किलोमीटर आगे आने के बाद पीछे से बाइक सवार दो अज्ञात लोग बच्चो के साइकिल के पीछे पीछे आने लगे और सुनसान स्थान पर लड़की को पीछे से मुंह में कुछ सुधाने का प्रयास किया। पर छात्रा के मुंह पर मास्क होने के कारन बदमाश कामयाब नहीं हो पाए। लेकिन एक बदमाश ने छात्रा के मुंह से मास्क हटाने का प्रयास किया। इस दौरान आगे चल रहे छात्रा के भाई ने जब यह देखा तो शोर मचाने लगा। इस बीच दोनों बदमाश बाइक से वापस बहादुरपुर मार्ग से पड़ाव की ओर भाग निकले। पीड़ित ने इसकी सूचना जालीपुर पुलिस चौकी पर लिखित रूप में दी और कार्यवाई की मांग की है। इस संबंध में मुगलसराय कोतवाल विजय बहादुर सिंह ने प्रार्थना पत्र के आधार पर घटनास्थल व पीड़ित के घर पहुंच कर निरीक्षण किया और पूछताछ कर अग्रिम कार्यवाई में जुट गए।

लूर्दस कॉनवेंट बालिका इंटर कॉलेज में ग्रैंड पैरेन्ट्स दिवस का आयोजन

गाजीपुर। लूर्दस कॉनवेन्ट बालिका इंटर कॉलेज गाजीपुर में ग्रैंड पैरेंट्स दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या सि. अल्फोन्सा, सि. मर्सिया एवं ग्रैण्ट पैरेन्ट्स रामू सिंह यादव तथा तेरस कुशवाहा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। बच्चों द्वारा अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी के सम्मान में मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। अध्यापक ज्ञान चन्द भारती एवं अध्यापिका अंकिता तिवारी द्वारा उनके सम्मान में संबोधन किया गया। ग्रैण्ट पैरेन्ट्स रामू सिंह यादव, हरिनयन गुप्ता तथा लाल मोहन की तरफ से द्वारा बच्चों को आशीर्वचन के रूप में सम्बोधित किया गया तथा आगे भी इस प्रकार के आयोजन होते रहने की आवश्यकता को रेखांकित किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी दादा-दादी, नानी-नानी प्रसन्नचित, आह्लादित और सम्मानित महसूस कर रहे थे।



निमार्णाधीन क्रिटिकल केयर यूनिट एवं जिला अस्पताल का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

मरीजों को समस्त सुविधा उपलब्ध कराएं: डीएम

- प्रशासन की मंशानुरूप जिला अस्पताल में मरीजों को सुविधाएं कराएं उपलब्ध

केटी न्यूज / मऊ



जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने जिला चिकित्सालय परिसर के अंदर निमार्णाधीन क्रिटिकल केयर यूनिट एवं जिला अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को चिकित्सालय परिसर में विशेष साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां पर भर्ती मरीजों का भी हाल-चाल जाना एवं अस्पताल द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कुपोषित बच्चों के लिए निर्धारित एनआरसी यूनिट का भी निरीक्षण किया। एन आर सी में सैम बच्चों को एडमिट कर इलाज किया जाता है। एनआरसी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को पर्याप्त बेड की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा किसी भी से बच्चे को वापस न भेजने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को शासन द्वारा जारी दिशा निदेर्शों के अनुरूप जिला चिकित्सालय में मरीजों को समस्त सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। शासन की मंशानुरूप मरीजों की सुविधा न मिलने पर एवं ऐसे किसी भी प्रकरण के संज्ञान में आने पर उन्होंने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।निमार्णाधीन क्रिटिकल केयर यूनिट के निरीक्षण के दौरान कार्यों में तेजी लाने के निर्देश जिला अधिकारी द्वारा दिए गए। उन्होंने आवश्यकता अनुसार मजदूरों की संख्या बढ़ाने को भी कहा, जिससे निश्चित समय सीमा के अंदर क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण कार्य पूर्ण हो सके। उन्होंने पूरे निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने मोहम्मदाबाद गोहाना कोतवाली का किया औचक निरीक्षण

मऊ। शुक्रवार रात्रि लगभग 10:30 बजे पुलिस अधीक्षक इलमारन ने मोहम्मदाबाद गोहाना कोतवाली का अचानक निरीक्षण किया। अचानक पुलिस अधीक्षक के पहुंचते ही जहां पुलिसकर्मी परेशान हो गए वहीं उन्होंने सबसे पहले बीट बुक रजिस्टर, सीसीटीएनएस कक्ष, समस्त उप निरीक्षक की विवेचना, कार्यालय महिला हेल्प डेस्क कार्यवाही रजिस्टर ,समाधान दिवस रजिस्टर ,गैंगस्टर तथा वांछित अपराधियों की सूची एवं गंभीर अपराधों हेतु बनाए गए रजिस्टर नंबर 8 का अवलोकन किया।

सुभाषितम्

जीवन का उस दिन अंत होना शुरू हो जाता है जिस दिन हम चुप रहना शुरू कर देते हैं जो मायने रखते है - मार्टिन लूथर

सभी राज्यों से उभरे भाजपा नेताओं के बगावती स्वर

2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद, भारतीय जनता पार्टी के सभी राज्यों से असंतोष और बगावत के स्वर सुनने को मिलने लगे हैं, लोकसभा के चुनाव में भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ। 2019 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 303 सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी। 2024 में भाजपा ने 370 पार का नारा लगाया था। लेकिन जब परिणाम आया, तो भारतीय जनता पार्टी 240 में सिमट कर रह गई। उसके बाद से ही देश के विभिन्न राज्यों से भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के विरोध में असंतोष और बगावत के स्वर उभरने लगे। किसी तरह से एनडीए गठबंधन की सरकार केंद्र में बन गई है। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन गए। उन्होंने अपने सभी विश्वस्त सहयोगियों को वही पद दिए जो उनके पास पूर्व में थे। इसके बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कामकाज को लेकर सभी राज्यों में भाजपा नेताओं के असंतोष और बगावती स्वर दिनों दिन मुखर होते जा रहे हैं। रही-सही कसर संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयानो से भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को चुनौती मिलने लगी है। भाजपा नेताओं के हौसले इतने बढ़ गए हैं, वह प्रधानमंत्री की नीति के खिलाफ ही खुलकर बोलने लगे है। हाल ही में पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेन्दु अधिकारी ने सबका-साथ सबका-विकास, नारे के स्थान पर खुद का नया नारा बुलंद कर दिया। जिसमें कहा गया जो हमारे-साथ, हम उसके-साथ, यह कहकर उन्होंने एक तरह से नरेंद्र मोदी का कद कम करने की कोशिश की है। पश्चिम बंगाल में पसमांदा मुसलमानों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने जो हाथ बढ़ाया था। उसकी कोई सफलता प. बंगाल में नहीं मिलने से, मुसलमानों को लेकर जो रणनीति भाजपा ने बनाई थी। उसका भी बड़े पैमाने पर विरोध हो रहा है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय नेताओं के बीच असंतोष का स्वर बड़ा मुखर हो गया है। राज्य कार्य समिति की बैठक में योगी आदित्यनाथ का यह कहना कि अति आत्मविश्वास के कारण भाजपा का पतन हुआ है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक ने खुलेआम योगी के खिलाफ कार्य समिति और उसके बाद मोर्चा खोले हुए हैं। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम कुमार धूमल ने भी केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ खुलकर अपनी आवाज मुखर की है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार के बीच खटपट की खबरें लगातार बाहर आ रही हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा को भी पार्टी के अंदर से असंतोष का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा विधायकों द्वारा उन्हें सीधी चुनौती दी जा रही है। भाजपा शासित राज्यों से भी संगठन में बैठे नेताओं द्वारा जिस तरह से असंतोष व्यक्त किया जा रहा है। उससे ऐसा लगता है, 2012-13 में जो कांग्रेस की स्थिति थी। वही स्थिति अब भारतीय जनता पार्टी में भी 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद बनने लगी हैं। केंद्रीय बजट ने आग में घी डालने का काम किया है। केंद्र की सरकार को बचाए रखने के लिए बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष पैकेज दिए गए हैं। इसमें भाजपा शासित राज्यों की उपेक्षा किए जाने से डबल इंजिन की राज्यों में भाजपा के खिलाफ नाराजी का माहौल बन गया है। जिस तरह से सभी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के बीच में आपसी खटपट बढती चली जा रही है। उसको देखते हुए यह कहा जा सकता है, 2013 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का भाजपा संगठन और सरकार में जो प्रभाव था। दोनों ही नेताओं को सभी राज्यों से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। भारतीय जनता पार्टी का अनुशासन भी कहीं देखने को नहीं मिल रहा है। ऐसी स्थिति में भाजपा हर दिन कमजोर होती नजर आ रही है। इस स्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी संगठन की चिंताएं स्वाभाविक रूप से बढ़ गई हैं।

चिंतन-मनन

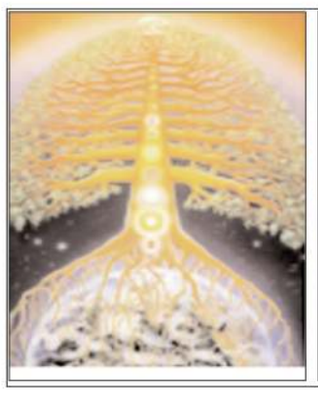
सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते हो: प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं! झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है।

ब्रह्माकुमारी जिन्हें ब्रह्माबाबा में श्रीकृष्ण की अनुभूति हुई!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन





राजयोगिनी मनमोहिनी दीदी की ईश्वरीय सेवाओ का ही फल ही कि उनके नाम पर राजस्थान के आबू रोड में एक भव्य व दिव्य मनमोहिनी परिसर बना हुआ है।जिसमे पांच हजार से अधिक भाई बहनों के ठहरने की व्यवस्था के साथ ही अत्याधुनिक तकनीक से बना गॉडली वुड स्टुडियो है।रूद्र ज्ञान यज्ञ के शुरूआती वर्षों सन 1936-37 में ही मनमोहिनी दीदी ओम मंडली से जुड़ गई थी,जिसे अब ब्रह्माकुमारीज या फिर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नाम से जाना जाता है। मनमोहिनी दीदी का लौकिक नाम गोपी था। उनका जन्म सन 1915 में सिंध, हैदराबाद अविभाजित भारत मे हुआ था।उनकी माता विदुषी रुक्मणी आध्यात्मिक सोच एवं संस्कारवान महिला थी।ओम मंडली के संस्थापक दादा लेखराज जो बाद में ब्रह्मा बाबा के रूप में प्रसिद्ध हुए, के साथ दीदी मनमोहिनी के लौकिक परिवार से पारिवारिक संबंध रहा।

दीदी मनमोहिनी एक धनाढ्य परिवार से थी,उनका विवाह भी ऐसे ही एक साहूकार परिवार में किया गया। एक दिन दीदी मनमोहिनी की माँ जो ओम मंडली के सत्संग से जुडी थी,के माध्यम से दादा लेखराज ने दीदी मनमोहिनी को भी सत्संग के लिए बुलवा लिया।मनमोहिनी दीदी को पहली बार में ही दादा लेखराज यानि ब्रह्माबाबा को देख एक अजीब सा रूहानी आकर्षण हुआ। उनको ब्रह्मा बाबा में श्री कृष्ण का आभास हो रहा था। मनमोहिनी दीदी के शब्दों में, मैं जैसे पल भर के लिए स्वर्ग में पहुँच गयी। मुझे कृष्ण बहुत आकर्षित कर रहा था। उस दिन बाबा ने सत्संग में भगवद की गोपियों की बात की , कैसे वो एक के प्यार में मगन थी, तो मुझे अंदर से लगा की यह गोपी और कोई नहीं केवल में ही हूँ। मनमोहिनी दीदी इस ज्ञान यज्ञ के प्रति समर्पित थी, उनके जीवन में बालकपन और मालिकपन का बैलेंस सभी ने देखा है। जो यथार्थ बात होती वह मालिक बन सबके सामने रखती थीं, लेकिन अगर सबकी एकमत नहीं होती तो बालक बन तुरंत उसे भूल जाती थी। कभी व्यर्थ की बहस में समय नहीं गंवाती थी। मनमोहिनी दीदी बालक बनकर ब्रह्माबाबा की अंगुली पकड़कर ज्ञानयज्ञ के हर विभाग का चक्कर लगाती रहती। बाबा उन्हें कहते थे, अभी आपने बाबा की अंगुली पकड़ी है, भविष्य में श्रीकृष्ण आपकी उंगली पकड़कर चलेगा।इस बात का नशा बनाए रखना।मनमोहिनी दीदी गुणमूर्त बनकर सभी के गुण देखती थीं। उनका कहना था कि... विशेष आत्मा बन, विशेषता को ही देखो और विशेषता का ही वर्णन करो।उन्ही के शब्दों में,मैं विशेष आत्मा हूं, शिव परमात्मा की प्यारी संतान हूं --- सदा मोती चुनने वाली होली हंस हूं ---मैं सदा सबकी विशेषताएँ ही देखती हूं और उनका ही वर्णन करती हूं-- इससे मेरी विशेषता भी बढ़ जाती है और उस आत्मा को भी प्रेरणा मिलती है।दीदी कहती थीं कि अगर हम किसी की कमजोरी मन में रखेंगे तो वो हमारी कमजोरी बन जायेगी...इसलिए हम किसी की कमजोरी देखे ही क्यों?... मैं आत्मा तो सर्व की विशेषता देखने वाली विशेष आत्मा हूँ... जब मैं आत्मा किसी की विशेषता देखती हूँ... तो वो मेरी भी विशेषता बन जाती हैं... और उस आत्मा को भी मुझ से पॉजिटिव एनर्जी मिलती हैं... और उनकी विशेषता और अधिक वृद्धि को पाती हैं। मनमोहिनी दीदी का कहना था कि सदा अपने श्रेष्ठ स्वमान मे रहो... मैं गुणमूर्त आत्मा हूँ... सम्बन्ध-सम्पर्क में आने वाली हर आत्मा के गुण और विशेषता ही देखो... उनकी विशेषताओं का ही वर्णन करो... मैं परमात्मा समान आत्मा... मास्टर प्रेम का सागर हूँ... हर आत्मा प्रति कल्याण की भावना लिए हुये... हर आत्मा की विशेषताओं को उजागर कर... उनका उमंग-उत्साह बढ़ाने वाली आत्मा।वे कहा करती थी कि सदा सोचो कि मैं सर्व की स्नेही आत्मा बन गई हूँ... समाने की शक्ति द्वारा... सर्व की कमी कमजोरियों का विनाश कर... उनके गुणों और विशेषताओं को देख उन्हें आगे बढ़ाने की निमित्त आत्मा हूँ... सभी के पुरुषार्थ को तीव्र करने वाली बाप समान आत्मा हूँ। वे कहा करती थी कि कई लोग सिर्फ दिखावे के लिए पूजा करते हैं, लेकिन ब्रह्मा बाबा की भक्ति सच्ची और गहरी थी। उनकी भक्ति भावना, उदारता, उदारता और सहृदयता देखकर हर कोई उनकी ओर खिंचा चला आता था। बहुत अमीर होने के बावजूद भी हम अपने सांसारिक जीवन में बहुत दुखी थे।मनमोहिनी बताती थी कि उनके घर में सभी सुख-सुविधाएँ थीं और वे निरंतर दान-पुण्य में लगे रहते थे। गीता और भागवत बहुत प्रिय थे। भागवत में गोपियों की कहानी बहुत पसंद थी। उन्हें रोज भागवत में दी गई कहानिया पढ़ने की आदत थी। उन्होंने खुद को आंतरिक रूप से एक गोपी के रूप में देखा। नाम भी गोपी था।जब वे कृष्ण की गोपियों के साथ दैवीय क्रीड़ाओं के बारे में पढ़ती थी, तो मेरे मन में प्रेम के आँसू आ जाते थे। मनमोहिनी दीदी जब पहली बार ब्रह्माबाबा से मिलने गई तो ब्रह्मा बाबा एक छोटे से कमरे में हाथ में गीता ग्रंथ लेकर बैठे थे और आध्यात्मिक प्रवचन यानि सत्संग कर रहे थे। उन्हें उनके प्रति एक विशेष आकर्षण का अनुभव हुआ।

उन्होंने ब्रह्मा बाबा के माथे के बीच में एक घूमता हुआ प्रकाश चक्र देखा। बाद में ब्रह्माबाबा ने ओम की ध्वनि का जाप शुरू कर दिया और दीदी उस जाप के प्रेम में खो गई। मनमोहिनी दीदी को ज्योति चक्र प्रकाश को देखकर अनुभव हुआ कि ब्रह्माबाबा ही श्री कृष्ण हैं।

सत्संग पूरा होने के बाद उन्होंने ब्रह्माबाबा से कहा कि उनके मन में एक प्रश्न है। बाबा ने पूछा, कैसा प्रश्न? उन्होंने कहा, स्त्री का कोई गुरु नहीं हो सकता क्या? बाबा ने उत्तर दिया, मैंने यह नहीं कहा कि तुम्हें कोई गुरु रखना होगा। ब्रह्माबाबा ने एक कागज और एक पेंसिल ली, सूक्ष्मलोक, मृत्युलोक और ब्रह्मलोक का चित्र बनाया और उन्हें समझाया। दीदी को अनुभव हो रहा था कि बाबा कृष्ण जैसे थे। वे ब्रह्मा बाबा की बात सुनती थी और उनके हृदय में दृढ़ विश्वास हो गया था कि वे वही गोपी है, जिसका वर्णन भागवत में मिलता है और सच मे वे जीवनपर्यंत शिव परमात्मा की गोपी बनकर शिव परमात्मा का मन मोहती रही,इसी कारण मनमोहिनी कहलाई।

सरकार की उपलब्धि : हाल से मंडप तक

- राकेश अचल



`तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी को लगातार परेशान कर रहे विपक्ष को सरकार के बजट पर न सही लेकिन राष्ट्रपति भवन के दो पुराने सभागारों के नाम बदलने के लिए संसद में एक राय होकर बधाई देना चाहिए । राष्ट्रपति भवन का दरबार हाल अब गणतंत्र मंडप और अशोका हाल अब अशोक मंडप कहलायेगा। सरकार के इस फैसले से गणतंत्र भी खुश और चक्रवर्ती सम्राट अशोक भी खुश हो गए होंगे, इसलिए विपक्ष को भी खुश होना चाहिए। देश और दुनिया लगातार देख रही है कि विपक्ष देश की अठारहवीं संसद में सरकार को चैन की सांस नहीं लेने दे रहा है। बेचारे संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजजू से लेकर लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम बिरला ही नहीं बल्कि राज्य सभा के सभापति माननीय जयदीप धनकड़ भी परेशान हैं। उनकी समझ में नहीं आ रहा कि वे विपक्ष को कौन सी मुगलई घुट्टी 555 लेकर पिलायें जिससे विपक्ष खुश नजर आये और सवाल पूछना छोड़कर देश के सीतारामी बजट पर चर्चा करे। आखिर देश की जनता सांसदों को सवाल करने और बहस-मुबाहिसे के लिए ही तो भेजती है। सांसदों को मेजें थपथपाने के लिए तो नहीं चुना जाता। हमारी सरकार के खाते में तमाम नाकामियों के बावजूद तमाम उपलब्धियां भी हैं। आप बढ़ती हुई बेरोजगारी, मंहगाई और भ्रष्टाचार के साथ राजनीति के समानांतर बजट में भी अदावत के इस्तेमाल को यदि सरकार की उपलब्धि नहीं मानते तो ये आपकी तंगदिली है। हमारी सरकार ने पिछले एक दशक में जो किया वो पिछली सरकारें साठ साल में नहीं कर पायीं। भले ही पिछली सरकारें कांग्रेस की हों या भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधनों की। सरकार ने देश का परिदृश्य बदला हो या न बदला हो लेकिन कानूनों ,शहरों,स्टेशनों ,सड़कों,संस्थानों ,पाठ्यक्रमों और इमारतों के ही नहीं बल्कि अब तो राष्ट्रपति भवन के कक्षों के नाम तक बदलकर दिखा दिए। ये कोई छोटी - मोटी उपलब्धि है ? सरकार लगातार देश को उसकी खोई हुई,छीनी हुई संस्कृति और वैभव वापस कर रही है। देश की तकदीर बदलने में अरबों-खरबों मुद्रा की जरूरत पड़ती है । इसके लिए विदेशों से ,विदेशी बैंकों से कर्ज लेना पड़ता है। इस वजह से विकास पर कम ब्याज पर ज्यादा खर्च करना पड़ता है। लेकिन नाम बदलने पर फूटी कौड़ी भी खर्च नहीं होती और काम हो जाता है। अलाहबाद प्रयाग हो जाता है ,फैजाबाद अयोध्या हो जाती है ,हबीबगंज रानी कमलापति रेलवे स्टेशन हो जाता है ,मुगलसराय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन हो जाता है। आप का पता नहीं लेकिन मै तो अपनी सरकार की इन उपलब्धियों पर लट्टू हूँ। मुझे भी सरकार की तरह विपक्ष की बालक बुद्धि पर तरस आता है कि वो कहाँ नीट और किसानों के मुद्दे पर बहस करने की मांग करती है। उसे किसानों से क्या लेना ? नीट से क्या लेना ? अरे जब देश की सबसे बड़ी अदालतें तक नीट के मामले में सरकार के साथ हैं,किसानों को दिल्ली में प्रवेश न करने देने के मामले में सरकार के साथ हैं ,तो विपक्ष को साथ देने में क्या ऐतराज है ? देश ये राज जानना चाहता है। क्या सरकार को परेशान करने के पीछे कोई विदेशी हाथ तो नहीं ? क्योंकि जिन देशी हाथों को सरकार के लिए परेशानी खड़ी करना चाहिए थी वे तो बैशाखी बनकर उसकी मदद कर रहे हैं। साम्प्रदायिकता के मुखर विरोधी जेडीयू और टीडीपी की भूमिका बदली हुई है। देश में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दस मोदी के नेतृत्व में भाजपा,जेडीयू और टीडीपी की सरकार बने कोई दो महीना होने को है। इन दो महीने में प्रधानमंत्री जी कम से कम तीन विदेश यात्राएं कर आये। उनकी सरकार ने देश के लिए सातवीं मर्तबा सीतारामी बजट संसद में पेश कर दिया। प्रधान जी ने अपनी मातृ संस्था आरएसएस के कहने के बावजूद मणिपुर को लेकर अपना नजरिया नहीं बदला । अहंकार नहीं त्यागा। बदले में संघ की इमदाद के लिए केंद्रीय कर्मचारियों को संघ की शाखाओं में जाने पर लगी 58 साल पुरानी रोक जरूर लगा दी अब आप ही बताइये की 48 दिन पुरानी सरकार देश के लिए ,देश की जनता के लिए और क्या कर सकती है ? जो काम आपातकाल के बाद बनी सरकार नहीं कर पायी ,महामना अटल बिहारी बाजपेयी तीन बार प्रधानमंत्री बनकर नहीं कर पाए ,वो काम माननीय मोदी जी ने करके दिखा दिया। देश के अड़ियल विपक्ष को देश की जनता देख रही हो या न देख रही हो किन्तु ऊपर वाला जरूर देख रहा है । एक धर्मभीरु सरकार को इस तरह परेशान करना बिलकुल अच्छी बात नहीं है । सरकार ने अपने नए बजट में जनता के लिए ही नहीं ऊपर वालों के लिए भी पर्याप्त बजट प्रावधान किये है। देश में स्कूलों ,अस्पतालों ,सड़कों ,पुलों की कमी भले बनी रहे किन्तु तीन नए धार्मिक कॉरिडोर जरूर बनाये जाने के लिए बजट प्रावधान किया गया है। सरकार इस बार अयोध्या हारी ,बद्रीनाथ हारी लेकिन उसने भगवान के बजट में कोई कटौती नहीं की । विपक्ष को भी ऐसी ही दरियादिली का मुजाहिरा करना चाहिए। विपक्ष को कम से कम इतना तो ध्यान रखना चाहिए कि सास को भी काम करने के लिए सौ [100] दिन दिए जाते हैं ,फिर सरकार के तो अभी 48 दिन ही हुए हैं। विपक्ष चाहे तो सौ दिन बाद तीन राज्यों की तीन विधानसभाओं के समय सरकार से दो-दो हाथ कर ले । अभी तो बजट पर बहस करे। आखिर विपक्ष देश की सियासत में नफरत का मुकाबला मोहब्बत से करना चाहता है। जनता को तो विपक्ष के प्यार बांटते चलो अभियान से राहत मिल चुकी है। अब बारी सरकार की है। विपक्ष अब संसद में तकरार से नहीं बल्कि मोहब्बत से काम ले। मुमकिन है कि सरकार भी थोड़ी रहमदिली दिखाए ,अन्यथा देश की संसद को थोक में सांसदों के निलंबन का तजुर्बा है ही।

पशुधन क्षेत्र में किसानों की अच्छी आय

- संजय गोस्वामी

किसानों की आय में पशुधन क्षेत्र का सभी उप-क्षेत्रों में अधिकतम योगदान है। भारत ने पिछले कई वर्षों से दुनिया में अग्रणी दूध उत्पादन करने वाले देश की स्थिति को वार्षिक दूध उत्पादन में सतत वृद्धि के साथ बनाए रखा है, जिसमें शोध-विकास कार्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वैज्ञानिक शोध से ही प्रेसिजन या टिकाऊ पशुधन खेती का विकास किया गया है, जो इस श्रोत को किस प्रकार सतत विकास के मार्ग पर लाना व बाजार के संकेतों को समझते हुए पशुधन प्रबंधन के तरीकों को सुझाती है। ई-पशुधन हाट पोर्टल सरकार द्वारा उठाया गया एक ऐसा कदम है जो किसानों और स्वदेशी नस्ल के प्रजनकों को जोड़ने का कार्य कर रही है। इसके माध्यम से स्वेदेशी नस्लों के संरक्षण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी मिलेगा। पशुधन में टेक्नोलॉजी के साथ-साथ कुछ जमीनी कमियां है जिनको भी दूर करना अत्यधिक आवश्यक है, जैसे कि कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ कुप्रथाओं का प्रचालन (उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ गलत करना., रोग का सही समय व सही तरीके से उपचार न कराना, और कोई प्रमाणिक एवं संगठित बाजार का ना होना, इत्यादि। कृषि विज्ञान और पशुपालन3.3. मत्स्यपालन क्षेत्रआईसीएआर ने सालाना बीज उत्पादन के लिए भारतीय प्रमुख कार्प्स (बड़ी मछली) के कई प्रजनन के लिए समर्थन बढ़ाया है। चुनिंदा प्रजनन के माध्यम से आठ पीढ़ियों के बाद प्रति पीढ़ी 17% उच्च वृद्धि प्राप्ति के साथ शोधित रोहू (जयंती जयंती रोहू मछली) के साथ गहन कार्प संस्कृति और 10-15 टन/हेक्टेयर के उत्पादन स्तर के साथ संबंधित प्रौद्योगिकियों को विकसित किया गया है। इनके अलावा, प्रजनन, बीज उत्पादन और महत्वपूर्ण तकनीक के लिए प्रजनन, बीज उत्पादन और संस्कृति प्रौद्योगिकी जैसे कि मिल्कफिश (चैनोस चैनोस., मोतीस्पॉट (एट्रोप्लस सूरतेंसिस), एशियाई समुद्री डाकू (लेट्स कैलकारिफर), कोबिया (रैचिसेंट्रॉन कैनाडम) और सिल्वर पोम्पानो (ट्रेचिनोटस ब्लोचि) इत्यादि मछली की प्रजाति विकसित की गईं हैं।3.4 एकीकृत खेती प्रणाली एकीकृत कृषि प्रणाली (आईएफएस. संसाधनों के विकास, प्रबंधन और आवंटन के साथ-साथ निर्णय और गतिविधियों, एक परिचालन फार्म इकाई के भीतर, या इकाइयों के संयोजन का एक संपूर्ण परिसर है, जिसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन, प्रसंस्करण और उत्पादों का विपणन होता है। आईएफएस एक संपूर्ण कृषि प्रबंधन दृष्टिकोण है जो कि विविध और स्वस्थ वातावरण की पारिस्थितिकीय देखभाल को कृषि की आर्थिक मांगों के साथ जोड़ता है ताकि वह अच्छी और सस्ती भोजन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित कर सके। आईएफएस को टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए खेत के भीतर फसलों, पशुधन, मत्स्य पालन, पेड़ों आदि जैसी विभिन्न प्रकृति के दो या दो से अधिक घटकों के सकारात्मक बातचीत के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। सामान्य रूप से, एकीकृत कृषि प्रणाली इन्ही दृष्टिकोण पर आधारित होता है।

आज का राशिफल

मेष दिन लाभ से भरा होगा, लेकिन साथ ही काम को लेकर काफी चुनौतियों का भी सामना भी करना पड़ेगा।

वृषभ आज दिन बेहद भाग्यशाली रहेगा और आपके सभी कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण होंगे।

मिथुन भाग्य का साथ मिलेगा और काफी समय से रुका कोई कार्य पूर्ण होने से आपको खुशी होगी।

कर्क अच्छे कार्य में आपकी आपको लाभ देगा। संतान पक्ष के विवाह में आ रही अड़चनें समाप्त होंगी।

सिंह हर कार्य में भाग्य का साथ मिलेगा। ऑफिस में लोग आपके खिलाफ कोई साजिश कर सकते हैं।

कन्या भाग्य आपका साथ देगा। कहीं से रुका पैसा मिलने से दूसरी योजनाएं आरंभ हो सकती हैं।

तुला आज लाभ होगा और आपका दिन सफलता से भरा होगा। मेहनत से काम करने पर लाभ होगा।

वृश्चिक करियर के मामले में दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहेगा। आप कोई भी फैसला बिना सोचे न करें।

धनु आपकी ऑफिस में अधिकारियों से अनबन हो सकती है। क्रोध पर नियंत्रण बनाये रखें।

मकर ऑफिस में आपको अच्छे लोगों का साथ मिलने से मन में काफी प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ आज दिन कर्मफल की सिद्धि से भरा होगा। आपको रुका धन मिलने के योग हैं।

मीन आज करियर में तरक्की के योग हैं और आपके लिए धन प्राप्ति के शुभ योग बन रहे हैं।

विशेष

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की मोदी को चेतावनी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेतावनी देते हुए कहा है, यदि आपने पक्षपात की नीति को बंद नहीं किया, तो आप बिल्कुल अलग-अलग पड़ जाएंगे। स्टालिन ने चेतावनी देते हुए यह सलाह भी दे दी कि विपक्ष से बदला लेने की नीति को छोड़ दें। डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने भी कहा, जिन्होंने उन्हें या भाजपा को वोट नहीं दिए हैं। उनके भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। जो पार्टी मोदी को समर्थन दे रही हैं। उन्हीं का वह समर्थन कर रहे हैं,जो गलत है । तमिलनाडु को नजर अंदाज करने पर दोनों नेताओं ने स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेतावनी दी है। को प्रधानमंत्री किस तरह से लेते हैं। इसका बाद में पता चलेगा।

काम चलाउ बजट

केंद्र सरकार ने जो बजट पेश किया है। वह 6 महीने का है। 6 महीने के बाद पुनः वार्षिक बजट पेश होना है। लोकसभा चुनाव के पहले 6 माह का अंतरिम बजट पेश हुआ था। इस काम चलाउ बजट में मोदी सरकार, महाराष्ट्र और हरियाणा का ध्यान नहीं रख पाई। कुछ महीने बाद वहां चुनाव होना है। समय की बलिहारी है, केंद्र सरकार को आंध्र और बिहार का समर्थन चाहिए था। उनकी मांगों को केंद्रीय बजट में पूरा करना था। जिसके कारण उन्हें दो राज्य दांव पर लगाने पड़े। हरियाणा और महाराष्ट्र के एनडीए नेता कह रहे हैं। केंद्र सरकार ने उनके साथ अन्याय किया है। विधानसभा चुनाव के परिणामों को लेकर एनडीए के सहयोगी दलों में चिंता की लकीरें देखने को मिल रही हैं।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1540: इंग्लैंड नरेश हेनरी अष्टम ने कैथरीन हावर्ड से विवाह किया. 1794: फ्रांस के क्रांतिकारी नेता मैक्सी मिलिएन रावसपियरे को चार सहयोगियों के साथ मौत के घाट उतार दिया. 1824: पेरू ने स्पेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की. 1858: अंगुलियों के निशान का उपयोग पहचान के लिए भारत में पहली बार किया गया. 1868: अमरीका के अश्वेतों को नागरिकता का अधिकार देने का संविधान संशोधन पारित हुआ. 1914: आस्ट्रिया हंगरी ने सर्बिया पर हमला किया. 1974: प्रथम विश्व युद्ध का प्रारंभ हुआ. 1945: अमेरिकी थलसैनिक बी-25 विमान एम्पायर स्टेट बिल्डिंग, न्यूयार्क से 'टकराया १४ लोगों की मृत्यु हुई. 1968: जर्मन भौतिक विज्ञानी ओटोहान का निधन हुआ. 1973: अमरीका ने स्काईलैब-2 को तीन यात्रियों के साथ अंतरिक्ष में भेजा जो 59 दिन बाद धरती पर लौटे.

दैनिक पंचांग

28 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.58 बजे से
चंद्र	मेष में	कन्या	09.10 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.20 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	13.35 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	15.51 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	17.56 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	19.43 बजे से
राहु	मीन में	मीन	21.15 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	22.46 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	वृष	00.26 बजे से
		मिथुन	02.24 बजे से
		कर्क	04.38 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 210 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) पक्ष कृष्ण
तिथि अष्टमी 19.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 11.48 बजे को समाप्त।
योग शूल 20.11 बजे को समाप्त।
करण बालव 08.22 बजे तदनन्तर कौलव 19.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 55'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872054
जूलियन दिन 2460519.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445 महीना मोहर्रम
तारीख 21 विशेष विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस, विश्व हेपेटाइटिस दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore



टेक्सटाइल के सभी सबसेक्टर्स में करियर संभावनाएं

आज भी कृषि के बाद लोगों को सबसे ज्यादा रोजगार टेक्सटाइल फील्ड में मिला हुआ है। देशवासियों की बढ़ती क्रय शक्ति तथा ब्रांडेड प्रोडक्ट के प्रति बढ़ता आकर्षण इस बात का संकेत है कि टेक्सटाइल एंड गारमेंट इंडस्ट्री में आगे भी तेजी बनी रहेगी। बीते एक दशक में रिटेल सेक्टर के विकास ने भी साबित कर दिखाया है कि उपभोक्ताओं की लाइफस्टाइल और शॉपिंग ट्रैंड्स बदल गए हैं। लोग फैशन और क्वॉलिटी प्रोडक्ट को ज्यादा तरजीह देने लगे हैं। ब्रांडेड प्रोडक्ट्स और एक्सपोर्ट की डिमांड बढ़ने से इस सेक्टर को विकास करने का मौका मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 तक भारतीय टेक्सटाइल बाजार करीब दोगुना हो जाएगा। यही कारण है कि युवाओं के लिए टेक्सटाइल के सभी सबसेक्टर्स - टेक्सटाइल्स एंड अपेरल, हैंडीक्राफ्ट, सोफिस्टिकेटेड मिल, हैंडलूम, जूट और सेरिकल्चर में काम की संभावनाएं तेजी से बढ़ेंगी। इसके अलावा, सरकार द्वारा इंडिया हैंडलूम प्रमोशन जैसी योजना शुरू किए जाने और इस सेक्टर में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से भी इस क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर रोजगार में लगातार इजाफा होता रहेगा।

काम के अवसर

देश में गारमेंट, फैशन, ज्वेलरी, लगेज, एक्सेसरी, होम फर्निशिंग व इंटीरियर टेक्सटाइल का बाजार दिनो-दिन बढ़ रहा है, जहां टेक्सटाइल डिजाइनर्स के लिए ढेर सारे नए अवसर मौजूद हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स की विदेश के अलावा गारमेंट मैन्युफैक्ट्रिंग कंपनियों, फैशन डिजाइनिंग एजेंसियों, एक्सपोर्ट हाउस और टेक्सटाइल रिटेल जैसी फील्ड में काफी मांग है। सरकार की मदद से चल रही खादी, जूट, सिल्क और क्राफ्ट जैसी संस्थाओं में भी डिजाइनिंग प्रोफेशनल्स के लिए अच्छे अवसर हैं। ऑटोमोटव टेक्सटाइल्स, ऑटोमोबाइल सेक्टर का एक नया उभरता क्षेत्र है, जहां मोटर निर्माण कंपनियां अपनी कारों के इंटीरियर को अपीलिंग लुक देने के लिए ऐसे डिजाइनर्स की खूब सेवाएं ले रही हैं। इसके अलावा, अगर आप टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट हैं, तो एग्रीकल्चर फील्ड में रेशम उत्पादन और कपास उत्पादन को बढ़ाने के लिए रिसर्चर की भूमिका अदा कर सकते हैं। युवा चाहें, तो डिजाइनिंग का काम पार्ट-टाइम कर सकते हैं। आप अपना खुद का बुटीक भी खोल सकते हैं। ई-कॉमर्स कंपनियों में भी क्रिएटिव लोगों को हायर किया जाता है। आप चाहें, तो ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए वेंडर भी बन सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

टेक्सटाइल डिजाइनिंग में डिग्री, डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के रूप में कई कोर्स आजकल संचालित हो रहे हैं। ये कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं। ग्रेजुएशन के बाद आप पीजी डिप्लोमा भी कर सकते हैं। अगर चाहें, तो टेक्सटाइल इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक कोर्स भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली



दूरसंचार उद्योग में कॅरियर

भारतीय मोबाइल अर्थव्यवस्था विशिष्ट रूप से तीव्र गति से विकासशील है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसके महत्वपूर्ण योगदान करने की संभावना है। बोस्टन कंन्सल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, भारत विश्व में चौथी सबसे बड़ी ऐप अर्थव्यवस्था है। आपने देखा होगा कि ऐप किस तरह ऐप संचार, खरीददारी के हमारे तरीके में बदलाव ला रहे हैं। माइक्रोसॉफ्ट रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 तक भारत, विश्व के 4.7 बिलियन इंटरनेट प्रयोक्ताओं में से 700 मिलियन प्रयोक्ताओं वाले अग्रणी देश के रूप में उभरकर सामने आएगा।

दूरसंचार क्षेत्र के विकास का श्रेय हमारी सरकार की उदार एवं प्रोत्साहनशील नीतियों और उद्योग समूहों को जाता है, जिन्होंने इस क्षेत्र में निवेश को वरीयता दी। दूरसंचार उद्योग में तकनीकी एवं प्रबंधकीय दोनों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं।

नेटवर्क प्रबंधन - बेस स्टेशन सेवा, कोर नेटवर्क, क्षेत्रगत रखरखाव, ट्रांसमिशन, ऑप्टिकल फाइबर, ब्रॉडबैंड संस्थापन, नेटवर्क सुरक्षा आदि।

अनुप्रयोग विकास - मोबाइल एप्लीकेशन्स/गेम्स/ऐप डेवलपर, हैंडसेट सॉफ्टवेयर डेवलपर, ऐम्बैडेड हार्डवेयर डेवलपर, नेटवर्क सॉफ्टवेयर डेवलपर आदि।

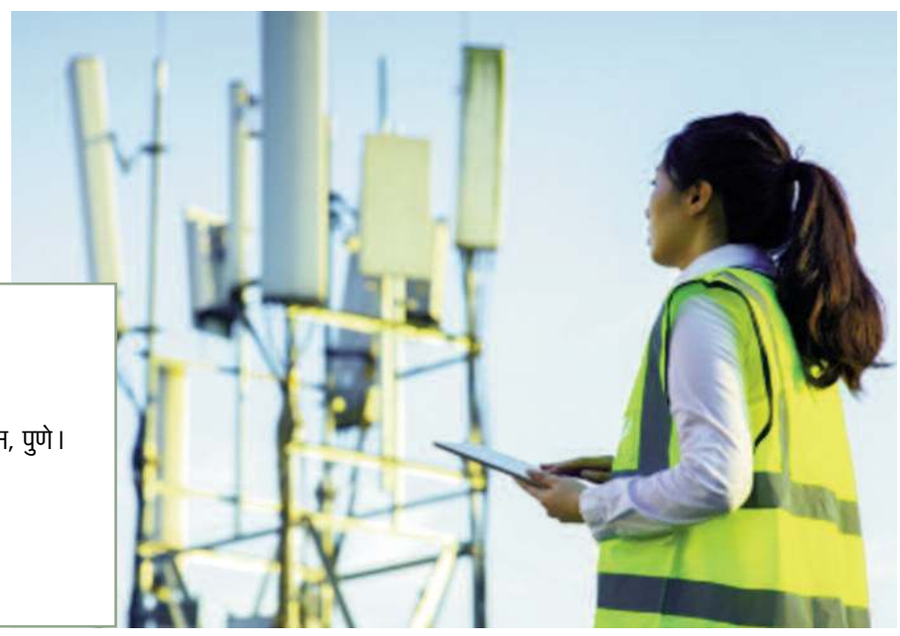
बैकग्राउण्ड/पैसिव अवसंरचना - प्रयोक्ताओं का ऐसी अवसंरचनाओं से सीधा संबंध नहीं होता किंतु दूरसंचार सेवाएं उपलब्ध कराने में यह महत्वपूर्ण होती हैं। इनमें ट्रांसमिशन टावर, रेडियो फ्रिक्वेंसी आदि शामिल होती हैं।

तकनीकी सेवा समर्थन- इन कार्यों में स्थल पर तथा स्थल से बाहर समर्थन देना और दोषनिवारण शामिल हैं।

उक्त सेवाओं का ध्यान रखने के लिए दूरसंचार कंपनियों को ऐसे कुशल तकनीशियनों की आवश्यकता होती है जिनकी तकनीकी विशेषज्ञता किसी नियमित डिग्री या योग्यता से अधिक महत्व रखती है। उच्च दायित्वों के लिए कंपनियों को ऐसे स्नातक इंजीनियरों की आवश्यकता होती है जो यांत्रिक, वैद्युत या दूरसंचार इंजीनियरी में प्रशिक्षित होते हैं। यांत्रिक तथा वैद्युत इंजीनियरी पाठ्यक्रम बहुत पहले से उपलब्ध हैं। दूरसंचार इंजीनियरी पाठ्यक्रम, आवश्यकता उत्पन्न होने और दूरसंचार की प्रौद्योगिकी का विकास होने पर बाद में प्रारंभ किए गए। अधिकांश इंजीनियरी संस्थानों में दूरसंचार इंजीनियरी इलेक्ट्रॉनिकी के एक युग्मक के साथ पढ़ाई जाती है, तथापि, ऐसे संस्थान भी हैं जो दूरसंचार इंजीनियरी को विशेष डिग्री के रूप में पढ़ाते हैं। इन दोनों पाठ्यक्रमों की करवेज के बीच बहुत भिन्नता नहीं है और उम्मीदवार पाठ्यक्रम की गुणवत्ता के आश्वासन तथा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और/या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) जैसे विनियामक निकायों द्वारा मान्यता के आधार पर इनमें से कोई भी पाठ्यक्रम चुन सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिकी एवं दूरसंचार इंजीनियरी में दूरसंचार उपस्करों और नेटवर्क की डिजाइनिंग से संबंधित विभिन्न सिद्धांतों और व्यावहारिक पहलुओं का अध्ययन निहित होता है। इलेक्ट्रॉनिक एवं दूरसंचार इंजीनियर एकीकृत सरकिट घटकों, आदि के प्रोटोटाइप का विकास करते हैं। पाठ्यक्रम में सेमिकंडक्टर उपस्कर, नेटवर्क सिद्धांत, सिग्नल्स तथा सिस्टम्स डिजिटल लॉजिक, एनालॉग सर्किट्स की डिजाइनिंग, एंटेना और प्रोपेगेशन, राडार एवं रेडियो नेवीगेशन साधन, संचार प्रणालियां और तकनीकें, इलेक्ट्रोमैग्नेटिज्म, ट्रांसमिशन तकनीकें आदि विषय शामिल किए जाते हैं। पाठ्यक्रम की अवधि 4 वर्ष है और उम्मीदवारों को बी.ई.,बी.टेक या बीएससी (इंजीनियरी) डिग्री प्रदान की जा सकती है। इंजीनियरी में कोई स्नातक पाठयक्रम 10+2 के बाद किया जा सकता है। विभिन्न पॉलिटेकनीकों द्वारा चलाए जा रहे तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना दूरसंचार इंजीनियरी अध्ययन का एक अन्य विकल्प है, जिसके लिए उम्मीदवार एसएससी उत्तीर्ण होने चाहिएं। ये पॉलिटेक्नीक सामान्यत- राज्य सरकारों द्वारा स्थापित किए जाते हैं। इनमें पाठ्यक्रम शुल्क कम होता है। डिप्लोमा करने के बाद आपको दो विकल्प होते हैं। या तो आप कार्य कर सकते हैं या स्नातक इंजीनियरी पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में प्रवेश ले सकते हैं जिसके लिए कुछ इंजीनियरी कॉलेजों में कोटा प्रदान किया जाता है।

दूरसंचार में इंजीनियरी योग्यता पूरी करने के बाद दूरसंचार प्रबंधन में विशेषज्ञता वाला एमबीए पाठ्यक्रम करना दूरसंचार उद्योग में संकेंद्रित कॅरिअर बनाने का एक माध्यम है। बड़ी दूरसंचार कंपनियां एंट्री लेवल के इंजीनियरी एवं प्रबंधकीय पदों की अपनी आवश्यकता को पूरा करने के लिए अधिकांशत- कैम्पस प्लेसमेंट पर निर्भर होते हैं।



प्रमुख संस्थान

- एमआईटी दूरसंचार प्रबंधन स्कूल, पुणे।
- एमिटी दूरसंचार प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, पुणे।
- अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे।
- सिम्बियोसिस दूरसंचार प्रबंधन संस्थान, पुणे।
- क्षेत्रीय प्रबंधन कॉलेज, भुवनेश्वर, उड़ीसा।
- बालाजी दूरसंचार एवं प्रबंधन संस्थान, पुणे।



समाज-कार्य में करियर के आयाम

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएँ मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो बल्कि संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएँ, जैसे यूनीसेफ, यूएनडीपी, वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड, रेडक्रॉस, लायंस क्लब,क्राई तो हर साल भारतीय एक्सपर्ट की तलाश में बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करते हैं। कई संस्थाओं में निदेशक, उपनिदेशक, प्रोग्राम ऑफिसर, टीम लीडर जैसे पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र हैं, जिसमें छात्रों को को-ऑर्डिनेटर, सर्वे ऑफिसर एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिसर जैसे पदों पर काम करने का मौका मिलता है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने का मौका मिलता है।

समाज कार्य का अर्थ लोगों को उनकी प्रतिदिन की सामाजिक समस्याओं का हल खोजने में मदद करना है। वर्तमान में समाज कार्य की अवधारणा में व्यापक परिवर्तन आया है। यह कार्य केवल दया या परोपकार की भावना से ही नहीं जुड़ा है बल्कि रोजगार के रूप में भी युवाओं को बहुत आकर्षित कर रहा है। जिन छात्रों की रुचि कॅरियर के साथ-साथ समाजसेवा भी है। अक्सर लोग समाजशास्त्र एवं समाज-कार्य को एक ही समझ लेते हैं। हालाँकि समाज-कार्य का अधिकांश ज्ञान समाजशास्त्रीय सिद्धांतों से लिया गया है, लेकिन समाजशास्त्र जहाँ मानव-समाज और मानव-संबंधों के सैद्धांतिक पक्ष का अध्ययन करता है, वहीं समाज-कार्य इन संबंधों में आने वाले अंतरों एवं सामाजिक परिवर्तन के कारणों की खोज क्षेत्रीय स्तर पर करने के साथ-साथ व्यक्ति के मनोसामाजिक पक्ष का भी अध्ययन करता है। समाज-कार्य करने वाले का आचरण विद्वान की तरह न होकर समस्याओं में पेशेवर के ज़रिये व्यक्तियों, परिवारों, छोटे समूहों या समुदायों के साथ संबंध स्थापित करने की तरफ़ उन्मुख होता है।

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएँ मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो बल्कि संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएँ, जैसे यूनीसेफ, यूएनडीपी, वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड, रेडक्रॉस, लायंस क्लब,क्राई तो हर साल भारतीय एक्सपर्ट की तलाश में बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करते हैं। कई संस्थाओं में निदेशक, उपनिदेशक, प्रोग्राम ऑफिसर, टीम लीडर जैसे पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र हैं, जिसमें छात्रों को को-ऑर्डिनेटर, सर्वे ऑफिसर एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिसर जैसे पदों पर काम करने का मौका मिलता है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने का मौका मिलता है।

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए देश में कई संस्थानों में पूर्णकालिक एवं अंशकालिक कोर्स की व्यवस्था है। इसमें मास्टर डिग्री, पीजी डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स, तीन तरह के पाठ्यक्रम हैं। मास्टर डिग्री के लिए छात्र की योग्यता किसी संकाय में स्नातक होना अनिवार्य है, जबकि एकवर्षीय पीजी डिप्लोमा के लिए भी योग्यता इसी के समकक्ष होनी चाहिए। सर्टिफिकेट कोर्स के लिए छात्र का बारहवीं पास होने के साथ इस क्षेत्र में अनुभव होना आवश्यक है। कई संस्थान समाज कार्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु भर्ती परीक्षा का भी आयोजन करते हैं।

सामाजिक कार्य क्षेत्र में आप निजी और सरकारी कंपनियों में कार्मिक अधिकारी समुदाय संगठनकर्ता या समन्वयक, सामाजिक कार्यकर्ता आदि पदों पर भी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इसके जरिए आप सामाजिक कार्य के प्रति समर्पित भी हो सकते हैं। व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए आपको मानव संसाधन प्रबंधन, अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन, चिकित्सक और मनोचिकित्सक, सामाजिक कार्य, परिवार और बाल कल्याण, ग्रामीण और शहरी सामुदायिक विकास और स्कूल सामाजिक कार्य जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि उत्तीर्ण करना आवश्यक है।



मूर्तिकला में गढ़ें सुनहरा भविष्य

अपने घरों में सजावट के लिए ही सही, लोगों में मूर्तियों के प्रति मोह बढ़ रहा है, जिसने विभिन्न तरह की मूर्तियों की मांग में काफी इजाफा किया है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक, पिछले 20 वर्षों में मूर्तियां बनाने वालों की संख्या लगभग 15 गुना बढ़ी है। इनमें पारंपरिक रूप से मूर्ति बनाने का काम करने वाले करीब पांच प्रतिशत हैं, वहीं इस क्षेत्र में डिग्री लेने वालों की संख्या लाखों में है। ऐसे युवाओं के लिए मूर्तिकला स्वरोजगार का अच्छा जरिया बन सकती है।

बदलते परिवेश में घर, दफ्तर, होटल, पार्क सभी जगह यह कला सजावट का एक बेहतरीन माध्यम होकर उभर रही है। यह कला त्रिआयामी होती है। इसलिए इसके माध्यम से किसी भी समस्या को बेहतर तरीके से प्रकट किया जा सकता है। कलाकार अपनी कला और मेहनत के बल पर अच्छी-खासी कमाई कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इस कला का बीता समय जितना पुराना और खूबसूरत रहा है, उतना ही बढ़िया भविष्य भी इसमें है। देश में तो इस कला की मांग बढ़ी ही है इसके अलावा विदेशों में भी इसकी अच्छी-खासी मांग है। एक-एक मूर्ति एक लाख रुपए से लेकर करोड़ों रुपए तक में बिकती है।

कोर्स

मूर्तिकला के क्षेत्र में स्नातक स्तर से कोर्सेज कराए जाते हैं। इनमें यूनिवर्सिटी ग्रान्ट कमीशन द्वारा स्नातक स्तर पर चार वर्षीय कोर्स बीवीए का होता है और स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय कोर्स एमवीए का होता है। ऐसे ही आल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन यानी एआईसीटीई द्वारा स्नातक स्तर पर चार वर्ष में बीएफए और स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्ष में एमएफए की डिग्री हासिल की जा सकती है। एमवीए और एमएफए के बाद अगर आप चाहें तो पीएचडी भी कर सकते हैं।

योग्यता

स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए तो आपका कम से कम बारहवीं पास होना जरूरी है, जबकि स्नातकोत्तर करने के लिए बीवीए या बीएफए होना जरूरी होता है।

प्रवेश

स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा देनी होती है, जो कहीं-कहीं केवल लिखित होती है और कहीं-कहीं लिखित और मौखिक, दोनों रूपों में ली जाती है। इन परीक्षाओं द्वारा मूर्तिकला में आपकी रुचि, धातुओं, पत्थरों और मिट्टी की जानकारी आदि के अलावा आपकी कलात्मक क्षमता और उसके विकास की संभावनाओं का पता लगाया जाता है।

फीस

कॉलेजों में करीब पांच हजार से लेकर 20 हजार तक में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के लिए आठ हजार से लेकर 25-26 हजार तक वार्षिक फीस ली जाती है। कुछ प्राइवेट संस्थान भी प्रशिक्षण देते हैं, जिनमें 10 से लेकर एक लाख रुपए तक फीस वसूली जाती है।

संभावनाएं

एक नया कलाकार जिसे कला की ठीक-ठाक समझ है वह शुरूआत में कम से कम 15 से 20 हजार रुपए महीने तक आसानी से कमा सकता है। अधिकतम की तो कोई सीमा ही नहीं है। दरअसल पर्यटन के लिहाज से भारत लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है। विदेशी पर्यटकों को लुभाने के लिए होटलों व लॉज में भारतीय कला का प्रयोग बढ़-चढ़कर हो रहा है। ऐसे में बिल्डर्स मूर्तिकारों की मदद लेते हैं। फव्वारे, दीवारों और सीलिंग पर नक्काशी करवाने के लिए ठेके पर इन्हें रखा जाता है। इनके हुनर के मुताबिक इनकी कमाई लाखों में होती है।कई बिल्डर तो स्थाई तौर पर अपने यहां इनकी नियुक्ति भी करते हैं। बुद्ध, गणेश, फीमेल फीगर व सामाजिक समस्याओं को दशार्ते मॉडल लोगों को बेहद पसंद हैं। ऐसे कलाकार जो पारंपरिक कला को नया लिबास या यूं कहें कि ग्लैमर लुक देने में माहिर हैं, उनके लिए यह क्षेत्र कॅरियर का एक बेहतर विकल्प है। भारतीय मूर्तिकारों में देसी और विदेशी ग्राहकों की बढ़ती दिलचस्पी से भी इनके काम को बढ़ावा मिला है। बहुत से निर्यातक मूर्तिकारों की कलाकृतियों को विदेश भेजकर कमाई करते हैं, जिसमें से एक बड़ा हिस्सा मूर्तिकारों को भी दिया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी की तरह विभिन्न राज्यों में 12 नए औद्योगिक शहर बनेंगे, विनिर्माण व रोजगार को मिलेगा बढ़ावा



नईदिल्ली, एजेंसी। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया, ऐसे दो औद्योगिक शहर आंध्र प्रदेश और एक बिहार में विकसित किए जा रहे हैं।वहीं, आठ औद्योगिक शहर पहले से ही कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जबकि बजट में 12 नए औद्योगिक शहरों की घोषणा की गई है।इससे देश में इन शहरों की संख्या बढ़कर 20 हो जाएगी।

आठ शहर पहले से ही विकास चरण में

सचिव ने कहा, आठऔद्योगिक शहरों में से गुजरात के धोलेरा, महाराष्ट्र के ऑरिक, मध्य प्रदेश के विक्रम उद्योगपुरी और आंध्र प्रदेश के कृष्णापत्तनम में इनकी बसावट के लिए बुनियादी ढांचा विकसित किया जा चुका है। भूखंड आवंटन का काम चल रहा है। चार अन्य शहरों में भी सड़क संपर्क, पानी व बिजली आपूर्ति जैसे बुनियादी ढांचे के निर्माण की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

कैबिनेट से करेंगे संपर्क

सिंह ने कहा, इन शहरों के लिए योजनाएं तैयार हैं और जमीन राज्य सरकारों के पास है। हमें बस इसके लिए गठित विशेष उद्देश्य वाली इकाइयों (एसपीवी) को इक्विटी मंजूरी देनी है। डीपीआईआईटी नए शहरों के लिए कैबिनेट से संपर्क करेगा। फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को कहा, भारत का चुनाव बाद का बजट इस बात की पुष्टि करता है कि सरकार राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। गठबंधन में शामिल दलों की मांग के बावजूद नई सरकार राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर टिकी हुई है। फिच ने कहा, हमारा मानना है कि यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, क्योंकि 2024-25 में सरकार का अनुमान बाजार मूल्य पर जीडीपी वृद्धि 10.5 फीसदी रहने का है, जो हमारे मौजूदा पूर्वानुमान से थोड़ा कम है।

भारत में 1.40 लाख से अधिक स्टार्टअप्स ; सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में, उत्तर प्रदेश गुजरात से आगे



नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 1.4 लाख से अधिक हो गई है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में यह जानकारी दी। मंत्री की ओर से शुक्रवार को सदन में दिए गए लिखित जवाब के अनुसार, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या से पता चला है कि महाराष्ट्र 25,044 पंजीकृत स्टार्टअप के साथ सूची में सबसे ऊपर है। कर्नाटक 15,019 पंजीकृत स्टार्टअप के साथ दूसरे स्थान पर है, इसके बाद दिल्ली 14,734 स्टार्टअप के साथ है। उत्तर प्रदेश ने 13,299 स्टार्टअप के साथ चौथा स्थान हासिल किया है, जबकि गुजरात 11,436 स्टार्टअप के साथ पांचवें स्थान पर है। मंत्री ने यह भी बताया कि सरकार ने देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने और समर्थन देने के लिए विभिन्न प्रयास किए हैं।

बजट में आई नई योजना, ब्लैक मनी को व्हाइट मनी में करें कन्वर्ट....

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में कालेधन को सफेद करने के लिए मोदी सरकार ने बजट में एक नई योजना पेश की है। इस योजना के मुताबिक, यदि आपके पास छापेमारी में पकड़े जाने की स्थिति में अघोषित धन है तो आप इस पर सरकार को 60 प्रतिशत टैक्स देकर इस ब्लैक मनी को व्हाइट मनी में कन्वर्ट कर सकते है। गौरतलब है कि देश में आयकर की अधिकतम दर 30 प्रतिशत है लेकिन यदि आपके पास काला धन पकड़ा जाता है तो आपको न सिर्फ पकड़े गए धन के ऊपर बनता टैक्स देना पड़ेगा बल्कि इसके अलावा जुर्माना भी देना होगा। इसके साथ ही कई मामलों में काले धन के आरोपियो को जेल की भी सजा हो जाती है लेकिन सरकार ने इस नई योजना के तहत यदि आप अपनी छुपाई गई इनकम पर सरकार को 60 फीसदी टैक्स दे देते है तो आपका मामला पहली ही सुनवाई में खत्म हो जाएगा। इस पर आपको कोई जुर्माना भी नहीं देना पड़ेगा। बजट में की गई इस घोषणा के बाद केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को उम्मीद है कि देश में बहुत सारे लोग इस नई योजना का फायदा उठाएंगा क्योंकि आयकर विभाग द्वारा की जाने वाली छापेमारी में पकड़े जाने वाले धन को लेकर लंबी कानूनी कार्रवाई चलती है जिसके कारण काला धन रखने वाले लोगों के अलावा सरकार के अफसरों का भी समय खराब होता है।

सीबीडीटी के चेयरमेन रवि अग्रवाल ने कहा कि आम तौर आयकर विभाग द्वारा तलाशी ली जाने के बाद अघोषित आय के साक्ष्यों की जांच करते है।



इसके बाद नोटिस भेजने का सिलसिला शुरू होता है और सालों तक सुनवाई चलती रहती है। अब नई योजना में यदि करदाता इनकम टैक्स के अधिकारियों द्वारा किए गए विश्लेषण को मान लेता है तो इस मामले में एक की ही सुनवाई होगी और 60 प्रतिशत टैक्स देने पर मामला खत्म भी हो जाएगा। लेकिन करदाता आकलन से ज्यादा आघोषित आय स्वीकार करता है तो अतिरिक्त रकम पर 50 फीसदी जुर्माना लगाया जा सकता है मगर अब नई योजना में पिछले 6 सालों के मामलों का एक ही बार में निपटारा हो जाएगा।

नई योजना का मुख्य उद्देश्य

नई योजना का मुख्य उद्देश्य तलाशी के आकलन को अंतरिम रूप देना है। तलाशी की जांच में तालमेल करना और इसके तहत होने वाली कार्रवाईयों को खत्म करना है। पिछले 6 साल के एक ब्लॉक से संबंधित कुल आय पर आयकर कानून की धारा 113 में बताई गई दरों के हिसाब से टैक्स वसूला जाएगा और पिछले वर्षों की आय को ध्यान में नहीं रखा जाएगा।

एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट की बढ़ी मुश्किलें, सेबी ने पुराने मामले को फिर से खोला

नईदिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड कंपनी एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बाजार नियामक सेबी ने न सिर्फ एक पुराने मामले को फिर से खोल दिया है, बल्कि इसके साथ ही कंपनी पर 5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

सेबी ने पुराने केस को फिर से खोला

पहले भी इस मामले में एक आदेश जारी किया जा चुका था लेकिन सेबी अब मानती है कि पुराने आदेश में एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के हक को बहाल करने का निर्णय त्रुटिपूर्ण था। नियामक ने उस आदेश की गलती को सुधारने के लिए मामले को दोबारा खोला है और कंपनी पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। सेबी का यह एक्शन एचएसबीसी समूह द्वारा एलएंडटी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के अधिग्रहण से संबंधित है। एचएसबीसी ने पिछले साल मई में एलएंडटी एसेट मैनेजमेंट कंपनी का अधिग्रहण किया था और अक्टूबर 2023 में इसे अपनी एसेट मैनेजमेंट कंपनी एचएसबीसी एएमसी के साथ मर्ज कर दिया था। वर्तमान नियमों के अनुसार, एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को निवेश निर्णयों से जुड़े सभी रिकॉर्ड को बनाए रखना होता है, जिसमें निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार डेटा, तथ्य और राय शामिल होते हैं। एचएसबीसी एएमसी के एलएंडटी एएमसी के अधिग्रहण के मामले में इसी प्रावधान से जुड़ी गड़बड़ियां पाई गई हैं।

पिछले साल समाप्त हुआ था मामला

सेबी ने इस मामले में 6 नवंबर 2023 को नया शो कॉज नोटिस जारी किया था। इससे पहले, 23 अगस्त 2023 को सेबी ने एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के खिलाफ मामला समाप्त करते हुए कहा था कि आरोप साबित नहीं हुए थे। हालांकि, अब उस आदेश को पलट दिया गया है और कंपनी पर जुर्माना लगाया गया है।

बनास डेयरी के बायो सीएनजी प्लांट पहुंचे सुजुकी के चेयरमेन तोशिहिरो

स्वच्छ ईंधन के प्रयोग पर यह बोले



नईदिल्ली, एजेंसी। जापानी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के चेयरमैन और सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने शुक्रवार को बनासकांठा के बनास डेयरी स्थित बायो सीएनजी प्लांट का दौरा किया। पिछले साल, जापान की सुजुकी और बनास डेयरी ने एनडीडीबी (राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड) के सहयोग से एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किया था और 5 नए बायो-सीएनजी संयंत्र शुरू किए थे। बनास डेयरी के भ्रमण के दौरान जापानी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के चेयरमैन और सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने कहा, भारत के साथ हमारे संबंध बहुत पुराने हैं। मारुति सुजूकी भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी है। हम निकट भविष्य में वाहनों में ईंधन के रूप में बायो-सीएनजी का उपयोग चाहते हैं ताकि यह पर्यावरण को प्रभावित न करे। यह एक बहुत अच्छी पहल है।

सरकार ने चुपके से महंगी कर दी लग्जरी कारें...

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्तमंत्री निर्मला सीतामरण ने बजट 2024-25 में लग्जरी कारों की किमतें चुपके से बढ़ा दी है। अब कोई भी व्यक्ति 10 लाख से उपर की कार या कोई अन्य सामान खरीदता हो तो इस पर 1 फीसदी की दर से टीसीएस लगाया जाएगा। मतलब साफ है देश में मर्सिडीज-बीएमडब्लू जैसी गाड़ियां खरीदने वाले लोगों को अब 50 लाख की गाड़ी के पीछे 50 हज़ार ज्यादा अदा करने पड़ेंगे। हालांकि यदि कोई व्यक्ति आयकरदाता है तो वह अपने अगले साल की इनकम टैक्स रिटर्न में सरकार द्वारा वसूली गई इस रकम का रिफंड हासिल कर सकता है।



सीबीडीटी चेयरमेन रवि अगरिवाल ने एक अंग्रेजी अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा है कि इस टैक्स को लगाने का मकसद देश में हो रही हर तरह की लग्जरी खरीददारी पर नज़र रखना है इससे सरकार को यह अंदाजा हो जाएगा कि लोग अपना पैसा कहां खर्च कर रहे है? यदि यह पैसा आपकी अपनी मेहनत की कमाई का है और आपने अपना पैसा आयकर रिटर्नन देने के बाद बचाया है तो आप अगली रिट्रेन में टीसीएस सरकार से वापिस ले सकते है। लेकिन यदि आपके पास इस पैसे को कोई हिसाब नहीं है तो सरकार को न सिर्फ इससे कमाई हो जाएगी ब्लकि ऐसे लोगों के बारे में भी पता लगेगा कि जिनके पास बेहिसाब का पैसा है। इसके अलावा इस टैक्स का मकसद देश में हो रही लग्जरी समान की सारी खरीद को टैक्स के दायरे मे लाना भी है। दरअसल, देश में कई ऐसे धन-कूबेर है जो लग्जरी चीज़ों की खरीद तो करता है लेकिन कैश में खरीद होने के कारण इन पर सरकार को पूरा लज्गरी टैक्स नहीं देता। इस नए नियम के जरिए सरकार ने इस देश में लग्जरी सामान बेचने वालों को भी टीसीएस काटने के लिए इसमें बाध्य कर दिया है। इससे सरकार का रेवेन्यू बढ़ेगा।

रिलायंस-टाटा को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में कुमार मंगलम बिड़ला, तैयार है 5,000 करोड़ का प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी। कुमार मंगलम बिड़ला की अगुवाई वाला आदित्य बिड़ला ग्रुप पेंट के बाद अब जूलरी मार्केट में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। ग्रुप ने शुक्रवार को अपने जूलरी ब्रांड इन्द्रिय लॉन्च किया। इसमें ग्रुप का मुख्य मुकाबला टाटा ग्रुप के तनिष्क और रिलायंस के रिलायंस ज्वेल्स से है। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने इस साल की शुरुआत में पेंट बिजनस में एंट्री मारी थी और वह सीमेंट बिजनस में अडानी ग्रुप को कड़ी टक्कर दे रहा है। साथ ही वह अपनी टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया में भी नई जान फूंकने के लिए आक्रामक रुख अपना रहा है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के रिटेल ब्रांडेड जूलरी बिजनस में उतरने से टाटा के जूलरी ब्रांड तनिष्क को कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। तनिष्क ने अपना पहला शोरूम 1996 में चेन्नई में खोला था।

65 अरब डॉलर के आदित्य बिड़ला ग्रुप का मुख्य जोर मेटल, सीमेंट और कपड़ा बिजनस पर रहा है। लेकिन अब वह कंज्यूमर बिजनस में तेजी से अपना



विस्तार कर रही है। ग्रुप के कुल रेवेन्यू का करीब 20 फीसदी हिस्सा इसी बिजनस से आता है। ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने इंद्रिया ब्रांड को लॉन्च करते हुए कहा कि अगले पांच साल में हमारे रेवेन्यू में कंज्यूमर बिजनस का हिस्सा बढ़ाकर 25त्न से अधिक बढ़कर लगभग 25 अरब डॉलर पहुंच जाएगा। यह देश के अधिकांश अग्रणी स्टैंडअलोन कंज्यूमर बिजनसेज से बड़ा होगा। उन्होंने कहा कि हमारे कई बिजनस क्रांतिकारी बदलाव के लिए तैयार हैं जबकि नए वेंचर की प्रगति अच्छी है। हम न केवल साइज को बढ़ा रहे हैं बल्कि अपने दायरे को भी डाइवर्सिफाई कर रहे हैं। साथ ही हम अपने पुराने बिजनेसेज की ताकत को अपने नए उद्यमों की ताजा ऊर्जा के साथ मिलाकर एक यूनीक ग्रोथ प्लेटफॉर्म तैयार कर रहे हैं। आदित्य बिड़ला ग्रुप की जूलरी बिजनस में लगभग 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है। उसे उम्मीद है कि ब्रांड वैल्यू और रिटेल एक्सपीरिएंस के दम पर वह टॉप तीन में जगन बना सकता है।

इंद्रिया के पहले चार स्टोर शनिवार को दिल्ली, जयपुर और इंदौर में खुलेंगे। अगले छह महीनों में 10 से अधिक शहरों में प्रवेश करने की योजना है। देश में अभी जूलरी मार्केट 6.7 लाख करोड़ रुपये का है जिसके 2030 तक 11 से 13 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। इसमें 60त्न से अधिक अब भी असंगठित है। यही वजह है कि आदित्य बिड़ला ग्रुप इस सेगमेंट में बड़ा दांव खेलने जा रहा है। हालांकि बिड़ला से स्वीकार किया कि यह काम आसान नहीं है क्योंकि देश के सबसे ब्रांड के पास अब भी महज 6-7त्न हिस्सेदारी है। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने हाल के वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसका मार्केट कैप 100 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका है।

इस साल बिक जाएगा यह सरकारी बैंक

आरबीआई ने शॉर्ट लिस्ट किए गए बिडर्स, सरकार कर रही जांच-परख

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में रणनीतिक तौर पर सरकारी हिस्सेदारी बेचकर पैसा जुटाना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही अहम यह भी है कि ये कंपनियां शेयरधारकों के लिए वेल्थ क्रिएट करें। डिसइनवेस्टमेंट से लेकर स्ट्रैटेजिक सेल तक, अब तमाम चीजों को पब्लिक असेट मैनेजमेंट के एक बड़े दायरे में देखा जा रहा है आइडीबीआइ बैंक में सरकारी हिस्सेदारी बेचने के मामले में आरबीआई शॉर्ट लिस्ट किए गए बिडर्स की जांच-परख कर रहा है और इस साल यह बिक्री पूरी हो जाने की उम्मीद है, जिसके बाद बैंक प्राइवेट हाथों में चला जाएगा। आम बजट के बाद हक्क्ष को दिए गए विशेष साक्षात्कार में डिपार्टमेंट ऑफ इनवेस्टमेंट एंड पब्लिक असेट मैनेजमेंट के सेक्रेटरी तुहिन कांत पांडेय ने ये बातें कहीं।

डिसइनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी

इस बार के बजट में सरकार ने अलग से डिसइनवेस्टमेंट टारगेट नहीं रखा। इसे असेट मॉनेटाइजेशन के साथ मिलाकर अन्य प्राप्तियों के मद में डाल दिया गया है और कुल 50000 करोड़ रुपये का अनुमान दिया गया। क्या कुछ खास वजहों से विनिवेश शब्द से पोज किया जा रहा है, इस सवाल के जवाब में कहा. अगर हम केवल संसाधन जुटाने की नजर से सरकारी कंपनियों को देखेंगे तो इस बात से ध्यान हट सकता है कि उनके लिए क्या अच्छा हो सकता है।

रक्षाबंधन पर हवाई सफर करना पड़ेगा जेब पर भारी, टिकटों के दाम में हुई वृद्धि

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल रक्षाबंधन पर हवाई सफर करना आपके बजट पर भारी पड़ सकता है क्योंकि टिकटों के दाम 46 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। रक्षा बंधन 19 अगस्त को है लेकिन इससे पहले 15 अगस्त को भी छुट्टी है और इसके बाद शुक्रवार, शनिवार, रविवार का सप्ताहांत आएगा। लगातार लंबी छुट्टी के कारण हवाई यात्रियों की संख्या में अचानक वृद्धि हो गई है, जिससे इकॉनमी क्लासका किराया काफी ऊंचा हो गया है।

द्ब×द्बद्दश के आंकड़ों के अनुसार, 14 से 20 अगस्त के बीच बेंगलूरु-कोच्चि मार्ग पर औसत किराया 3,446 रुपए तक पहुंच गया है, जो पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 46.3 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, बेंगलूरु-मुंबई मार्ग पर हवाई किराया बढ़कर 3,969 रुपए हो गया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 37.6 प्रतिशत अधिक है।



कई विमान नहीं भर पा रहे उड़ान

विमानन उद्योग के सूत्रों ने बताया कि इंजन से संबंधित समस्याएं, आपूर्ति में अड़चनें और वित्तीय कठिनाइयों के कारण कई विमान उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने शुक्रवार को कहा कि उसके बेड़े में शामिल 383 विमानों में से लगभग 70 विमानों की उड़ानें फिलहाल स्थगित हैं। इस कारण उड़ानों की संख्या में वृद्धि नहीं हो पा रही है, जिससे प्रमुख मार्गों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। उदाहरण के लिए, इस साल अगस्त में हर हफ्ते बेंगलूरु से कोच्चि के बीच उड़ानों की संख्या पिछले साल के समान ही है।

इस कारण बढ़ा किराया

विमानन उद्योग पर नजर रखने वाली कंपनी सिरियम के अनुसार, बेंगलूरु और मुंबई के बीच उड़ानों की संख्या इस अगस्त में पिछले साल के मुकाबले 4.8 प्रतिशत कम होकर 472 रह गई है। विमानन उद्योग पर शोध करने वाले और नेटवर्क थॉट्स के संस्थापक अमेय जोशी ने बताया कि लंबा सप्ताहांत और छुट्टियों की अधिकता के कारण हवाई किराया बढ़ गया है। इस साल स्वतंत्रता दिवस से लेकर रक्षा बंधन तक की छुट्टियों के कारण देसी विमानन कंपनियों ने उड़ानों की संख्या बढ़ाने में असमर्थता जताई है, जिससे कुछ प्रमुख मार्गों पर किराया अचानक बढ़ गया है। सिरियम के अनुसार, दिल्ली और पुणे के बीच हफ्ते में 160 उड़ानें आ-जा रही हैं, जो पिछले साल के अगस्त से नहीं बढ़ी हैं। इस साल 14 से 20 अगस्त के बीच दिल्ली-पुणे मार्ग पर हवाई किराया 5,257 रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले साल की समान अवधि से 22.6 प्रतिशत अधिक है।

सबसे अधिक वेतन पाने वाले भारतीय सीईओ बने सी विजयकुमार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में मिलते हैं 84.16 करोड़ रुपये

नईदिल्ली, एजेंसी। एचसीएल टेक के सीईओ सी विजयकुमार सबसे अधिक वेतन पाने वाले भारतीय सीईओ बन गए हैं। 22 जुलाई को जारी कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 के लिए विजयकुमार का पारिश्रमिक लगभग 84.16 करोड़ रुपये रहा, इसमें सालाना आधार पर 190.75 प्रतिशत की वृद्धि है।

कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार विजयकुमार को लगभग 1.96 मिलियन डॉलर (16.39 करोड़ रुपये) का बेसिक वेतन, 1.14 मिलियन डॉलर (9.53 करोड़ रुपये) का प्रदर्शन-लाइन बोनस, वहीं दीर्घकालिक प्रोत्साहन (एलटीआई) नकद घटक मद में लगभग 2.36 मिलियन डॉलर (19.74 करोड़ रुपये) का भुगतान किया गया था। इसके अलावा, एलटीआई आरएसयू (प्रतिबंधित स्टॉक इकाइयों) मद में 4.56 मिलियन (38.15 करोड़ रुपये) का अनुलाभ मूल्य और शेष 0.04 मिलियन का भुगतान लाभ, अनुलाभ और भत्ते के रूप में दिया गया। यह कुल 10.06 मिलियन है। रिपोर्ट के अनुसार, विजयकुमार का पारिश्रमिक एचसीएलटेक के कर्मचारियों के औसत वेतन का 707.46 गुना रहा।

शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में, सी विजयकुमार ने खुलासा किया कि कंपनी का कुल राजस्व निरंतर मुद्रा में 13.7त्न वर्ष बढ़ गया है, सेवा व्यवसाय में 15.8त्न वर्ष की वृद्धि दर्ज की गई है।



उन्होंने कहा, हमारा राजस्व 100,000 करोड़ मील का पत्थर पार कर गया और हमारा कर्मचारी आधार 225,000 अंक (25,000+ प्रवेश स्तर के कर्मचारियों के सेवन सहित) तक पहुंच गया, जबकि हमारे सेवा पोर्टफोलियो में डिजिटल, इंजीनियरिंग, क्लाउड, एआई और सॉफ्टवेयर शामिल हैं, हमारे रणनीतिक गठजोड़ के साथ, सभी समान वजन में पंच किए गए। हमारे कार्यस्थल भी विकसित हो रहे हैं। हम वर्चुअल-फर्स्ट, हाइब्रिड वर्कप्लेस मॉडल में विश्वास करना जारी रखते हैं, जिसमें कर्मचारियों के लिए ऑफिस स्पेस का उपयोग करने और आवश्यकतानुसार रिमोट वर्किंग का लाभ उठाने के लिए लचीलापन है। हमारा दृष्टिकोण संतुलित और मापा गया है, जिसका नेतृत्व हमारे लोगों और ग्राहकों के साथ सक्रिय संवादों द्वारा किया गया है ताकि राइट-टाइम-एंडराइट-प्लेस मॉडल विकसित किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

नीति आयोग की बैठक से सीएम हेमंत सोरेन ने बनाई दूरी, मीटिंग में नहीं होंगे शामिल



रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज यानी 27 जुलाई को नीति आयोग की नौवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक है। नीति आयोग की इस महत्वपूर्ण बैठक में कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हो रहे हैं। वहीं, आइएनडीआइए के अधिकांश घटक दलों व विपक्षी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस बैठक का बहिष्कार किया है और इस बैठक से दूरी बनाई है। इसमें झारखंड सरकार को मुख्यमंत्रि हेमंत सोरेन का नाम भी शामिल है। सीएम हेमंत सोरेन भी इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। हालांकि, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंच चुकी हैं। वहीं एनडीए के सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अभी तक अपनी बैठक में शामिल होने पुष्टि नहीं हो पाई है।

गिरिडीह में नाराज पिता ने अपनी 40 वर्षीय बेटी की कर दी हत्या

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह के देवरी थाना क्षेत्र में एक नाराज पिता ने अपनी चालीस वर्षीय बेटी की धारदार हथियार से काटकर उसकी हत्या कर दी. शव उसके घर के दरवाजे पर शनिवार सुबह बरामद हुआ है. घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है.जानकारी के मुताबिक गिरिडीह के महेशियादिघी गांव का रहने वाला पिता प्रभु सिंह ने शुक्रवार रात 8 बजे अपनी बेटी मंजू देवी की धारदार हथियार से मारकर उसकी हत्या कर दी. इसके बाद शव को घर के दरवाजे पर फेंक दिया. सुबह में जब आसपास के रहने वाले लोग उठे तो उन्होंने मृत महिला मंजू देवी का शव दरवाजे के बाहर पाया. इसके बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी.घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे लेकर पूछताछ शुरू की. पूछताछ के दौरान आरोपी पिता ने अपना जुर्म कबूल कर लिया. पुलिस की मानें तो वह अपनी बेटी के अवैध संबंध से नाराज चल रहा था. गुस्से आकर उन्होंने देर रात अपनी बेटी को मौत के घार उतार दिया. इसके बाद शव को घर के आंगन में फेंक दिया फिर हत्या में प्रयुक्त हथियार को शौचालय के छत पर रख दिया.थाना प्रभारी सोनू कुमार साहू ने बताया कि महिला की हत्या हुई है. मृतका की पिता ने हत्या की बात स्वीकार कर ली है. पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार को बरामद कर लिया है. मामले की जांच पड़ताल की जा रही है.

पुनर्वास स्थल से शहर तक परिवहन सुविधा जल्द शुरू करेगा बीसीसीएल

रांची, एजेंसी। बेलगड़िया में बसे भू-धंसान व अग्नि प्रभावितों के लिए बीसीसीएल जल्द ही कई सुविधाएं शुरू करेगा. इसमें बेलगड़िया से शहर तक दो इलेक्ट्रिक बसे जल्द चलेंगी. इलेक्ट्रिक बस की क्षमता 32 व्यक्तियों की बैठने की होगी. बीसीसीएल दौरे पर पहुंचे कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी को यह जानकारी कंपनी की ओर से दी गयी है. साथ ही प्रभावितों को हुनरमंद बनाने के लिए बड़ा कौशल विकास केंद्र खोला जायेगा. इसमें कई तरह की ट्रेनिंग दी जायेगी, ताकि यहां के लोगों को रोजगार मिलने में सुविधा मिल सके. बता दें कि भू-धंसान व अग्नि प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थान पर पुनर्वासित करने व झरिया मास्टर प्लान के क्रियान्वयन को लेकर बीसीसीएल सीएमडी समीरन दत्ता गंभीर हैं. प्रभावितों को बेहतर सुविधा मिले, इसके लिए बेलगड़िया पुनर्वासित स्थल पर सामाजिक-आर्थिक उत्थान के कई उपाय किये जा रहे है. रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से विभिन्न माध्यमों से योजना बनाने का प्रस्ताव है. वर्तमान में फैशन डिजाइनिंग में 60 युवाओं का प्रशिक्षण शुरू किया गया है. जबकि लोडर ऑपरेटर, माइन इलेक्ट्रीशियन, मल्टी स्किल तकनीशियन, खाद्य और पेय सेवा सहयोगी, ग्राहक सेवा सहयोगी, सौर और एलइडी तकनीशियन आदि के लिए युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिए संबंधित कंपनी से बीसीसीएल ने एमओयू पर हस्ताक्षर भी कर लिया है. जल्द ही 330-330 युवाओं का प्रशिक्षण शुरू होने की उम्मीद है.

हेमंत सरकार राज्य की 48 लाख महिलाओं को हर महीने देगी 1000 रुपये

15 तारीख तक सीधे खाते में होगा भुगतान

रांची, एजेंसी। झारखंड में मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना के तहत राज्य की 48 लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये राज्य सरकार देगी। महीने के 15 तारीख तक सीधे बैंक खाते इसका भुगतान होगा। हेमंत सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत की है। योजना के तहत शुरुआती दौर में 48 लाख महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य है। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाइ) हेमंत सरकार का महिला आत्मसम्मान को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया एक कारगर कदम है, जिसमें 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को रोजमर्रा की जरूरत को ध्यान में रखते हुए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

इस योजना के तहत लाभुकों के लिए पात्रता को सरल रखा गया है। आवेदिका झारखंड की निवासी हों। उनकी आयु 21 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम हो। आवेदिका का आधार लिंक्ड सिंगल (एकल) बैंक खाता हो। जिनका बैंक



खाता आधार लिंक्ड नहीं है, वे भी योजना का लाभ दिसंबर - 2024 तक उठा सकतीं हैं। मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड होना चाहिए।

आवेदिका का परिवार झारखंड राज्य के अंत्योदय अन्न योजना (पीला रंग का राशन कार्ड), पूर्ववित्का प्राप्त गृहस्थ कार्ड (गुलाबी रंग का राशन कार्ड) एवं के-आयल राशन कार्ड यानि सफेद रंग का राशन कार्ड या हरा रंग का पृथक राशनकार्ड धारी हो।

हेमंत सरकार ने हाल के दिनों में महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए कई योजनाओं को लांच किया है। इन योजनाओं में महिलाएं केंद्रबिंदु थी और उनके आर्थिक उन्नयन का का विशेष ख्याल रखा गया था। खासकर गरीब तबके की महिलाओं को केंद्रित कर योजनाएं बनाई गई थी। स्कूल जाने वाली बच्चियों के लिए योजना थी। जो घरेलू महिलाएं छोटे-मोटे कामकाज करना चाहती थी, उन्हें भी कैसे सहायता का विशेष ध्यान रखा गया था। इन योजनाओं से काफी फायदा भी हुआ जो योजना चली उनमें से प्रमुख है।

इसके तहत आठवीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक तथा 18 व 19 वर्ष की बेटियों को आर्थिक सहायता दी जाती है। योजना में कुल 40 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता मिलती है।

राज्य की सखी मंडल की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और उनके द्वारा निर्मित उत्पाद को बाजार बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पलाश ब्रांड शुरू किया गया। पलाश ब्रांड से सखी मंडल की करीब दो लाख महिलाएं जुड़ी हैं।

मजबूरी में हड़िया व शराब बिक्री और निर्माण कार्य से जुड़ी महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराने के उदेश्य से योजना संचालित की गई है। ऐसी महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए 50 हज़ार तक की सहायता राशि प्रदान की जाती है। योजना से 32 हजार से अधिक महिलाओं को लाभ हुआ है। महिलाएं सम्मानजनक आजीविका से जुड़ीं।

सखी मंडल से जुड़ी महिला समूह को बैंक क्रेडिट लिंकेज से सहायता प्रदान की गई ताकि वे अपने लिए स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त कर सकें। 2021 से पूर्व तक 640 करोड़ रुपए समूहों को बैंक क्रेडिट लिंकेज के जरिए दिया था। विगत साढ़े चार वर्ष में एक लाख 40 हजार समूहों को लगभग 8,250 करोड़ रुपए की राशि बैंक क्रेडिट लिंकेज की गई।

हवा को शुद्ध करने के लिए नगर निगम को फिर मिले 70 करोड़

रांची, एजेंसी। जिले में हवा को शुद्ध करने के लिए धनबाद नगर निगम को फिर 70 करोड़ रुपये मिले हैं. इसके पहले नगर निगम को 69.09 करोड़ रुपये मिले थे. अब तक नगर निगम 56.52 करोड़ रुपये खर्च कर दिये, लेकिन उम्मीद के अनुसार इसका परिणाम नहीं दिख रहा है. पिछले तीन सालों में नगर निगम ने शहर में जहां-तहां पेवर ब्लॉक बिछाये गये. इसमें 23.70 करोड़ रुपये खर्च किये. वहीं 4.45 करोड़ रुपये से सात रोड स्वीपिंग मशीनें खरीदी गयीं, लेकिन शहर की सड़कों पर ज्यादातर मशीनें नहीं दिखती हैं. वहीं 9.12 करोड़ की लागत से बिटूमिन्स सड़कें बनायी गयीं. 7.37 करोड़ रुपये की लागत से 10 क्वालिटी मॉनिटेरिंग सिस्टम लगाये गये. 2.20 करोड़ रुपये की लागत से छह वाटर स्प्रिंकलर खरीदे गये, पर इनका भी उपयोग नियमित नहीं होता. 3.73 करोड़ की लागत से दो विद्युत शवदाहगृह बनाये जाने हैं. इसमें से एक मोहलबनी में बनाया गया लेकिन बिजली का कनेक्शन नहीं होने के कारण यह नहीं चलता. वहीं दूसरा विद्युत शवदाहगृह मटकुरिया श्मशान में बनना है जो अब तक अधूरा है. 16.65 करोड़ की लागत से ग्रीन पैच बिछाये गये और 14.4 करोड़ की लागत से पांच प्ले ग्राउंड भी बनाये गये है. 3.03 करोड़ की डेसलेगिंग मशीन भी खरीदी गयी, लेकिन इसका भी उपयोग कम ही होता है. इसके अलावा 1.69 करोड़ की लागत से 10 कोल्ड फॉगिंग मशीनें खरीदी गयीं, लेकिन शहर में एक भी कोल्ड मशीन नजर नहीं आती है. जो 70 करोड़ रुपये मिले हैं, इससे मशीनरी के अलावा तालाबों का सौंदर्यीकरण व पार्कों का निर्माण किया जायेगा.

नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, इंडिया गठबंधन ने किया बहिष्कार

रांची, एजेंसी। नीति आयोग की बैठक शनिवार को दिल्ली में हो रही है. जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं. लेकिन इस बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल नहीं हुए. दरअसल इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्रियों ने इस बैठक का बहिष्कार किया है. हालांकि इंडिया गठबंधन के ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठक में हिस्सा ले रहीं हैं. वह शुक्रवार शाम ही दिल्ली के लिए रवाना हो गयी थी. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बैठक में शामिल होने को लेकर संशय बरकरार था. शुक्रवार की रात तक वह दिल्ली नहीं गये थे. वहीं, सीएमओ इस मामले पर कहना था कि अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है कि वह बैठक में हिस्सा लेंगे या नहीं. लेकिन शनिवार सुबह जब वह बैठक में नहीं पहुंचे तो ये स्पष्ट हो चला था कि वह बैठक में शामिल नहीं होंगे. हालांकि सीएम ने पिछले दिनों अपने दिल्ली दौरे के दौरान कहा था कि नीति आयोग की बैठक में वह जाएंगे और झारखंड का बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये की मांग करेंगे. इंडिया गठबंधन के बहिष्कार के बाद फिलहाल संशय की स्थिति बनी हुई है.गौरतलब है कि इंडिया गठबंधन ने नीति आयोग की इस बैठक का बहिष्कार किया है. कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और तेलंगाना के रेवंत रेड्डी ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वे इस बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, केरल के सीएम पिनराई विजयन और दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्रियों ने भी इस बैठक का बहिष्कार करने का फैसला लिया. लेकिन संभावना जतायी जा रही थी कि झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस बैठक में शामिल हो सकते हैं.

बीआईटी, एनआईएएमटी में हैं 2 करोड़ रु. तक के उपकरण, रिसर्च के लिए दूसरे संस्थानों के स्टूडेंट्स भी ले सकते हैं लाभ

रांची, एजेंसी। क्रांति दीप रांची बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी मेसरा), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मेन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी (एनआईएएमटी) रांची में सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट फैसिलिटी (सीआईएफ) सेंटर हैं, जो नए-पुराने उपकरणों से लैस हैं। इनमें 10 लाख से लेकर दो करोड़ रुपए तक के देश व विदेश में निर्मित उपकरण स्टूडेंट्स के लिए उपलब्ध हैं। जिसका इस्तेमाल किसी प्रकार के इनोवेशन या रिसर्च के लिए किया जा सकता है।

इन उपकरणों का इस्तेमाल अपने संस्थान के साथ-साथ दूसरे संस्थान के छात्र-छात्राएं व शोधार्थी भी कर सकते हैं। इसके अलावा कोई इंडस्ट्री भी इन उपकरणों का इस्तेमाल कर सकती है। विभिन्न उपकरणों के लिए कुछ न्यूनतम शुल्क निर्धारित किया गया है। चेयरमैन देवदास रॉय ने बताया कि सेंटर में 20 लाख रुपए से डेढ़ करोड़ तक के उपकरण हैं। बाहर के स्टूडेंट्स भी आकर इस सेंटर का लाभ ले सकते हैं।



एनआईएएमटी में एक्सआरडी मशीन एनआईएएमटी में लगी यूटीएम मशीन । एक्सआरडी (एक्स-रे डिफ्रेक्टोमिटर) = लगभग 1.5 करोड़ रुपए की इस मशीन के द्वारा किसी मेटेरियल का कैरेक्टराइजेशन किया जा सकता है। क्या-क्या कंपोनेंट हैं, यह पता लगाया जा सकता है। डीएससी (डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरीमीटर) = 20 लाख की मशीन से किसी मेटल, नॉन मेटल, पॉलीमर के फेज में कब बदलाव होगा, ये पता लगा सकते हैं। कौन ले सकते हैं इन सेंटर का लाभ = इन सेंटरों का लाभ किसी भी संस्थान के पीएचडी स्कॉलर, बीटेक, एमटेक स्टूडेंट्स, प्रोफेसर, साइंटिस्ट ले सकते हैं। इसके साथ किसी इंडस्ट्री के लोग किसी प्रकार की टेस्टिंग के लिए भी इन सेंटरों का लाभ ले सकते हैं। आईसीपी-ओईएस (इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा-ऑप्टिकल एमिशन स्पेक्ट्रोमिटर) = इसकी लागत लगभग 70 लाख रुपए है। इसके माध्यम से पानी के सैंपल, दवाओं और अयस्क के सैंपल में मेटल एनालिसिस किया जा सकता है। आईसीपी-एमएस (इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा मास स्पेक्ट्रोमीटर)= इसकी लागत लगभग 1 करोड़ 10 लाख रुपए है। इसके माध्यम से भी मेटल एनालिसिस किया जा सकता है। एफईएसईएम (फिल्ड एमिशन स्कैनिंग इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप) = इसकी कीमत लगभग 1.8 करोड़ रुपए है। इसके माध्यम से सरफेस के विभिन्न तत्वों की पहचान की जाती है। इसके अलावा अन्य विश्लेषण कर सकते हैं। एलसीएमएस (लिक्विड क्रोमैटोग्राफी मास स्प्रेक्ट्रोमीटर) = इसकी कीमत लगभग 1.25 करोड़ रुपए है। इसके माध्यम से प्रोटीन, फार्मास्युटिकल ड्रग आदि के मेटाबॉलिक आयन को पहचान कर सकते हैं। बीआईटी में लगी आईपीएमएस और आईसीपीओईएस मशीन।बीआईटी मेसरा स्थित सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट फैसिलिटी (सीआईएफ) सेंटर में 50 से ज्यादा छोटे-बड़े उपकरण हैं। जिसकी लागत 10 लाख से दो करोड़ रुपए तक है।

झारखंड राज्य के 1250 वित्त रहित शैक्षणिक संस्थानों में हड़ताल पर रहे शिक्षक

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य वित्त रहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा की ओर से राज्य के 1250 वित्त रहित इंटरमीडिएट कॉलेजों, उच्च विद्यालयों, संस्कृत विद्यालयों एवं मदरसों में शुक्रवार को शैक्षणिक हड़ताल रही। इससे राज्य के लगभग तीन से चार लाख बच्चों का पठन-पाठन ठप रहा। 10,000 शिक्षक और कर्मचारी शैक्षणिक हड़ताल पर रहे।

मोर्चा की मुख्य मांगों में राज्य के शिक्षक- कर्मचारियों को राज्यकर्मी का दर्जा देने, महंगाई को देखते हुए अनुदान की राशि कमेटी की अनुशंसा के आलोक में 75त्न बढ़ाने के प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद को भेजने, इंटरमीडिएट कॉलेज में सीटें बढ़ाने, पूर्व से निर्धारित सीटों पर नामांकन की अनुमति देने, सरकारी प्लस टू विद्यालयों में असीमित नामांकन का आदेश सार्वजनिक करने, अनुदान की राशि सीधे शिक्षक- कर्मचारियों के खाते में भेजने आदि की मांग शामिल हैं। वहीं 31 जुलाई को शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम के आवास



का घेराव करने का फैसला लिया गया।

जिसमें राज्य भर के 10,000 से ज्यादा शिक्षक-कर्मी भाग लेंगे। मोर्चा के अध्यक्ष मंडल की बैठक रांची में हुई। जिसमें हड़ताल के संदर्भ में विचार-विमर्श किया गया। शैक्षणिक हड़ताल में मोर्चा के नेता कुंदन कुमार सिंह, रघुनाथ सिंह, हरिहर प्रसाद कुशवाहा, फजलुल कादरी अहमद आदि उपस्थित रहे।

पुराना बाजार में फिर चला बुलडोजर, हटाया गया अतिक्रमण

धनबाद, एजेंसी। पुराना बाजार में नगर निगम ने शुक्रवार को भी बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया. इस दौरान नाला पर अतिक्रमण कर लगायी गयी गये दर्जनों दुकानों को तोड़ दिया गया. पानी टंकी से रेलवे फाटक तक चलाये गये इस अभियान का नेतृत्व फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार कर रहे थे. उन्होंने बताया कि हाल ही में नगर निगम द्वारा पुराना बाजार में सड़क व नाला का निर्माण कराया गया है. स्थानीय दुकानदारों ने नाला का भी अतिक्रमण कर वहां दुकान लगा ली है. जिन दुकानों का छज्जा निकला गया था, उसे जेसीबी से तोड़ दिया गया. पुराना बाजार की सड़क को अतिक्रमण मुक्त किया गया. पुराना बाजार की जो सड़क अतिक्रमण के कारण 15 फीट की रह गयी थी, वह आज 40 फीट चौड़ी दिखी. अगर नाला का दोबारा अतिक्रमण हुआ तो दुकानदारों पर कार्रवाई होगी. सामान जब्त करने के साथ जुर्माना व कानूनी कार्रवाई की जायेगी. निगम के मुताबिक पुराना बाजार में अतिक्रमण के लिए दुकानदार ही जिम्मेवार हैं. यहां जो स्थायी दुकानदार हैं, वे आठ से दस फीट तक सड़क पर दुकान बढ़ा लेते हैं. उसके अलावा दुकान के सामने ठेला लगवाकर उससे भी रोज शुल्क वसूलते हैं. ऐसे में 40 फीट चौड़ी सड़क सिमट कर 15 फीट की रह गयी थी. लोगों की शिकायत पर लगातार दो दिनों तक कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया गया.

कभी भी आक्रामक हो जाते हैं सड़क पर विचरण करते सांड, राहगीरों को कर देते हैं घायल, पलट देते हैं वाहन

रांची, एजेंसी। शहर की सड़कों पर इन दिनों आवारा पशुओं का आतंक बढ़ता जा रहा है. सड़क पर विचरण कर रहे सांड कभी भी आक्रामक हो जाते हैं. रोजाना अपने कामकाज के लिए बाहर निकलने वाले लोगों को इन सांडों की वजह से कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है. सड़क पर सांडों की मौजूदगी न सिर्फ यातायात में रूकावट पैदा करती है, सांड कई बार स्थानीय दुकानदारों को नुकसान भी पहुंचाते हैं. इतना ही नहीं राहगीरों पर हमला कर उन्हें जख्मी भी कर देते हैं. वाहन भी पलट देते हैं. इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाये गये हैं. नगर निगम की ओर से 31 मई को सांडों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने की पहल की गयी थी, लेकिन इसका असर दिख नहीं रहा. फिलहाल यह अभियान लगभग बंद है. यदा-कदा ही टीम सांड को पकड़ने के लिए सड़क पर उतरती है. लोगों का कहना है कि अब तो हालत यह हो गयी है कि सड़क व चौराहों पर



सांड का कब्जा रहता है. ऐसा लगता है कि शासन-प्रशासन को इससे कोई मतलब नहीं है.

स्टीलगेट में सड़क पर सांड कभी भी किसी भी दिशा से आ जाता है. इससे सड़क अवरुद्ध हो जाती है. इसके अलावा सब्जी बाजार में आये लोगों पर अक्सर सांड हमला कर देता है.

रणधीर वर्मा चौक पर हर वक्त तीन-चार सांड रहते हैं. इससे स्थानीय लोग भयभीत रहते हैं. कई बार वाहन चालकों को भी परेशानी होती है. स्थानीय लोगों के अनुसार सांड अक्सर चौक पर इकट्ठा होते हैं और कभी-कभी लोगों को देखकर आक्रामक हो जाते हैं. कभी वाहन पर हमला कर देते है, तो कभी वाहनों को पलट भी देते हैं.बस्ताकोला गोशाला के सचिव मुरली पोद्दार ने बताया कि निगम की ओर से यहां शेड बनाने की बात कही गयी. लेकिन अभी तक शेड नहीं बनाया गया है. सांड को रखने में कोई दिक्कत नहीं है. मगर निगम कोई सुविधा तो दे. कुछ दिनों पहले निगम ने तीन सांड को पकड़ कर रखने को दिया था. बगैर किसी सुविधा के सांड को रखा गया, मगर सांड ने आतंक मचाने लगा. एक रात रस्सी तोड़ कर सांड भाग गये.

आरोग्य आयुष्मान केंद्र में जले व हार्ट अटैक के मरीजों का होगा प्रारंभिक उपचार

धनबाद, एजेंसी। जिले में संचालित आरोग्य आयुष्मान केंद्र में जले व हार्ट अटैक के मरीजों का इलाज होगा. इन केंद्रों में जले व हार्ट अटैक के मरीजों के पहुंचने पर प्रारंभिक जांच की सुविधा प्रदान की जायेगी. स्वास्थ्य विभाग इसकी तैयारी में जुट गया है. योजना को लेकर स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने पहले ही अनुमति प्रदान कर दी है. इसे लेकर जिला स्तर पर आरोग्य आयुष्मान मंदिर में पदस्थापित कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) को जले व हार्ट अटैक के मरीजों के प्रारंभिक उपचार की ट्रेनिंग दी जायेगी. यहां मरीजों का प्रारंभिक उपचार करने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया जायेगा. बता दें कि आरोग्य आयुष्मान मंदिर ग्रामीण इलाकों में संचालित है. इसका उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना है. आग व करंट की चपेट में आकर झुलसने व हार्ट अटैक से जुड़े कई मामलों में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को प्रारंभिक उपचार मिलने में देर हो जाती है. ऐसे में कई मरीजों की जान चली जाती है. इस समस्या से निबटने के लिए स्वास्थ्य मुख्यालय ने नई योजना बनाई है.सीएचओ को दी जायेगी सीपीआर की ट्रेनिंग, केंद्र में उपलब्ध होगी दवायोजना के तहत हर्ट अटैक के मरीजों के प्रारंभिक उपचार के लिए सभी सीएचओ को सीपीआर की ट्रेनिंग प्रदान की जायेगी. दिल के दौरे के कारण कार्डियक अरेस्ट होता है, तो व्यक्ति को सीपीआर की जरूरत पड़ती है. इससे इएमएस के आने तक उनके रक्त प्रवाह को बनाए रखने में मदद मिलती है.

झारखंड डीजीपी का पदभार संभालने के बाद अनुराग गुप्ता की क्या है प्राथमिकता, बोले- पुलिस के प्रति विश्वास जगाने पर होगा जोर

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार ने 1989 बैच के आइपीएस अजय कुमार सिंह का तबादला डीजीपी के पद से हटाकर झारखंड पुलिस हाउसिंग निगम के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक के पद पर कर दिया है. उनकी जगह 1990 बैच के आइपीएस अनुराग गुप्ता को झारखंड के डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. अनुराग गुप्ता सीआइडी के डीजी और एसीबी के चीफ हैं.

झारखंड पुलिस हाउसिंग निगम के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक प्रशांत सिंह को वायरलेस का नया डीजी बनाया गया है. आदेश



निकलने के बाद अनुराग गुप्ता ने शुक्रवार की दोपहर दो बजे के करीब पुलिस मुख्यालय पहुंचकर डीजीपी अजय कुमार सिंह से प्रभार ग्रहण किया. पदभार संभालने के बाद मीडिया से मुखातिब अनुराग गुप्ता ने कहा कि नारकोटिक्स, महिला सुरक्षा, साइबर व हिंसक अपराध को रोकना उनकी प्राथमिकता है. इन मामलों में पुलिस कठोर कार्रवाई करेगी.उन्होंने कहा कि अपराध पर अंकुश लगाना, विधि व्यवस्था संधारण, आमलोगों में पुलिस के प्रति विश्वास जगाना, पुलिस की आंतरिक व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर होगा. साथ ही पुलिस बहाली, समय पर प्रोन्नति और विशेष प्रशिक्षण कराने पर बल दिया जायेगा. इस बात का विशेष ख्याल रखा जायेगा कि पारदर्शिता के साथ ट्रांसफर-पोस्टिंग हो. जहां पुलिस फोर्स की जितनी जरूरत होगी, वहां उतनी प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जायेगी. डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि पुलिस का आमलोगों के साथ अच्छा व्यवहार, उनकी समस्याओं का त्वरित निष्पादन, बुजुर्ग, कमजोर व महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाना उनकी प्राथमिकता में शामिल रहेगा. उनकी पूरी कोशिश होगी कि किसी भी तरह के आपराधिक घटना होने पर पुलिस का क्विक रिस्पॉन्स हो.

अनुराग गुप्ता के प्रभार ग्रहण के समय एडीजी मुख्यालय आरके मल्लिक, एडीजी एमएल मीणा, डॉ संजय आनंदराव लाठकर, सुमन गुप्ता, प्रिया दुबे, आइजी मनोज कौशिक, अमोल वीणुकांत होमकर, प्रभात कुमार, पंकज कंबोज, अनेप्पु विजयालक्ष्मी, डीआइजी अनूप बिरथरे, डीआइजी नौशाद आलम, विशेष शाखा एसपी चंदन झा सहित अन्य मौजूद थे.

बलराज पंवार हीट में चौथे स्थान पर रहे, रेपेचेज दौर में लेंगे हिस्सा

जानें कैसा रहा प्रदर्शन

पेरिस, एजेंसी। बलराज ने सात मिनट 7.11 सेकेंड का समय लिया। वह न्यूजीलैंड के थॉमस मैकिनटोश (छह मिनट 55.92 सेकेंड), स्टीफानोस एनतोस्कोस (सात मिनट 1.79 सेकेंड) और अब्देलखालेक एलबाना (सात मिनट 5.06 सेकेंड) से पीछे रहे।

पेरिस ओलंपिक में स्पर्धा की शुरुआत शनिवार से हो गई है और इसमें भारत के एकमात्र रोइंग खिलाड़ी बलराज पुरुष एकल स्पर्धा की पहली हीट



रेस में चौथे स्थान पर रहे और अब वह रेपेचेज में हिस्सा लेंगे। प्रत्येक हीट से शीर्ष तीन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। रेपेचेज के जरिए बलराज को सेमीफाइनल या फाइनल में जगह बनाने का दूसरा मौका मिलेगा। 25 वर्षीय बलराज ने सात मिनट 7.11 सेकेंड का समय लिया। वह न्यूजीलैंड के थॉमस मैकिनटोश (छह मिनट 55.92 सेकेंड), स्टीफानोस एनतोस्कोस (सात मिनट 1.79 सेकेंड) और अब्देलखालेक एलबाना (सात मिनट 5.06 सेकेंड) से पीछे रहे। बलराज हालांकि सीधे क्वालीफिकेशन से चूक गए, लेकिन उनके पास रेपेचेज के जरिए दूसरा मौका मिलेगा। बलराज चीन में एशियाई खेलों में चौथे स्थान पर रहे थे और उन्होंने कोरिया में एशियाई तथा ओसियाना ओलंपिक क्वालीफिकेशन रेगाटा में कांस्य पदक जीता था।

ग्रेटर नोएडा में होगा अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट, पक्की हुई तारीख





नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के अपने घरेलू मैदान पर सितंबर में न्यूजीलैंड के साथ अपना एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगा। यह अफगानिस्तान का कुल 10वां तथा वर्ष 2024 में तीसरा टेस्ट मैच होगा। इसके अलावा यह ग्रेटर नोएडा में भी पहला टेस्ट मैच होगा। यह टेस्ट मैच 9 से 13 सितंबर के बीच होने की संभावना है। इसके बाद केवल इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ही ऐसी टीमें बचेंगी, जिनके साथ अफगानिस्तान ने टेस्ट मैच नहीं खेला है। इसके लगभग एक महीने बाद 16 अक्तूबर से न्यूजीलैंड का भारत दौरा शुरू होगा, जहां मेहमान टीम को तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इन दोनों सीरीज के बीच में न्यूजीलैंड की टीम टेस्ट सीरीज खेलने श्रीलंका भी जाएगी। जिनकी तारीखों की घोषणा होनी अभी शेष है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष अफगानिस्तान ने श्रीलंका और आयरलैंड के साथ दो टेस्ट मैच खेले हैं तथा दोनों ही मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा था।



पेरिस ओलंपिक का हुआ भव्य आगाज

सिंधु-शरत ने की भारतीय दल की अगुवाई



पेरिस, एजेंसी। ओलंपिक 2024 का आगाज हो गया है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में रंगारंग कार्यक्रम, संगीत, नृत्य और साहित्य के साथ फ्रांसीसी जुनून का नजारा पूरी दुनिया ने देखा। करीब चार घंटे चली सेरेमनी में पॉप स्टार लेडी गागा, आया नाकामुरा जैसे सुपर स्टार्स ने परफॉर्म किया। बारिश ने इन परफॉर्मेंस में चार-चांद लगाया।

साथ ही ओलिंपिक मशाल लिए एक मिस्टीरियस मैन आकर्षण का केंद्र रहा। शुक्रवार शाम एक शानदार ओपनिंग सेरेमनी के साथ पेरिस ओलंपिक का भव्य आगाज हो चुका है। यह पहला मौका रहा, जब किसी स्टेडियम से बाहर ओपनिंग सेरेमनी हुई। कार्यक्रम की शुरुआत ग्रीस के प्रतिनिधियों द्वारा नदी में नावों पर राष्ट्रों की परेड में लगभग 200 देशों के एथलीटों का नेतृत्व करने के साथ हुई। भारतीय दल 84वें नंबर पर आया। इसमें पीवी सिंधु और शरत कमल तिरंगा थामे नजर आए। सबसे अंत में मेजबान फ्रांस का दल आया। खिलाड़ी सीन नदी में नाव के सहारे परेड करते नजर आए। इसमें 200 से ज्यादा देशों के करीब 7,000 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। भारत के लिए पीवी सिंधु और शरत कमल ध्वजवाहक रहे। ओपनिंग सेरेमनी के साथ ही पेरिस ओलंपिक 2024 की आधिकारिक रूप से शुरुआत हो गई है।

ओपनिंग सेरेमनी के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद रहे। पॉप स्टार लेडी गागा ने शानदार गाने की प्रस्तुति दी। परेड में भारतीय दल 84वें नंबर पर आया। इस दौरान लगभग 3 लाख दर्शक मौजूद रहे।

शूटिंग के 10 मीटर एयर राइफल में भारतीय चुनौती खत्म

संदीप सिंह-इलावेनिल वालारिवन और अर्जुन बबूता-रमिता जिंदल हुए बाहर



पेरिस, एजेंसी। शूटिंग की 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम में बुरी खबर सामने आई है. इलावेनिल वलारिवन और संदीप सिंह फाइनल में जगह नहीं बना पाए और वह 12वें स्थान पर रहे. वहीं रमिता जिंदल और अर्जुन बाबुता भी छठे स्थान पर रहे. टॉप-4 टीमों ने ही मेडल राउंड के लिए क्वालिफाई किया. 2 सीरीज के बाद रमिता और अर्जुन 7वें स्थान पर हैं. वहीं इलावेनिल और संदीप मिक्स्ड 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में 14वें स्थान पर हैं. याद रखें कि टॉप-4 टीमें ही मेडल राउंड के लिए क्वालिफाई करेगी. शूटिंग में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में भारत के लिए फिलहाल अच्छी खबर नही है. रमिता और अर्जुन 9वें स्थान पर है. वहीं इलावेनिल वलारिवन और संदीप फिलहाल 14वें स्थान पर हैं. बता दें कि टॉप चार टीमें फाइनल में पहुंचेगी. इसमें से टॉप दो टीमें गोल्ड और सिल्वर के लिए लड़ेगी. वहीं बाकी दो के बीच कांस्य के लिए प्रतिस्पर्धा होगी. बलराज पंवार रोइंग के मेन्स सिंगल्स स्कल्स में अपनी हीट में चौथे नंबर पर रहे. पंवार ने 3 मिनट 31 सेकंड और 24 मिली सेकंड का समय लिया. पंवार डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच सके. हालांकि लेकिन उनकी मेडल की उम्मीदें बरकरार है. उन्हें रेपचेज इवेंट के जरिए क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का मौका मिलेगा. शूटिंग में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में क्वालिफिकेशन राउंड शुरू हो चुके हैं. इनमें संदीप सिंह/इलावेनिल वालारिवन और अर्जुन बबूता / रमिता जिंदल भाग ले रहे हैं.

टॉप-4 टीमों ने ही मेडल राउंड के लिए क्वालिफाई किया

कजाकिस्तान ने पेरिस 2024 ओलंपिक का पहला पदक जीता

पेरिस, एजेंसी। कजाकिस्तान ने पेरिस 2024 ओलंपिक का पहला पदक अपने नाम कर लिया है। चेटेउरौक्स में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक मैच में जर्मनी को 17-5 से हराया। चीन और कोरिया गणराज्य, शीर्ष दो क्वालीफायर, एक ही स्पर्धा में खेलों के पहले स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। कजाख निशानेबाज एलेक्जेंड्रा ले और इस्लाम सतपायेव ने पहला राउंड 21.4-20.7 से जीतकर 2-0 की बढ़त बना ली। जर्मनी की अन्ना जानसेन और मैक्सिमिलियन उलब्रिच 3-3 और 4-4 से बराबरी करने में सफल रहीं लेकिन कभी बढ़त नहीं ले सकीं।

ले और सतपायेव ने अगले तीन राउंड जीतकर स्कोर 10-4 कर दिया। हालाँकि जर्मनों ने निम्नलिखित को बराबर करने में कामयाबी हासिल की, लेकिन इससे अपरिहार्य में देरी हुई क्योंकि कज़ाकों ने एक आरामदायक जीत हासिल की। क्वालिफिकेशन राउंड में भी कजाकिस्तान तीसरे स्थान पर रहा था जबकि जर्मनी चौथे स्थान पर रहा था। भारतीय निशानेबाजों की बात करें तो वह 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन चरण में बाहर हो गए। भारत की दो जोड़ियां इस स्पर्धा में भाग ले रही थी। रमिता और अर्जुन बाबूता 628.7 के कुल स्कोर के साथ छठे, जबकि इलावेनिल वलारिवन और संदीप सिंह 626.3 के कुल स्कोर के साथ 12वें स्थान पर रहे। रमिता और अर्जुन की जोड़ी ने एक समय उम्मीद बनाई थी। यह भारतीय जोड़ी तीन शॉट शेष रहते पांचवें स्थान पर थी, लेकिन आखिर में पदक राउंड के कट ऑफ से 1.0 अंक पीछे रह गई। अर्जुन ने दूसरी सीरीज में शानदार शुरुआत की और 10.5, 10.6, 10.5, 10.9 का स्कोर बनाया। रमिता ने दूसरी सीरीज में 10.2, 10.7, 10.3, 10.1 का स्कोर बनाया। इससे यह जोड़ी शीर्षक आठ में तो पहुंच गई लेकिन पदक राउंड में जगह बनाने के लिए यह स्कोर पर्याप्त नहीं था। पदक राउंड में पहुंचने के लिए शीर्ष 4 में जगह बनाना जरूरी था।



चीन ने जीता पेरिस ओलिंपिक का पहला गोल्ड, 17 और 19 साल के शूटर ने किया कमाल



पेरिस, एजेंसी। पेरिस 2024 पेरिस ओलिंपिक का पहला गोल्ड मेडल चीन के खाते में गया है। 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट के गोल्ड मेडल मुकाबले में चीन ने साउथ कोरिया को 16-12 से हराया। हुआंग यूटिंग और शेंग लिहाओ ने यह गोल्ड मेडल जीता। यूटिंग 19 साल के हैं तो शेंग की उम्र सिर्फ 17 साल है। क्वालिफिकेशन राउंड में भी चीन की जोड़ी टॉप पर थी। यह जोड़ी इस इवेंट की वर्ल्ड चैंपियन भी है। साउथ कोरिया के केउम जिहयोन और हाजुन पार्क को सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

यूटिंग का दूसरा ओलिंपिक मेडल

ओलिंपिक में यह हुआंग यूटिंग का दूसरा मेडल है। 16 साल की उम्र में उन्होंने पेरिस ओलिंपिक में 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया था। शेंग लिहाओ ने 17 साल की उम्र में अब लगभग सभी इवेंट में गोल्ड मेडल जीत लिए हैं। उनके नाम वर्ल्ड चैंपियनशिप में तीन गोल्ड हैं।

दो रन पर झटके तीन विकेट, वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेला

बर्मिंघम (एजेंसी)। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे टेस्ट सीरीज के तीसरे मैच के पहले दिन गेंदबाजों को जोर देखने को मिला। बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर वेस्टइंडीज ने अच्छी शुरुआत की। 76 रन पर टीम को कोई विकेट नहीं गिरा था। यहां से वापसी करते हुए इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 282 रनों पर ऑलआउट कर दिया। वेस्टइंडीज ने भी इंग्लैंड को टॉप-3 बल्लेबाजों को आउट कर दिया है। अभी भी मेहमान टीम के पास 244 रनों की बढ़त है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज चमके – कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने अर्धशतक लगाकर वेस्टइंडीज को अच्छी शुरुआत दिलाई। पहले विकेट के लिए उन्होंने मिक्ली लुइस के साथ 76 रन जोड़े। लुइस 26 रन बनाकर गस एटनिंसन का शिकार बने। इसके बाद किर्क मैकेंजी 12 और एलिक अथानजे 2 रन बनाकर आउट हो गए। ब्रेथवेट (61) और कैवेम हॉग (13)



के आउट होने के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर 5 विकेट पर 115 रन हो गया। 39 रन बनाने में टीम 5 विकेट खो चुकी थी। यहां से जेसन होल्डर और विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा ने पारी को संभालने का काम किया। दोनों ने शतकीय साझेदारी की। होल्डर ने 59 रनों की पारी खेली लेकिन सिल्वा एक रन से अर्धशतक चूक गए। दोनों के बीच 109 रनों की साझेदारी हुई। निचले क्रम में अल्जारी जोसेफ ने 15 तो नंबर-11 शमार जोसेफ ने 16 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज पहली पारी में 282 तक पहुंचने में सफल रहा। एटकिंसन को 4 जबकि क्रिस वोक्स को तीन विकेट मिले।

इंग्लैंड की शुरुआत रही खराब – इंग्लैंड ने तेज शुरुआत करने की कोशिश की। चौथे ओवर में टीम का स्कोर 29 रन था। लेकिन फिर 2 रन बनाने में तीन विकेट गिर गए। ओपनर जैक क्राउली और बेन डकेट लगातार दो गेंद पर पवेलियन लौट गए। फिर इंग्लैंड ने नाइटवॉच मैन के रूप में मार्कवुक को उतारा। वह भी खाता खोले बिना जायडेन सील्स का शिकार बने। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड का स्कोर 3 विकेट पर 38 रन है। जो रूट और ओली पोप क्रीज पर टिके हैं।

मां बनने के बाद काम करने के मूड में नहीं दीपिका?

- डिलीवरी के बाद नहीं रखेगी नैनी, खुद ही करेगी बच्चे का सब काम!

दी | पिका पादुकोण अब जल्द ही मां बनने वाली हैं, उनकी डिलीवरी डेट सितंबर बताई है। इस बीच एक्ट्रेस अपनी प्रेग्नेंसी पर खुलकर बात कर रही हैं और मां बनने के बाद वह मातृत्व को पूरी तरह से एन्जॉय करने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि मां बनने बाद दीपिका जल्द काम पर नहीं लौटने वाली हैं, बल्कि वह अपने बच्चे के साथ समय बिताना चाहती हैं। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि दीपिका ने इंटरनेशनल शो सीरीज 'द लास्ट लीटर' के तीसरे सीजन को करने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दीपिका अपने बच्चे का ख्याल रखने के लिए इस शो सीरीज के लिए मना किया है। बताया जा रहा है कि बच्चे के लिए दीपिका फिलहाल कोई नए प्रोजेक्ट साइन नहीं कर रही हैं। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि दीपिका पादुकोण किसी की मदद के बिना अपने बच्चे को पालने वाली हैं, मतलब वह अन्य एक्ट्रेस की तरह अपने बेबी के लिए नैनी नहीं रखेंगी।

बताया जा रहा है कि दीपिका अपने बच्चे की देखभाल में रणवीर सिंह को भी कोई मदद नहीं लेने के मूड में हैं, क्योंकि वह अपने बच्चे का ख्याल पूरी तरह से खुद रखना चाहती हैं। खबर के करीबी सूत्र ने बताया, दीपिका बच्ची से बहुत प्यार करती हैं, वह उनके साथ जुड़ा कनेक्शन हो जाती हैं। आप शेयर हो सकते हैं कि जब उनका अपना पैरेंट होगा तो उसकी देखभाल के लिए कोई नानी नहीं होगी इसलिए नहीं लगता कि दीपिका कभी भी रणवीर को माता-पिता के कामों में हाथ बटाने देंगी। वह देखभाल करने वाली मां बनेंगी। बता दें कि दीपिका और रणवीर ने मार्च में प्रेग्नेंसी को लेकर फैंस को दी थी।

दीपिका को कई मौकों पर अपने अब को फ्लॉन्ट करते हुए देखा गया है। उनका प्रेग्नेंसी ग्लो और मां बनने की खुशी उनके चेहरे पर साफ नजर आ रहा है। दीपिका अपने पुराने इंटरव्यू में बता चुकी हैं कि वो हमेशा से मां बनना चाहती हैं और वह चाहती हैं कि उनके तीन बच्चे हों।

हीरो हीरोइन के लिए

तेलुगु भाषा सीख रहीं दिव्या

बॉ | लीवुड अभिनेत्री दिशा खोसला ने अपनी आगामी फिल्म होमे होमेन के लिए अपना शेड्यूल फाइनल कर लिया है। पहले इस फिल्म की शूटिंग 10 जून से शुरू होनी थी, मगर बाद में इसमें बदलाव कर दिया गया। अब इस फिल्म की शूटिंग 5 अक्टूबर से शुरू होगी। फिल्म के निर्माता 12 अगस्त को फिल्म के मुख्य अभिनेता के नाम का खुलासा करेंगे। ये एक तेलुगु फिल्म है। इसके लिए दिशा तेलुगु भाषा सीख रही हैं।

तेलुगु सीख रहीं दिशा खोसला

फिल्म में ऐशा डेओल, सोनी राजदान, परेश रावल, इरिशा चौहान, तुषार कपूर, कोमल नाहटा और प्रियंका चाहर चौधरी भी हैं। प्रियंका चाहर चौधरी इस फिल्म से फिल्मों में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। दिशा ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, होमे होमेन एक भव्य और महत्वाकांक्षी तेलुगु फिल्म है जो अपनी जटिल दुनिया और प्रभावशाली किरदारों से चमकता है। इस भूमिका के साथ न्याय करने के लिए मैं लगन से तेलुगु सीख रही हूं और खुद को किरदार में पूरी तरह से डुबो रही हूं।

उन्होंने आगे कहा, जैसे-जैसे मैं स्क्रिप्ट की गहराई से जानती गई। मुझे एहसास हुआ कि चारुलता अभिनेता से बहुत कुछ मांगती है, खासकर भाषा में महारत हासिल करने की। उनके लिए मेरे कमिटमेंट और होमे होमेन के लिए आवश्यक और जरूरी तैयारी को देखते हुए। हमने 5 अक्टूबर को शूटिंग शुरू करने का फैसला किया है। इसके साथ ही अभिनेत्री ने फिल्म की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा और निर्देशक सुरेश कृष्ण के प्रति आभार व्यक्त किया है।

होमे होमेन के साथ दर्शकों का दिल जीतने को तैयार

दिशा खोसला ने कहा, मैं उत्साह के निर्माताओं कृष्णा किशन एल्ल और जयन्त प्रतिनिधि के साथ सहयोग करने के लिए भी उत्साहित हूं जो पोएमेंस्ट्रो स्टूडियो के संचालक हैं। उनकी जबरदस्त के बाद मैं प्यार और समर्थन से अभिभूत हूं। मैं होमे होमेन के साथ एक बार फिर दिल जीतने के लिए तैयार हूं।







John Abraham की फिल्म वेदा को सेंसर बोर्ड से नहीं मिला क्लीयरेंस, मेकर्स ने लगाई गुहार

जॉ | न अब्राहम एक बार फिर पर्दे पर एक्शन करते दिखाई देने वाले हैं। इस फिल्म में जॉन लीड रोल में हैं और उनके साथ शरवरी वाघ दिखने वाली हैं। यह फिल्म जन्माष्टमी रिलीज के मौके पर यानी 15 अगस्त को थिएटर ऑफिस पर रिलीज होगी, हालांकि रिलीज से पहले मेकर्स मुश्किल में फंसती नजर आ रही हैं। मेकर्स को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट अभी तक नहीं मिला है। इस पर मेकर्स ने चिंता जाहिर की है।

दरअसल, मेकर्स फिल्म के मेकर्स ने ट्वीट जारी कर सेंसर बोर्ड पर निशाना साधा है। इस ट्वीट में मेकर्स ने लिखा, हम, मेकर्स के तौर पर मजबूर होकर आपके साथ यह साझा कर रहे हैं कि हमारी मेगा एक्शन के बावजूद, हमें अभी तक सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन की तरफ से क्लीयरेंस नहीं मिला है। अभी तिरंगी का पालन करते हुए, रिलीज से 8 हफ्ते पहले सर्टिफिकेट के लिए अप्लाई किया था। डेडलाइनों में हमारी फिल्म को जर्नलिंग 25 जून को ही हो गई थी और आगे लिखा को हम किया किसी एक्सक्लेशन के अभी तक कमेटी के लिए का इंतजार कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि हमारी ये रिक्वेस्ट उन सभी तक जरूर पहुंचे, जो इस मुश्किल वक्त में हमारी मदद कर सके।

एक बार फिर विलेन बनेगें बॉबी देओल फिल्म देवरा में हुई एंट्री

फि | ल्म एनिमल की सफलता के बाद उनको बॉलीवुड ही नहीं बल्कि साउथ की फिल्मों में भी अच्छे-खासे डिमांड बढ़ गई है। एक्टर बॉबी देओल कंगुवा में विलेन के रोल में नजर आएंगे। इस बीच अब बॉबी देओल साउथ फिल्म देवरा पार्ट 1 और देवरा 2 में सैफ अली खान के साथ विलेन का रोल करते दिखेंगे। बता दें, देवरा के पहले भाग में बॉबी को भूमिका छोटी होगी और दूसरे भाग में वह सैफ की भूमिका के समानांतर मुख्य खलनायक की भूमिका में होंगे। खबरों के अनुसार, बॉबी देओल फिल्म में एक खलनायक की भूमिका निभाएंगे, देवरा पार्ट 2 में सैफ अली खान और बॉबी देओल दोनों ही खलनायक की भूमिका में होंगे। और करीबी सूत्रों ने बताया है कि फिल्म की टीम बॉबी देओल से बातचीत कर रही है और चर्चा अंतिम चरण में है फिल्म 27 सितंबर को प्रदर्शित होगी।

राजकुमार राव भारतीय सिनेमा का भविष्यः महेश भट्ट

रा | जकुमार राव भारतीय सिनेमा के सबसे डायनेमिक अभिनेताओं में से एक है और सिर्फ दर्शक ही नहीं, बल्कि फिल्म निर्माता भी इस बात पर यकीन करते हैं। अभिनेता, जो 2024 के बॉक्स ऑफिस विश्लेषकों के रूप में उभर रहे हैं, ने को पहले मास्टर फिल्म निर्देशक महेश भट्ट ने भारतीय सिनेमा का भविष्य कहा था। अतीत में, उनकी सिस्टर एंड मिसेज माही के निर्देशक शरण शर्मा ने भी उनसे शानदार अभिनेता की प्रशंसा की। शर्मा ने कहा, राव वर्तमान हमारे सबसे अच्छे अभिनेताओं में से एक है। वह बहुत अच्छे हैं। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनके लिए एक अवसर है।



अभिनेता ने दो ब्लॉकबस्टर - श्रीकांत और मिस्टर एंड मिसेज माही के साथ 2024 की शानदार शुरुआत की, और अपनी आगामी फिल्म स्त्री 2 के साथ बॉक्स ऑफिस पर हैट्रिक लगाने का लक्ष्य रखे हैं। जहां श्रीकांत और मिस्टर एंड मिसेज माही को दर्शकों ने खूब सराहा, वहीं उम्मीद है कि स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा सकती है और साल को उनके बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बनकर उभरेगी।

काम और खेल को एक साथ कैसे मैनेज करते हैं अर्जुन कपूर

अ | र्जुन कपूर को एडिटिंग और स्पोर्ट्स के लोग दीवाने हैं। उनको एक शानदार पति को लड़कियां मेंशन रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपने एक पोस्ट में कई फोटो शेयर की हैं, जिसमें उन्होंने बताया कि वह किस तरह काम और खेल को एक साथ लाते हैं। इंस्टाग्राम पर अर्जुन ने कई जबरदस्त फोटो की हैं, जिसमें दौड़ना, क्रिकेटिंग और कुछ वीडियो शामिल हैं।

एक्टर के बारे में बात करें तो अर्जुन ने निखिल आडवाणी की साल 2009 में रिलीज हुई रोमांटिक ड्रामा कल हो ना हो में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर अपना करियर शुरू किया। लेकिन लीड एक्टर के तौर पर उन्होंने 2012 में सुपरहिट फिल्म इश्कजादे के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में उनके अपोजिट परिणीति चोपड़ा थीं। इसके बाद वह करीना कपूर के साथ की एड बच में नजर आए। उन्होंने औरंगजेब, गुंडे, 2 स्टेट्स, तेवर, हाफ गर्लफ्रेंड, मुबारकां, नमस्ते इंग्लैंड, पानीपत, संदीप और पिंकी फरार, भूत पुलिस, एक विलेन रिटर्न्स और हाल ही में द लेडी किलर जैसी फिल्मों में काम किया। उनके पास निर्देशक सुरेश त्रिवेणी अजीत की फिल्म मेरे पति का रीमेक भी है। इस फिल्म में अर्जुन के साथ भूमि पेडनेकर और खुशी प्रीत शिहनजर आएंगी। अर्जुन एक एड फिल्मिंग में भी नजर आएंगे। यह फिल्म साउथ फिल्म की रीमेक है।

किसी के प्यार में पड़ी निया शर्मा! फेस एक्सप्रेशन से किया बयां

ए | क्ट्रेस निया शर्मा इन दिनों फैंटेसी-थ्रिलर-रोमांस सुहागन चुड़ैल में नजर आ रही हैं। उनके उनके किरदार निशिगंधा को काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने शुक्रवार को सेट से बीटीएस (बिहाइंड द सीन) वीडियो शेयर किया। निया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सुहागन चुड़ैल के सेट से बीटीएस वीडियो शेयर किया, जिसमें वह चारपाई पर बैठे हुए दिखाई दे रही हैं और उनके सामने गहरा धारी चुड़ैल खड़ा है। वह कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराते हुए और शरमाते हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में निया ब्लैक कलर के आउटफिट में हैं। एक्ट्रेस ने बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर इसका दो गानिया गाने को एड किया। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो, निया शर्मा का असली नाम नेहा शर्मा है। इंडस्ट्री में आने के लिए उन्होंने अपना नाम बदला। उन्होंने साल 2010 में स्टार प्लस के शो काली-एक अग्निपरीक्षा से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। लेकिन लोकप्रियता 2011 में आए धारावाहिक एक हजारों में मेरी बहना है से मिली। इसमें उन्होंने मानसी का किरदार निभाया। यह शो 2013 में ऑफ एयर हो गया। इसके बाद, 2014 में वह अवार कुमार दुहा पोइपुरु जो टीवी के शो जमाई राजा में नजर आईं। इसमें उन्होंने रोशनी पटेल का रोल निभाया।



इसके बाद निया ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी कदम रखा और सिकम भट्ट की वेब सीरीज डिस्पैचेस में मोहक सीरत किए। इसके अलावा, जमाई 2.0 में भी दिखीं। सीरत किए। निया को 2016 और 2017 में एशिया की सबसे डिजायरेबल महिलाओं की लिस्ट में शामिल किया गया। निया ने कलर्स के पॉपुलर रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी और डांसिंग शो झलक दिखला जा 10 में भी हिस्सा लिया।

राजकुमार राव भारतीय सिनेमा का भविष्यः महेश भट्ट

रा | जकुमार राव भारतीय सिनेमा के सबसे डायनेमिक अभिनेताओं में से एक है और सिर्फ दर्शक ही नहीं, बल्कि फिल्म निर्माता भी इस बात पर यकीन करते हैं। अभिनेता, जो 2024 के बॉक्स ऑफिस विश्लेषकों के रूप में उभर रहे हैं, ने को पहले मास्टर फिल्म निर्देशक महेश भट्ट ने भारतीय सिनेमा का भविष्य कहा था। अतीत में, उनकी सिस्टर एंड मिसेज माही के निर्देशक शरण शर्मा ने भी उनसे शानदार अभिनेता की प्रशंसा की। शर्मा ने कहा, राव वर्तमान हमारे सबसे अच्छे अभिनेताओं में से एक है। वह बहुत अच्छे हैं। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनके लिए एक अवसर है।

अभिनेता ने दो ब्लॉकबस्टर - श्रीकांत और मिस्टर एंड मिसेज माही के साथ 2024 की शानदार शुरुआत की, और अपनी आगामी फिल्म स्त्री 2 के साथ बॉक्स ऑफिस पर हैट्रिक लगाने का लक्ष्य रखे हैं। जहां श्रीकांत और मिस्टर एंड मिसेज माही को दर्शकों ने खूब सराहा, वहीं उम्मीद है कि स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा सकती है और साल को उनके बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बनकर उभरेगी।

'मैंने अपनी लाइफ में सभी एक्सपीरियंस' अपनी सेक्सुएलिटी पर पहली बार बोले अभय देओल- ये ऐसी चीज नहीं है जो मुझे डिफाइन करे



48 साल की उम्र में भी बॉलीवुड एक्टर अभय देओल सिंगल हैं और अब उन्होंने अपनी सेक्सुएलिटी पर बात की है। उन्होंने कहा कि इसे जो कोई लेबल नहीं देना चाहते। एक्टर ने कहा कि सेक्सुएलिटी को पहचान देने के लिए या कोई लेबल जोड़ने पर विश्वास नहीं करते। जो जो है सो है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये कोई ऐसी चीज नहीं है जो उन्हें डिफाइन कर सके। हाल ही में अभय देओल ने एक लंबा इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर की है, जिसमें वह होठों के सामने उंगली है और खुद को किस कर रहे हैं। इसके बाद अब एक इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि सेक्सुएलिटी को लेकर उनका क्या कहना है, तो उन्होंने कहा कि वह इस पूरे मामले को सेक्सुअल की तरह देखते हैं और इसे डिफाइन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, सेक्सुएलिटी को पहचान देने के लेबल लगाने को अस्वीकार करता हूं। पूरी तरह से यह अलग है, वह हम सभी को पहचानता है। मैं अपने सेक्सुएलिटी को परिभाषित नहीं कर सकता और यह कॉन्ट्रोवर्शियल लग सकता है, लेकिन मेरे लिए यह ऐसी चीज है, जिसे मैं डिफाइन नहीं कर सकता हूं। मुझे लगता है कि यह सामने वाले पार्टनर के लिए ज्यादा है, ताकि वे अपको एक बॉक्स में रख सकें, अड़े करने से आपको फिट कर सकें। मुझे खुद को लेबल लगाने में बचने बचने करना है। मैंने अपने जीवन में सभी अनुभवों को अनुभव है और मैं ऐसा करना जारी रखूंगा।